मध्यप्रदेश एवं छत्तीसगढ़ से प्रकाशितः भोपाल • ग्वालियर • कटनी • बिलासपुर • जबलपुर • छिंदवाड़ा • बालाघाट

www.emsindia.com

निष्पक्ष एवं विश्वसनीय खबरों का लोकप्रिय समाचार पत्र

■ वर्षः 30 ■ अंकः 107 ■ पेजः 8 ■ मूल्यः 1.50/- रुपए

एक्सप्रेस न्यूज

भोपाल | सोमवार 14 अप्रैल 2025

चुपके-चुपके

आखिर मंत्रीजी के निशाने पर कौन...?

राजनीति में वर्चस्व की जंग हमेशा चलती रहती है। हर राजनेता की कोशिश रहती है कि उसका रसूख सभी पर हावी रहे। लेकिन सभी के भाग्य में ऐसा नहीं लिखा होता है। खबरची का कहना है कि मप्र की राजनीति में भी नेताओं के बीच रसूख की आतंरिक जंग चल रही है। आलम यह है कि एक नेता दूसरे नेता के खिलाफ अपनी खींझ कुछ इस तरह निकालते हैं कि सांप भी मर जाए और लाठी भी न टूटे। गतदिनों प्रदेश सरकार के एक कद्दावर मंत्रीजी पौधारोपण को लेकर अफसरों पर पिल पड़े और उन्हें खरी-खोटी सुनाते हुए कहा कि तुम लोग नौटंकी कर रहे हो। लेकिन प्रदेश की राजनीतिक वीथिका में यह चर्चा चल रही है कि आखिर मंत्रीजी के निशाने पर कौन था? इसको लेकर तरह-तरह के कयास लगाए जा रहे हैं।

-खबरची

फटाफट खबरें

हार्वर्ड के प्रोफेसर्स ने ट्रंप पर केस किया

वॉशिंगटन, ईएमएस। अमेरिका की हार्वर्ड यूनिवर्सिटी के प्रोफेसर्स ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन के खिलाफ मैसाचुसेट्स की फेडरल डिस्ट्रिक्ट कोर्ट केस दायर किया है। प्रोफेसर्स के दो ग्रुप ने यूनिवर्सिटी फंड को रोकनी की धमकी के खिलाफ यह केस दर्ज किया है। ट्रंप प्रशासन हार्वर्ड यूनिवर्सिटी को मिलने वाले 9 अरब डॉलर के फंड की समीक्षा कर रहा है। हार्वर्ड के प्रोफेसर्स ने हवाला दिया है कि ट्रंप का यह फैसला अमेरिकी संविधान के फर्स्ट अमेंडमेंट (प्रथम संशोधन) का उल्लंघन करता है।

कार-ट्रेलर की टक्कर में 5 की मौत

जयपुर, ईएमएस। जयपुर के जमवारामगढ़ में रविवार सुबह ट्रेलर-कार की भिड़ंत हो गई। हादसे में 5 की मौत हो गई। टक्कर इतनी तेज थी कि ट्रेलर रोड से नीचे उतरकर पलट गया। कार से शवों को निकालने के लिए मशक्कत करनी पड़ी। रायसर थाना अधिकारी रघुवीर सिंह ने बताया कि हादसा सुबह करीब 8 बजे मनोहरपुर-दौसा हाईवे पर हुआ है। लखनऊ के रहने वाले सत्य प्रकाश (60), उनकी पत्नी रामा देवी (55), बेटा अभिषेक (35), बहू प्रियांशी (30) और 6 महीने की पोती वर्ना कार से खाटूश्यामजी के दर्शन के लिए निकले थे।

बिजली गिरने से 11 भैंसों की मौत

भोपाल, ईएमएस। शिवपुरी के ढेकुआ गांव में शनिवार देर रात आकाशीय बिजली गिरने से एक किसान की 11 भैंसों की मौके पर ही मौत हो गई। घटना रात करीब दो बजे की है। तेज बारिश और आंधी के दौरान बिजली गिरी। जिले में तेज बारिश और आंधी के चलते बदरवास तहसील के मंजारी गांव में कप्तान सिंह यादव के कच्चे मकान पर पेड़ गिर गया। इधर, सतना में मौसम ने सुबह 4 बजे अचानक करवट बदल ली। तेज आंधी के साथ लगभग 2 घंटे हुई बारिश ने मौसम में ठंडक घोल दी।

आज का कार्टून

राज्य स्तरीय सहकारी सम्मेलन में अमित शाह बोले...

कृषि - पशुपालन और सहकारिता में है बहुत अधिक संभावनाएं

भोपाल, ईएमएस। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में राज्य स्तरीय सहकारी सम्मेलन का आयोजन किया गया। जिसमें केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने कहा कि मध्यप्रदेश के कृषि, पशुपालन और सहकारिता तीनों क्षेत्रों में बहुत सम्भावनाएं है, अच्छे से दोहन करने की जरूरत है। कुछ राज्यों में सहकारिता आंदोलन गति पकड़ आगे बढ़ा, कुछ जगह इसका सहकारी करण किया गया कुछ जगह सम्पूर्ण विनाश हुआ। अलग अलग स्तर पर देश का सहकार बटा हुआ था। देशभर में बदलती हुई परिस्थितियों के अनुसार सहकारिता को लेकर कानून नहीं बना। केंद्रीय स्तर पर कोई सहकारिता मंत्रालय नहीं था। 75 साल बाद प्रधानमंत्री मोदी ने सहकारिता मंत्रालय बनाया और मुझे उस विभाग का मंत्री बनाया।

रविवार को भोपाल में राज्य स्तरीय सहकारी सम्मलेन का आयोजन किया गया। जहां राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड और मध्य प्रदेश सरकार के बीच एमओयू पर साइन हुआ। इस कार्यक्रम में केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह और सीएम डॉ मोहन यादव भी शामिल हुए। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए अमित शाह ने कहा कि संविधान के अंदर जो हमारी मर्यादा थी वो आज भी है। पैक्स को पुनर्जीवित करना, डेयरी क्षेत्र को बढ़ावा देना, ग्रामीण बैंक को बढ़ावा दिया।

देश के सभी राज्यों को धन्यवाद

प्राइमरी सोसायटी के लिए मॉडल बायलॉज बनाया और राज्यों को भेजा, जिसे आज पूरे भारत ने फॉलो किया। जब आपकी नियत ठीक हो तो नतीजे भी ठीक आते हैं। उन्होंने देश के सभी राज्यों को धन्यवाद देते हुए कहा कि सभी राज्यों ने मॉडल बायलॉज को स्वीकार किया। पैक्स एक समय केवल शार्ट टर्म एग्रीकल्चर फायनांस का काम करते थे, आज 20 ज्यादा कामों में इन्वॉल्व है। 300 से ज्यादा सरकारी योजनाएं आज पैक्स के पास है।

एनडीडीबी के साथ आगे बढ़ेगा मध्यप्रदेश फेडरेशन

उन्होंने आगे कहा कि ट्रेन का टिकट भी पैक्स दे देगा। पेट्रोल पंप भी चलाएगा, पैक्स फर्टीलाइजर का डीलर भी बनेगा। कई सारे कामों से पैक्स को जोड़ा गया। पैक्स के कम्प्युटराइजेशन में मध्यप्रदेश देश मे पहले नंबर है। हमने छोटे किसानों को भी बीज की सोसायटी के लिए मौका दिया। हमने सहकारिता के अंदर प्रशिक्षण के लिए सहकारिता का विश्वविद्यालय बनाया। मध्यप्रदेश के अंदर साढ़े 5 करोड़ लीटर दुग्ध उत्पादन है जो देश का 9 प्रतिशत है। मध्यप्रदेश फेडरेशन एनडीडीबी के साथ आगे बढ़ेगा।

कॉरपोरेटिव डेयरी से जोड़कर किसानों को मुनाफा

अमित शाह ने कहा कि किसान अपना दूध ओपन बाजार में बेचने जाता है तो शोषण होता है। किसानों को कॉरपोरेटिव डेयरी से जोड़कर उन्हें मुनाफा दिया जाय। दूध को प्रोसेस कर ज्यादा मुनाफे पर बेचने के लिये प्रोसेसिंग यूनिट लगाना है। मध्यप्रदेश में साढ़े 3 करोड़ लीटर सरप्लस दूध है। इसका ढाई प्रतिशत से भी कम कॉर्पोरेटिव डेयरी तक पहुंचता है। एमपी के केवल 17 प्रतिशत गांव में ही दूध कलेक्शन की व्यवस्था है, आज के अनुबंध से 83 फीसदी गांव तक कलेक्शन की सुविधा पहुंचने की संभावना है।

राष्ट्रपति ट्रम्प की मनमानी से रिपब्लिकन और डेमोक्रेटिक सांसद नाराज...

अगले 30 दिन में

ट्रंप के खिलाफ आ सकता है महाभियोग

● वॉशिंगटन, ईएमएस

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की नई टैरिफ नीतियों ने पूरे विश्व ही नहीं अमेरिका में भी उथल-पुथल मचा दी है। कड़े आयात करों (टेरिफ) ने अमेरिका में सामान की कीमतों को बढ़ा दिया है। लाखों लोगों को नौकरियां से निकालना, रोजगार के नुकसान की चिंता पैदा कर दी है, इसलिए अमेरिका में बड़े राजनीतिक और सार्वजनिक मुद्दे पैदा हो गए हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति की मनमानी से रिपब्लिकन और डेमोक्रेटिक दोनों पार्टियों के सांसद नाराज हैं। संभावना जताई जा रही है, ट्रंप के खिलाफ तीसरी बार महाभियोग लाया जा सकता है। अमेरिका में डोनाल्ड ट्रंप अकेले ऐसे राष्ट्रपति हैं। जिन्हें अमेरिका के 248 साल के राजनीतिक इतिहास में दो बार महाभियोग का सामना करना पड़ा है। पहली बार उनके खिलाफ 2019 और दूसरी बार 2021 में महाभियोग लाया गया था।

हालांकि डोनाल्ड ट्रंप के खिलाफ अभी कोई आधिकारिक महाभियोग प्रक्रिया शुरू नहीं हुई है। कई कांग्रेस सदस्यों ने ट्रम्प पर राजनीतिक लाभ के लिए अपनी शक्ति का दुरुपयोग करने का आरोप लगाया है। ट्रम्प की गतिविधियों के प्रबल समर्थकों और आर्थिक नुकसान की चेतावनी देने वाले विरोधियों ने एक बार फिर ट्रंप की नीतियों को लेकर विभाजित कर दिया है। ट्रम्प के राजनीतिक करियर से परे, यह विषय अमेरिकी लोकतंत्र की स्थिति और कानूनी प्रक्रियाओं की सराहना करने की आवश्यकता के बारे में बड़ी चिंताएं पैदा करता है। डोनाल्ड ट्रम्प की मुश्किलें एक बार फिर चर्चा में हैं। उनकी नई टैरिफ नीतियों के कारण इस बार उन पर महाभियोग की प्रक्रिया चल सकती है। डेमोक्रेट और रिपब्लिकन सांसद ट्रंप की नई टैरिफ नीतियों से काफी नाराज हैं। कई सांसदों का मानना है, ट्रम्प की हरकतें अवैध हो सकती हैं। अमेरिकी अर्थव्यवस्था को नुकसान पहुंचाने वाली हैं।

व्यक्तिगत लाभ के लिए ट्रंप की नीतियां

ट्रम्प के प्रस्तावित टैरिफ कार्यक्रम में कई देशों से आयातित वस्तुओं पर भारी शुल्क लगाया गया है। यह टैरिफ अमेरिकी व्यवसायों और रोजगार की सुरक्षा के लिए ट्रंप आवश्यक बता रहे हैं। ट्रम्प का कहना है, इन शुल्कों के बिना अमेरिकी व्यवसाय और श्रमिकों को रोजगार मे प्रतिस्पर्धा नहीं कर सकते हैं। कई विश्लेषकों का मानना है कि यह शुल्क अर्थव्यवस्था पर नकारात्मक प्रभाव डाल रहे हैं। भोजन, कपड़े और प्रौद्योगिकी सहित दैनिक वस्तुओं की कीमतें अब महगीं हो गई हैं। कुछ व्यवसायों के कर्मचारियों को नौकरी से निकालना पड़ा है। क्योंकि वे अधिक खर्च वहन नहीं कर सकते।व्यक्ति गत राजनीतिक लाभ के लिए टैरिफ का इस्तेमाल करने का आरोप कम पर लगाया जा रहा है जिसमें इनसाइडर ट्रेडिंग का आरोप भी उनके ऊपर लगने लगा है। ट्रम्प की नीतियों का विरोध करने वालों का आरोप है कि उन्होंने अतिरिक्त शुल्क लगाने से पहले सही कानूनी प्रक्रियाओं की अनदेखी की है। उनका तर्क है कि उन्होंने व्यापार एवं आर्थिक विशेषज्ञों की सलाह की अवहेलना की है। वह कांग्रेस की अनुमति प्राप्त करने में असफल रहे हैं। कुछ लोग दावा करते हैं कि उन्होंने राष्ट्र की भलाई के बजाय व्यक्ति गत राजनीतिक एवं आर्थिक लाभ के लिए टैरिफ प्राधिकरण का इस्तेमाल किया है। महाभियोग शुरू करने के लिए कांग्रेस उक्त कृत्यों को अधिकारों का दुरुपयोग मान रहे है। अगर प्रतिनिधि सभा ट्रंप के खिलाफ महाभियोग को मंजूरी दे देती है। इसके बाद यह मामला सीनेट के समक्ष सुनवाई के लिए लाया जाएगा।

एक साथ कई मोर्चे खोले ट्रंप ने

अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप ने राष्ट्रपति पद की शपथ लेने के साथ ही एक साथ कई मोर्चे खोल रखे हैं न्यायपालिका से भी उनकी टसल चल रही है। डोनाल्ड ट्रंप की पत्नी ने क्रिप्टो करेंसी लांच की है टैरिफ नीति को लेकर राष्ट्रपति ट्रंप पर इनसाइडर ट्रेडिंग के आरोप लग रहे हैं। जिस तरह की स्थितियां अमेरिका में बन रही हैं। डोनाल्ड ट्रंप अमेरिका के पहले ऐसे राष्ट्रपति होंगे।जिनके खिलाफ तीसरा महाभियोग प्रस्ताव पेश होगा।इस बार जो स्थितियां बनी है। वह राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के लिए घातक साबित हो सकती हैं। उनके विशेष सलाहकार एलन मस्क के खिलाफ जिस तरह के आंदोलन अमेरिका में चल रहे हैं। अमेरिका के 50 राज्यों में जिस तरह का विरोध देखने को मिल रहा है। उसके बाद यह संभावना व्यक्त की जा रही है। जल्द ही डोनाल्ड ट्रंप के खिलाफ महाभियोग आ सकता है। टैरिफ नीति को लेकर जिस तरह से 90 दिन के लिए बढ़े हुए टेरिफ को स्थगित करने का निर्णय लिया है। चीन को कुछ वस्तुओं के टैरिफ में छूट दी है। अमेरिकी शेयर बाजार में जो उथल-पुथल हुई है। उसको लेकर अब ट्रम्प बुरी तरह से घिर गए हैं।

9 आईएएस अफसरों के तबादले, चार जिलों के कलेक्टर बदले

संचालक जनसंपर्क अंशुल गुप्ता बने विदिशा कलेक्टर

संयुक्त मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी बसंत कुर्रे को श्रम विभाग भेजा

भोपाल, ईएमएस। मप्र में 9 आईएएस अफसरों के तबादले किए गए हैं। रविवार शाम को जारी आदेश में 4 जिलों उज्जैन, अशोकनगर, हरदा और विदिशा के कलेक्टर बदले गए हैं। वहीं संयुक्त मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी बसंत कुर्रे को श्रम विभाग में अपर सचिव बनाया गया है। संचालक जनसंपर्क अंशुल गुप्ता को विदिशा जिले का कलेक्टर की जिम्मेदारी दी गई है।

सरकार द्वारा जारी सूची के अनुसार संयुक्त मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी बसंत कुर्रे को अपर सचिव श्रम विभाग बनाया गया है। उज्जैन कलेक्टर नीरज कुमार सिंह को संचालक लोक स्वास्थ्य-परिवार कल्याण, कलेक्टर अशोकनगर सुभाष कुमार द्विवेदी को अपर सचिव सामान्य प्रशासन विभाग, कलेक्टर हरदा आदित्य सिंह को कलेक्टर अशोकनगर, कलेक्टर विदिशा रोशन कुमार सिंह को कलेक्टर उज्जैन, अपर कलेक्टर भोपाल सिद्धार्थ जैन को कलेक्टर हरदा, संचालक जनसंपर्क अंशुल गुप्ता को कलेक्टर विदिशा बनाया गया है। वहीं अपर कलेक्टर इंदौर ज्योति शर्मा को सीईओ जिला पंचायत देवास, हिमांशु प्रजापति सीईओ जिला पंचायत देवास को कार्यकारी संचालक मप्र औद्योगिक विकास निगम इंदौर बनाया गया है।

पूर्व मुख्यमंत्री और आप नेता आतिशी ने लगाया आरोप

दिल्ली में सीएम पति चला रहे सरकार

नई दिल्ली, ईएमएस। पूर्व मुख्यमंत्री आतिशी ने मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता पर आरोप लगाया कि उनके पति सरकार चला रहे हैं। आतिशी ने एक्स पर फोटो शेयर कर लिखा कि इन फोटो को ध्यान से देखिए। जो व्यक्ति एमसीडी, डीजेबी, पीडब्ल्यूडी और डीयूएसआईबी के अफसरों की मीटिंग ले रहे हैं, यह दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के पति मनीष गुप्ता हैं। आतिशी ने दिल्ली में हो रहें पावर कट और बढ़ती स्कूल फीस को लेकर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा- क्या रेखा गुप्ता को काम संभालना नहीं आता? इसी वजह से दिल्ली में रोज लंबे-लंबे पावर कट हो रहे हैं? स्कूलों की फीस बढ़ रही है?

इसके जवाब में बीजेपी अध्यक्ष सचदेवा ने आतिशी पर अपमानजनक टिप्पणी करने का आरोप लगाया। पति का अपनी पत्नी को समर्थन करना सामान्य बात है। एक्स पर सचदेवा ने लिखा कि मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता कड़ी मेहनत से इस पद तक पहुंची हैं और यह बिल्कुल सामान्य बात है कि परिवार के सदस्य उनका समर्थन कर रहें हैं।

मुख्यमंत्री पति का सरकार चलाना खतरनाक

आतिशी ने कहा कि हम पहले सुनते थे कि अगर गांव में महिला सरपंच चुन कर आती थी, तो सारा सरकारी काम उसका पति संभालता था। ऐसा माना जाता था कि गांव की महिलाओं को सरकारी काम संभालना नहीं आता, इसलिए काम 'सरपंच-पति' संभालेंगे। इस प्रथा का विरोध हुआ, महिला सरपंचों को ट्रेनिंग देने की शुरुआत हुई कि वे अपनी जिम्मेदारी संभाल सकें। देश के इतिहास में यह पहली बार हुआ होगा कि एक महिला मुख्यमंत्री बनी और सारा सरकारी काम उनके पति संभाल रहे हैं। उन्होंने एक मुख्यमंत्री-पति के सरकार चलाने को बेहद खतरनाक बताया। वीरेंद्र सचदेवा ने कहा कि रेखा गुप्ता ने छत्र सचिव से दिल्ली की मुख्यमंत्री तक का सफर तय किया है। सचदेवा ने अरविंद केजरीवाल पर सवाल करते हुए कहा कि अगर रेखा गुप्ता के पति का समर्थन करना गलत है तो, पूर्व सीएम की पत्नी सुनीता केजरीवाल का मुख्यमंत्री कार्यालय से जनता को संबोधित करना क्या है। क्या वह लोकतंत्र का अपमान नहीं था।

टैरिफ युद्ध के चलते मंदी की ओर बढ़ रहे अमेरिका और चीन

विदेशी निवेशकों का भारतीय बाजार की ओर बढ़ा रूझान

नई दिल्ली, ईएमएस। अमेरिका द्वारा कई देशों पर टैरिफ लगाए जाने और अमेरिका और चीन के बीच संभावित टैरिफ युद्ध को लेकर दुनियाभर के बाजारों में अस्थिरता का दौर चल रहा है। इस बीच अप्रैल माह में भारतीय बाजार से विदेशी निवेशकों ने 31,575 करोड़ रुपये निकाल लिए हैं।

वहीं 21 मार्च से 28 मार्च के बीच छह ट्रेडिंग सेशन में करीब 30,927 करोड़ रुपये का निवेश भी आया है। डिपॉजिटरी के आंकड़ों के अनुसार, इस निवेश से मार्च में कुल निकासी घटकर 3,973 करोड़ रुपये रह गई। फरवरी में विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों ने भारतीय बाजार से 34,574 करोड़ रुपये निकाले थे। जनवरी में तो विदेशी निवेशकों ने 78,027 करोड़ रुपये निकाले थे। निवेशकों की धारणा में यह बदलाव वैश्विक वित्तीय बाजारों में अस्थिरता और गतिशीलता को दर्शाता है। डेटा के अनुसार, 1 अप्रैल से 11 अप्रैल के बीच विदेशी निवेशकों ने भारतीय इक्विटी से 31,575 करोड़ रुपये निकाले। इसके साथ ही साल 2025 में भारतीय बाजार से विदेशी निवेशक कुल 1.48 लाख करोड़ रुपये निकाल चुके हैं।

लॉन्ग टर्म में भारत को मिलेगा फायदा

विशेषज्ञों का कहना है कि राष्ट्रपति ट्रंप के पारस्परिक टैरिफ के बाद वैश्विक शेयर बाजारों की उथल-पुथल, भारत में एफपीआई निवेश को भी प्रभावित कर रही है। उनका मानना है कि मौजूदा अराजकता का दौर शांत होने के बाद ही विदेशी निवेशकों की रणनीति का स्पष्ट पैटर्न उभर कर सामने आएगा। उनका मानना है कि अमेरिका और चीन टैरिफ युद्ध के चलते मंदी की ओर बढ़ रहे हैं। ऐसे में मध्यम अवधि में विदेशी निवेशक भारत का रुख कर सकते हैं। वित्तीय वर्ष 2026 में बेहतर आय वृद्धि के साथ भारत में एफपीआई निवेश बढ़ सकता है।

10 साल पुरानी डीजल, 15 साल से पुरानी पेट्रोल गाड़ियों का रजिस्ट्रेशन रद्द

दिल्ली में 55 लाख गाड़ियां अब अवैध

नई दिल्ली, ईएमएस। दिल्ली की सरकार ने पुरानी हो चुकी गाड़ियों के प्रबंधन के लिए नए दिशा-निर्देश जारी किए हैं। परिवहन विभाग द्वारा जारी सूचना के अनुसार, 2024 से दिल्ली में 10 साल से पुरानी डीजल और 15 साल से पुरानी पेट्रोल/सीएनजी गाड़ियों का रजिस्ट्रेशन रद्द कर दिया गया है।

ऐसी एंड ऑफ लाइफ व्हीकल की संख्या 55 लाख से ज्यादा है। ऐसे वाहनों की सूची परिवहन विभाग की वेबसाइट पर डाल दी गई है। सार्वजनिक स्थानों, जिसमें घर के बाहर का क्षेत्र भी शामिल है, पर इन गाड़ियों को पार्क करने पर पूर्ण प्रतिबंध लगा दिया गया है।

वाहन चालकों पर लगेगा जुर्माना

अगर पुरानी गाड़ियां दिल्ली के सार्वजनिक स्थानों में चलती या पार्क होती पाई गईं, तो उन्हें जब्त किया जा सकता है, 5,000 या 10,000 रुपये का जुर्माना लगाया जा सकता है। इसके अलावा जल्द ही ऐसी गाड़ियों को ईंधन भी नहीं मिलेगा। अगर एनओसी जारी होने के एक महीने के भीतर वाहन दिल्ली से बाहर नहीं ले जाया गया, तो उसकी पार्किंग भी अवैध होगी। परिवहन विभाग, दिल्ली ट्रैफिक पुलिस, नई दिल्ली नगरपालिका परिषद, दिल्ली नगर निगम, और दिल्ली छावनी बोर्ड ऐसे वाहनों को जब्त कर सकते हैं।

वक्फ कानून पर बंगाल में हिंसा... मुर्शिदाबाद से भागे 500 लोग, अब मालदा के स्कूल में ली शरण, कहा

घर जला दिए, पानी में जहर मिला दिया

मुर्शिदाबाद, ईएमएस। वक्फ कानून के विरोध में शनिवार को पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद, नॉर्थ 24 परगना, हुगली और मालदा जिलों में हिंसक विरोध प्रदर्शन हुए। वाहनों को आग लगाई और दुकानों-घरों में तोड़फोड़ कर लूट भी की गई। अबतक 3 लोगों की मौत हो चुकी है। 15 पुलिसकर्मी घायल हैं। 150 लोग गिरफ्तार किए गए हैं। मुर्शिदाबाद में फिलहाल तनावपूर्ण शांति है। लेकिन दो दिन पहले जिस तरह हिंसा भड़की, उसकी भयावहता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि अब तक 500 लोगों ने मुर्शिदाबाद छोड़ दिया और पलायन कर मालदा में आ गए हैं। ये सिलसिला थमा नहीं है। पलायन करने वाले लोगों की संख्या बढ़ती जा रही है। ये शरणार्थी ग्रामीण मालदा के एक स्कूल में शरण लिए हैं। इन लोगों का आरोप है कि उनके घरों में तोड़फोड़-आगजनी की गई। पीने के पानी में जहर मिला दिया गया है। ये किसी तरह बीएसएफ की मदद से वहां से बचकर आए हैं।

गांव वालों का कहना है कि वे लोग अपने घरों को छोड़कर आए हैं और नाव से नदी पार कर पहुंचे हैं। इन लोगों में 3 दिन के नवजात से लेकर बुजुर्ग महिलाएं तक शामिल हैं। स्थानीय लोगों ने इन लोगों को शरण दी है और वे उन्हें खाना भी खिला रहे हैं। लोगों के आने का सिलसिला थमा नहीं है। ये शरणार्थी मालदा के हाईस्कूल के क्लास रूम में डेरा जमाए हैं। उनके साथ बच्चे भी हैं। स्थानीय डॉक्टर भी शरणार्थी कैंप पहुंचे और चेकअप कर रहे हैं। इन लोगों का कहना है कि मालदा के स्थानीय लोगों ने हमारी मदद की है। वे धूलियान से भागकर आए हैं। नाव के जरिए मालदा तक पहुंचे हैं। शरणार्थियों का कहना है कि पानी की टंकी में जहर डाल दिया गया है।

डोनाल्ड ट्रंप के विशेष दूत स्टीव विटकॉफ ने तैयार किया टूकड़े करने वाला प्लान

अमेरिका और रूस मिलकर करेंगे यूक्रेन का बंटवारा

● न्यूयॉर्क/वॉशिंगटन, ईएमएस

रूस और यूक्रेन के बीच तीन साल से युद्ध चल रहा है। शांति और समझौते के तमाम प्रयास अब तक सिफर ही रहे हैं। इस बीच, अमेरिका दोनों पक्षों से बातचीत कर रहा है और शांति के प्रस्ताव का फॉर्मूला निकाल रहा है। खबर है कि यूक्रेन-रूस डील को लेकर ट्रंप प्रशासन ने चौंकाने वाला सुझाव तैयार किया है।

ट्रंप के विशेष दूत ने यूक्रेन के कुछ अहम इलाके रूस को देने की वकालत की है। उन्होंने रूस को चार यूक्रेनी इलाके देने का प्रस्ताव दिया है। हालांकि, इस डील पर ट्रंप प्रशासन के भीतर ही रणनीतिक मतभेद देखे जा रहे हैं। दरअसल, पिछले हफ्ते रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने अपनी तरफ से एक वार्ताकार को वॉशिंगटन भेजा था। रूसी वार्ताकार ने ट्रंप प्रशासन के साथ डिनर में हिस्सा लिया था और यूक्रेन-रूस में शांति पर चर्चा की थी। इस डिनर के 48 घंटे से भी कम समय बाद बड़ी जानकारी निकलकर सामने आई है। मॉस्को के साथ बातचीत का नेतृत्व कर रहे अमेरिकी विशेष दूत स्टीव विटकॉफ ने व्हाइट हाउस में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से मुलाकात की और सीधी बात रखी है।

चार पूर्वी यूक्रेनी क्षेत्रों को रूस को सौंप दिया जाए

विटकॉफ ने कहा, यूक्रेन में युद्धविराम का सबसे सटीक रास्ता यह है कि रूस को 2022 में अवैध रूप से कब्जाने की कोशिश किए गए चार पूर्वी यूक्रेनी क्षेत्रों की मालिकाना जिम्मेदारी दे दी जाए। दो अमेरिकी अधिकारियों और स्थिति से परिचित पांच लोगों ने न्यूज एजेंसी रॉयटर्स को बताया कि ट्रंप के विशेष दूत स्टीव विटकॉफ ने युद्धविराम कराने का यह सबसे तेज तरीका बताया है। यह वही पॉइंट है, जिसे विटकॉफ पहले भी उठा चुके हैं।

विटकॉफ के प्रस्ताव का विरोध

सूत्रों के मुताबिक, व्हाइट हाउस में बैठक के दौरान राष्ट्रपति ट्रंप के यूक्रेन मामलों के विशेष दूत जनरल कीथ केलीग ने विटकॉफ के प्रस्ताव का विरोध किया और कहा कि यूक्रेन विवादित जमीन से संबंधित कुछ शर्तों पर बातचीत करने के लिए तैयार हो सकता है, लेकिन वो कभी भी इन क्षेत्रों का पूर्ण स्वामित्व रूस को एकतरफा सौंपे जाने के लिए तैयार नहीं होगा।

पुतिन से मिलने रूस पहुंचे विटकॉफ

फिलहाल, यह बैठक बिना किसी निर्णय के समाप्त हो गई। यानी यह तय नहीं हो पाया कि अमेरिका अपनी रणनीति में बदलाव करेगा या नहीं। वहीं, विटकॉफ शुक्रवार को पुतिन से मिलने के लिए रूस पहुंच गए। उन्होंने सेंट पीटर्सबर्ग में रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से मुलाकात की। बताते चलें कि यूक्रेन और रूस के बीच गतिरोध समाप्त करने को लेकर ट्रंप प्रशासन के भीतर मतभेद बढ़ते जा रहे हैं।

शासकीय जमीन पर बना अवैध मदरसा ध्वस्त

पन्ना, ईएमएस। नया वक्फ कानून आते ही कई राज्य सरकारों ने वक्फ संपत्तियों पर अवैध कब्जा करने वालों के खिलाफ कार्रवाई शुरू कर दी है। नए कानून लागू होने के बाद मप्र में की गई पहले कार्रवाई के तहत पन्ना में वक्फ की जमीन के नाम पर सरकारी जमीन पर कब्जा कर कर बनाए गए एक अवैध मदरसे की ढहा दिया गया।

पन्ना के वार्ड क्रमांक 26 बीडी कॉलोनी में शासकीय जमीन पर बने अवैध मदरसे को प्रशासन ने ध्वस्त कर दिया है। वक्फ बोर्ड जिला अध्यक्ष अब्दुल हमीद उर्फ बाती और सलीम खान की शिकायत के बाद यह कार्रवाई की गई। मदरसा संचालक अब्दुल रऊफ और कुछ सदस्यों ने पहले खुद भवन को गिराना शुरू किया था। शनिवार की रात प्रशासन ने पूरी कार्रवाई को अंजाम दिया। एडीएम, तहसीलदार और नगरपालिका की टीम ने मौके पर पहुंचकर बुल्डोजर से पूरी बिल्डिंग को जमींदोज कर दिया। तहसीलदार अखिलेश प्रजापति के अनुसार, एक महीने पहले मदरसे की जमीन की जांच की गई थी। जांच में यह जमीन शासकीय पाई गई। इसके बाद मदरसा संचालक को अतिक्रमण हटाने का नोटिस जारी किया गया था।

फिर मंच साझा करते नजर आए शरद-अजित पवार

सतारा, ईएमएस। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार और एनसीपी (एसपी) के प्रमुख शरद पवार शनिवार को सातारा में एक ही मंच पर दिखे। यह इस सप्ताह दूसरी बार है जब चाचा-भतीजे सार्वजनिक रूप से एक साथ नजर आए। इससे पहले गुरुवार को शरद पवार ने अजित पवार के छोटे बेटे जय पवार की सगाई समारोह में शिरकत करने पहुंचे थे, जो पुणे के पास आयोजित किया गया था।

जूते में छिपा रखा था करोड़ों का सोना, कस्टम अधिकारियों ने पकड़ा

मुंबई, ईएमएस। मुंबई इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर एक यात्री के जूतों से करीब 6.3 करोड़ मूल्य का सोना मिला है। मामले की जानकारी देते हुए एक अधिकारी ने बताया कि जांच में सोना बरामद होने के बाद यात्री को हिरासत में ले लिया गया है। इसके साथ ही सोना तस्करी से जुड़े एक संभावित खरीददार को भी गिरफ्तार किया है।

फटाफट खबरें

हिंसा के लिए केंद्र जिम्मेदार: मित्रा

कोलकाता, ईएमएस। मुर्शिदाबाद हिंसा पर टीएमसी नेता मदन ने कहा कि यह हिंसा पूरे देश में हुई, केवल बंगाल में नहीं। इस स्थिति के लिए केंद्र जिम्मेदार है। केंद्र ने वक्फ कानून को जबरन लागू किया है। देश में हुई सभी हिंसा के लिए मोदी, शाह और योगी जिम्मेदार होंगे। मुर्शिदाबाद जिले में वक्फ संशोधन बिल के खिलाफ चल रहे विरोध प्रदर्शन से जुड़ी झड़पों के बाद 3 की मौत हो गई है। इसके बाद पश्चिम बंगाल की सीएम ममता की ओर से घोषणा की गई कि राज्य में वक्फ संशोधन लागू नहीं किया जाएगा। सुती और शमशेरगंज जैसे इलाकों में बढ़ती अशांति के बीच कलकत्ता हाईकोर्ट ने प्रभावित क्षेत्रों में केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल की तैनाती का आदेश दिया है।

न्यूयॉर्क में विमान क्रैश, कोई हताहत नहीं

न्यूयॉर्क, ईएमएस। हडसन के पास कोलंबिया जा रहा विमान मैदान में दुर्घटनाग्रस्त हो गया, विमान दो लोगों को ले जा रहा था। कोलंबिया काउंटी की अधिकारी ने इसे एक घातक दुर्घटना बताया है। उन्होंने यह स्पष्ट नहीं किया कि इस हादसे में किसी की मौत हुई है या नहीं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक मित्सुबिशी एमयू-2बी विमान हडसन के पास कोलंबिया काउंटी हवाई अड्डे की ओर जा रहा था लेकिन यह हवाई अड्डे से करीब 30 मील दूर कोपेक के पास दुर्घटनाग्रस्त हो गया। उन्होंने बताया कि दुर्घटनास्थल तक पहुंचना बहुत कठिन था क्योंकि खराब मौसम के कारण वहां कीचड़ है और बर्फ जमी हुई है।

झारखंड के जज को जान से मारने की धमकी

रांची, ईएमएस। रांची एनआईए कोर्ट के जज को जान से मारने की धमकी मिली है। यह धमकी नक्सली संगठन के शीर्ष नेताओं प्रशांत बोस और शीला मरांडी को जेल से छुड़ाने की मंशा से दी गई है। जज को धमकी भरा पत्र भेजकर जान से मारने और जेल तोड़ने की बात कही गई है। इस मामले को लेकर कोतवाली थाना में चार संदिग्धों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरु कर दी गई है। कोतवाली थाना प्रभारी इंस्पेक्टर आदिकांत महतो की शिकायत पर दर्ज प्राथमिकी में अरुण कुमार, अनामिका इंटरप्राइजेज प्राइवेट लिमिटेड, साकेत तिर्की और एक अज्ञात व्यक्ति को आरोपी बनाया गया है।

मंगलुरु को मिलेगी वंदे भारत स्लीपर ट्रेन

मंगलुरु, ईएमएस। वी सोमन्ना ने घोषणा की है कि मंगलुरु को जल्द ही वंदे भारत स्लीपर ट्रेन की सुविधा मिल जाएगी। उन्होंने मंगलुरु सेंट्रल रेलवे स्टेशन पर आयोजित एक कार्यक्रम में यह घोषणा की जिसमें उन्होंने मंगलुरु सेंट्रल-कबक पुत्तूर रेल सेवाओं के सुब्रह्मण्य रोड तक विस्तार को हरी झंडी दिखाई। मंगलुरु सेंट्रल-कबक पुत्तूर तक चलने वाली चार यात्री रेल सेवाओं का सुब्रह्मण्य रोड तक विस्तार किया गया है जिससे क्षेत्र के रेल यात्रियों, विशेषकर सुब्रह्मण्य जाने वाले श्रद्धालुओं को काफी सुविधा होगी। उन्होंने कहा कि मंगलुरु को जल्द ही वंदे भारत स्लीपर ट्रेन मिल जाएगी जिससे लंबी दूरी के यात्री और ज्यादा आरामदायक यात्रा का अनुभव ले सकेंगे।

राष्ट्रपति मुर्मू और पीएम मोदी ने जलियांवाला बाग हत्याकांड के शहीदों को दी श्रद्धांजलि, राष्ट्रपति बोलीं-

कृतज्ञ भारत सदैव ऋणी रहेगा शहीदों का

नई दिल्ली, ईएमएस। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 13 अप्रैल 1919 के जलियांवाला बाग हत्याकांड में जान गंवाने वाले शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की और कहा कि भारत हमेशा उनके बलिदान का ऋणी रहेगा। राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री ने यह संदेश सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर साझा करते हुए स्वतंत्रता सेनानियों को नमन किया।

जलियांवाला बाग के शहीदों को याद करते हुए राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने एक भावुक पोस्ट में लिखा, जलियांवाला बाग में भारत माता के लिए मरमिटने वाले सभी स्वाधीनता सेनानियों को मैं सादर श्रद्धांजलि अर्पित करती हूं। उनके बलिदान से हमारे स्वाधीनता संग्राम की धारा और प्रबल हो गई थी। कृतज्ञ भारत सदैव उनका ऋणी रहेगा। उन्होंने आगे लिखा, मुझे विश्वास है कि उन अमर बलिदानियों से प्रेरणा लेकर सभी देशवासी भारत की प्रगति में पूरे तन-मन-धन से अपना योगदान देते रहेंगे। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को जलियांवाला बाग हत्याकांड के शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की। इस दुखद घटना की 106वीं बरसी पर प्रधानमंत्री ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर एक पोस्ट करते हुए कहा, कि हम जलियांवाला बाग के शहीदों को श्रद्धांजलि देते हैं। आने वाली पीढ़ियां उनके अदम्य साहस को हमेशा याद रखेंगी। गौरतलब है कि 13 अप्रैल 1919 को अमृतसर के जलियांवाला बाग में ब्रिटिश जनरल डायर के आदेश पर शांतिपूर्ण प्रदर्शन कर रहे सैकड़ों निर्दोष भारतीयों पर अंधाधुंध गोलियां बरसाई गई थीं। ये लोग औपनिवेशिक शासन द्वारा लाए गए रॉलेट एक्ट के खिलाफ विरोध कर रहे थे। इस बर्बर घटना में हजारों लोगों की जान गई और यह भारत के स्वतंत्रता संग्राम के इतिहास में एक काले अध्याय के रूप में दर्ज है। प्रधानमंत्री मोदी की यह श्रद्धांजलि न केवल ऐतिहासिक बलिदान को याद करने का प्रतीक है, बल्कि आने वाली पीढ़ियों को भी इस साहसिक विरासत से जोड़ने का एक प्रयास है।

बैसाखी पर्व पर राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री और खड़गे ने दी देशवासियों को शुभकामनाएं

ये पर्व सामाजिक विविधता में एकता के प्रतीक

नई दिल्ली, ईएमएस। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, पीएम नरेंद्र मोदी और कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने देशवासियों को बैसाखी की बधाई दी है। इन नेताओं ने इसको एकता, समृद्धि और नई शुरुआत का पर्व बताया है। राष्ट्रपति मुर्मू ने अपने एक्स हैंडल पर पोस्ट में लिखा- वैशाखी, विषु, बोहाग बिहू, पोयला बोइशाख, मेषादी, वैशाखादि और पुतादु पिरापु के शुभ अवसर पर मैं भारत और अन्य देशों में रह रहे सभी भारतीयों को हार्दिक शुभकामनाएं देती हूं। उन्होंने अपने संदेश में इन त्योहारों को सांस्कृतिक एकता और खुशी का प्रतीक बताया।

राष्ट्रपति ने आगे लिखा- देश के कई हिस्सों में फसल कटाई के समय मनाए जाने वाले ये पर्व हमारी सामाजिक परम्पराओं और विविधता में एकता के प्रतीक हैं। इन त्योहारों द्वारा हम अन्नदाताओं के प्रति कृतज्ञता और सम्मान व्यक्त करते हैं। ये पर्व हमें प्रकृति के संरक्षण और सांस्कृतिक विरासत का संदेश देते हैं। मैं कामना करती हूं कि ऊर्जा और उल्लास से भरपूर ये त्योहार हमें अपने राष्ट्र के विकास में दृढ संकल्प के साथ योगदान देने के लिए प्रेरित करें।

पीएम नरेंद्र मोदी ने अपने संदेश में लिखा- सभी देशवासियों को बैसाखी की हार्दिक शुभकामनाएं। यह त्यौहार आपके जीवन में नई आशा, खुशियां और समृद्धि लेकर आए। हम हमेशा एकजुटता, कृतज्ञता और नवीनीकरण की भावना का जश्न मनाएं। वहीं, कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने अपने संदेश में बैसाखी, बोहाग बिहू, पुथांडु, पोइला बैसाख, बिजू और महा बिशुबा पाना संक्रांति के अवसर पर सभी को बधाई दी। उन्होंने कहा कि ये त्योहार नए साल की शुरुआत का प्रतीक है और इनमें उम्मीद, नई शुरुआत और समृद्धि का वादा छिपा है। उन्होंने कामना की कि ये पर्व देश में खुशी, समृद्धि और आपसी भाईचारे को और मजबूत करेंगे। ये सभी त्योहार देश के कई हिस्सों में अलग-अलग नामों और परंपराओं के साथ मनाए जाते हैं। बैसाखी जहां पंजाब में सिख समुदाय का प्रमुख पर्व है, वहीं बोहाग बिहू असम में, पुथांडु तमिलनाडु में और पोइला बैसाख पश्चिम बंगाल में नए साल की शुरुआत का प्रतीक है। विषु केरल में और मेषादी कर्नाटक में धूमधाम से मनाया जाता है। इन त्योहारों में लोग नए कपड़े पहनते हैं, स्वादिष्ट व्यंजन बनाते हैं और परिवार व दोस्तों के साथ उत्सव मनाते हैं।

नेपाल में राजशाही के लिए फिर हिंसक प्रदर्शन शुरु, ओली अपनी बात पर अड़े

पूर्व राजा ज्ञानेंद्र हो सकते हैं गिरफ्तार

काठमांडू, ईमएस

नेपाल इन दिनों राजनीतिक अस्थिरता का माहौल है। नेपाल के कुछ हिस्सों में फिर से हिंसक विरोध-प्रदर्शन हुए हैं। ये प्रदर्शन राजशाही को फिर से वापस लाने के लिए किए जा रहे हैं। दूसरी तरफ नेपाल के पीएम केपी शर्मा ओली अपने रुख पर अड़े हैं और पूर्व राजा ज्ञानेंद्र शाह को गिरफ्तार करने की बात कह रहे हैं। ओली सरकार लगातार कह रही है कि हिंसक विरोध उकसावे वाली घटना है और हिंसा भड़काने वालों को बख्शा नहीं जाएगा। पीएम ओली हाल में ही अपनी कम्यूनिस्ट पार्टी ऑफ नेपाल-यूएमएल की बैठक में सख्त कदम उठाने की बात कह चुके हैं।

बता दें कि प्रदर्शनकारी न सिर्फ राजशाही को वापस लेने की मांग कर रहे हैं, बल्कि नेपाल को हिन्?दू राष्?ट्र घोषित करने की मांग भी कर रहे हैं। राजशाही के समर्थन में कुछ लोग आंदोलन कर रहे हैं, वहीं एक बड़ा तबका ऐसा भी है, जो सरकार से नाराज तो है लेकिन वह राजशाही की वापसी के पक्ष में नहीं हैं। बता दें 8 अप्रैल 2025 को राजशाही के समर्थन में रैली के लिए राजधानी के बल्खू इलाके में हाथ में नेपाली झंडा और पूर्व राजा ज्ञानेंद्र शाह की तस्वीर लिए लोगों की भीड़ जमा हुई थी। राजशाही खत्म कर साल 2008 में लोकतांत्रिक गणराज्य बने नेपाल को फिर राजशाही की वापसी के लिए आवाजें बुलंद हो रही हैं और हिंसक प्रदर्शन हो रहे हैं। नेपाल में ज्यादातर समय राज परिवार का शासन रहा है। साल 1846 से 1951 तक राणा परिवार के प्रधानमंत्रियों की सत्ता रही और शाही परिवार प्रतीकात्मक भूमिका तक सीमित था। देश में लोकतंत्र स्थापित करने की पहली कोशिश 1951 में हुई, जब नेपाली कांग्रेस के लोकतंत्र समर्थक आंदोलन के कारण राजा त्रिभुवन की मदद से राणा परिवार को सत्ता से हटा दिया। इसके बाद साल 1959 में नेपाल में पहले चुनाव हुए और बीपी कोइराला देश के पहले पीएम बने। नेपाल में लोकतंत्र का ये प्रयोग ज़्यादा दिन नहीं चला। साल 1960 में त्रिभुवन के बेटे महेंद्र बीर विक्रम शाह देव ने सत्ता पर कब्जा कर सभी लोकतांत्रिक संस्थानों को भंग कर दिया। 1960 से 1990 तक नेपाल में राजा ने राज किया और देश में पंचायत व्यवस्था प्रभावी रही। इस दौरान राजनीतिक दलों को प्रतिबंधित कर दिया गया था। जन आंदोलन के बाद 1990 में राजशाही को संवैधानिक रूप दिया गया। लोकतंत्र की स्थापना के लिए प्रयास होते रहे। माओवादी आंदोलन के दौरान 1990 से 2006 तक गृहयुद्ध जैसे हालात बन गए। हजारों लोगों की जानें गईं। साल 2001 में शाही परिवार के अधिकांश सदस्?यों की संदिग्?ध हत्?या के बाद से ही नेपाल में राजशाही की जड़ें कमजोर होने लगीं और साल 2008 में नेपाल को लोकतांत्रिक राज्?य घोषित कर दिया गया। अब एक बार फिर राजशाही शासन के लिए नेपाल में प्रदर्शन हो रहे हैं। अभी नेपाल में गणतांत्रिक राज्य की स्थापना को 17 साल ही हुए हैं1 संविधान को लागू हुए 10 साल भी पूरे नहीं हुए है। इस दौरान नेपाल में 14 सरकारें बदल गईं। नेपाल की कोई भी चुनी हुई सरकार अपना कार्यकाल पूरा नहीं कर सकी है। देश में राजनीतिक अस्थिरता का माहौल रहा। साल 2015 के बाद से प्रधानमंत्री की कुर्सी नेपाल कम्युनिस्ट पार्टी के केपी शर्मा ओली, नेपाल कम्युनिस्ट पार्टी के पुष्प कमल दाहाल यानी प्रचंड और नेपाली कांग्रेस के शेर बहादुर देऊबा के बीच घूमती रही है।

नेपाल में भड़की सांप्रदायिक हिंसा के चलते भारत-नेपाल सीमा सील, कर्फ्यू लगा

नेपाल के बीरगंज शहर में शनिवार को दो समुदायों के बीच अचानक भड़की हिंसा से छेत्र में तनावपूर्ण की स्थिति है। बिगड़ती स्थिति को देखते हुए नेपाल सरकार ने 24 घंटे का कर्फ्यू लगाया है। हिंसा पर काबू पाने भारत-नेपाल सीमा को भी सील कर दिया गया है। सीमा सील होने के चलते रक्सौल-बीरगंज बॉर्डर पर आवाजाही पूरी तरह बंद हो गई।

जानकारी के अनुसार बीरगंज के छपकैया इलाके में एक धार्मिक शोभायात्रा के दौरान छतों से अचानक ईंट-पत्थर फेंके जाने की घटना हुई। इस घटना में अनेक लोगों को चोटें भी आई हैं। इसके बाद उग्र हुई भीड़ ने हिंसा बरपाना शुरु कर दिया और कई दुकानों और वाहनों को आग लगा दी। हिंसक झड़पों में अनेक लोग गंभीर रुप से घायल हो गए और दुकानों, बाइकों को फूंक दिया गया। इससे पूरे इलाके में अफरातफरी का माहौल पैदा हो गया। इस खूनी हिंसा में अब तक करीब 50 लोगों के घायल होने की सूचना है। घायलों में महिलाएं, बच्चे और राहगीर भी शामिल हैं। इस हिंसक वारदात के दौरान अनेक पुलिसकर्मियों के जख्मी होने की बात सामने आई है।

आंसू गैस के गोले दागे

बढ़ती हिंसा और बदतर हालात को देखते हुए नेपाल पुलिस ने आंसू गैस का प्रयोग किया लेकिन हालात बेकाबू होते देख प्रशासन ने बीरगंज में कर्फ्यू लागू कर दिया। बीरगंज के प्रमुख जिलाधिकारी गणेश अर्याल हालात पर नजर बनाए हुए हैं और लगातार स्थानीय लोगों के संपर्क में हैं। कर्फ्यू के कारण भारत-नेपाल सीमा पूरी तरह सील कर दी गई। इससे रक्सौल से बीरगंज आने-जाने वाली हर गतिविधि पर रोक लगा दी गई है।

रक्सौल के लोग फंसे नेपाल में

हिंसा के कारण रक्सौल के कई व्यापारी और आम नागरिक जो नेपाल के बीरगंज में काम करते हैं, वहीं फंसे रह गए। उनकी दुकानें भी बंद हैं और लोगों के इधर-उधर छिपे होने की बात कही जा रही है।

तहव्वुर राणा ने रखी तीन मांगें, एनआईए ने सभी मानीं, पढ़ने के लिए दिया कुरआन

नई दिल्ली, ईएमएस। मुंबई हमलों का साजिशकर्ता तहव्वुर राणा से एनआईए लगातार पूछताछ कर रही है। उससे रविवार को भी पूछताछ की जा रही है। अमेरिका से प्रत्यर्पित कर लाए गए राणा को एनआईए हेडक्वार्टर में हाई-सिक्योरिटी सेल में रखा गया है। इस बीच रिपोर्ट सामने आई है कि उसने कुछ मांगे रखीं, जिन्हें स्वीकार कर दिया गया है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक राणा ने अब तक एनआईए कस्टडी में तीन मांगें रखी हैं, जिन्हें आधिकारिक रूप से स्वीकार कर लिया गया है, लेकिन सभी मांगे बिना किसी विशेष रियायत के दी गई हैं। तहव्वुर राणा ने पढ़ने के लिए कुरआन की मांग की, जिसे तुरंत मान लिया गया। अधिकारियों के मुताबिक वह दिन में पांच बार नमाज अदा करता है। उसने लिखने के लिए पेन और पेपर भी मांगे, जो उसे दे दिए गए हैं। हालांकि इस बात की निगरानी हो रही है कि वह पेन का इस्तेमाल खुद को नुकसान पहुंचाने या किसी अनुचित कार्य के लिए न कर सके। कोर्ट के निर्देश पर राणा को दिल्ली लीगल सर्विसेज अथॉरिटी द्वारा नियुक्त वकील से हर वैकल्पिक दिन मिलने की अनुमति दी गई है। अधिकारियों के मुताबिक राणा को कोई वीआईपी ट्रीटमेंट नहीं दिया जा रहा है। उसके साथ सामान्य कैदियों की तरह ही व्यवहार हो रहा है। राणा की हर 48 घंटे में मेडिकल जांच की जा रही है ताकि उसकी सेहत पर नजर रखी जा सके।

तहव्वुर राणा के वकील ने की थी प्रत्यर्पण रोकने की जी-तोड़ कोशिश

अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रुबियो और मुंबई आतंकवादी हमले के 'मास्टरमाइंड तहव्वुर हुसैन राणा के वकील जॉन डी. क्लाइन के बीच ईमेल पर जनवरी में हुई बातचीत के दौरान राणा के वकील ने उसके प्रत्यर्पण को रोकने की पूरी कोशिश की थी। दरअसल सुप्रीम कोर्ट द्वारा प्रत्यर्पण की अनुमति दिए जाने के बाद राणा के वकील ने स्वास्थ्य और भारत में यातना का हवाला देते हुए प्रत्यर्पण रोकने की अपील की थी। अमेरिकी विदेश विभाग की ओर से साफ कहा गया है कि भारत संयुक्त राष्ट्र की एंटी-टॉर्चर संधि का पालन करता है और इन बहानों को गंभीरता से नहीं लिया गया। ईमेल ट्रेल के आखिरी दो पन्नों में रुबियो के ऑफिस की ओर से राणा के वकील को प्रत्यर्पण रोकने की अपील पर असहमति जताई गई। बता दें अमेरिका से लाए जाने के बाद राणा को दिल्ली की एक कोर्ट ने एनआईए की 18 दिनों की हिरासत में भेज दिया था। इसके बाद उसे एनआईए मुख्यालय लाया गया। जहां राणा से 2008 के मुंबई आतंकवादी हमलों के बारे में पूछताछ की जा रही है। राणा पाकिस्तानी मूल का कनाडाई नागरिक है, जिस पर 2008 के मुंबई आतंकवादी हमलों की योजना बनाने का आरोप है, जिसमें छह अमेरिकी नागरिकों सहित 166 लोगों की जान चली गई थी।

अमेरिका के विदेश मंत्री और वकील के बीच हुई बातचीत से हुआ खुलासा

म्यांमार में फिर लगे भूकंप के तेज झटके

5.1 रही तीव्रता... लोग घरों से भागे

नेपीडॉ, ईएमएस। म्यांमार में रविवार सुबह एक बार फिर भूकंप के तेज झटकों ने लोगों को हिला कर रख दिया। सुबह 7 बजकर 54 मिनट पर आए इस भूकंप की तीव्रता रिक्टर स्केल पर 5.1 मापी गई है। भूकंप का केंद्र जमीन से 10 किलोमीटर नीचे था। म्यांमार में एक बार फिर आए भूकंप के झटकों के बीच राहत की खबर यह रही कि इस बार किसी जानमाल के नुकसान की सूचना नहीं है, लेकिन अचानक आए झटकों के कारण लोग भयभीत होकर अपने घरों से बाहर निकल आए। इस भूकंप के तीव्र झटके ऐसे समय में महसूस हुए हैं जबकि 28 मार्च को म्यांमार में आए विनाशकारी भूकंप की त्रासदी अभी भी लोगों के जेहन में ताज़ा है। उस समय 7.7 तीव्रता वाले भूकंप ने मांडला क्षेत्र को बुरी तरह झकझोर दिया था। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक, इस त्रासदी में करीब 3600 लोगों की मौत हो गई थी जबकि 5000 से ज्यादा लोग घायल हुए थे।

बांकेबिहारी मंदिर में भक्तों की भीड़

वृंदावन, ईएमएस। ठाकुर बांकेबिहारी मंदिर में दर्शन के लिए रविवार सुबह से ही भक्तों की भीड़ बढ़ने से हालात बिगड़ने लगे। जैसे जैसे दिन चढ़ता गया भीड़ का दबाव मंदिर के रास्तों पर बढ़ता गया। बैरियर पर श्रद्धालुओं को रोका जाना मुश्किल हो गया। हालात ऐसे बन गए कि मंदिर आने वाले रास्तों विद्यापीठ और जुगलघाट से मंदिर के चबूतरे तक भीड़ ही भीड़ नजर आ रही थी। भक्तों की कम से कम डेढ़ किमी तक लंबी लाईन लगी थी। भीड़ के दबाव और तेज धूप के कारण पसीने से लथपथ श्रद्धालुओं की हालत बिगड़ने लगी। महिलाओं, बच्चों की हालत भीड़ के कारण खराब हो गई है। बच्चे भीड़ में दबने से चिल्ला रहे थे। भीड़ के बाहर निकलने के लिए बच्चे और महिलाओं की चीख-पुकार सुनाई दे रही थी पर निकलने की जगह नहीं मिल रही थी। भीड़ नियंत्रण के लिए प्रशासनिक व्यवस्था पूरी तरह ध्वस्त हो चुकी थी।

इजराइल ने सेंट्रल गाजा स्थित अस्पताल में किए हवाई हमले...

इमरजेंसी वार्ड तबाह, राफा से कटा गाजा का संपर्क

गाजा पट्टी, ईएमएस। इजराइल ने गाजा पर हमले और तेज कर दिए हैं, जिससे स्थिति और भी भयावह हो गई है। शनिवार देर रात इजराइली सेना ने सेंट्रल गाजा स्थित अल-अहली अरब बैपटिस्ट अस्पताल को निशाने पर लेते हुए हमले किए हैं। अस्पताल स्टाफ के अनुसार, परिसर की एक बिल्डिंग पर दो मिसाइलें दागी गईं, जिससे इमरजेंसी और रिसेप्शन विभाग पूरी तरह नष्ट हो गया।

स्थानीय सूत्रों ने बताया कि हमले से ठीक पहले अस्पताल प्रशासन को एक फोन कॉल आया, जिसमें इमारत खाली करने को कहा गया। कॉल के कुछ ही मिनट बाद विस्फोट हुआ, जिससे आसपास की इमारतों को भी भारी नुकसान पहुंचा है। इजराइली सेना की ओर से अभी तक इस हमले पर कोई आधिकारिक बयान नहीं दिया गया है।

राफा का संपर्क गाजा पट्टी से टूटा

इस बीच इजराइली रक्षा मंत्री इजराइल काट्ज़ ने पुष्टि की है कि इजराइली डिफेंस फोर्स ने मोराग कॉरिडोर पर कब्जा कर लिया है। यह कॉरिडोर गाजा के दक्षिण में स्थित एक रणनीतिक रास्ता है जो राफा को गाजा पट्टी के बाकी हिस्सों से जोड़ता है। इससे अब राफा पूरी तरह अलग-थलग पड़ गया है। इसके साथ ही काट्ज़ ने गाजा के निवासियों को चेतावनी देते हुए कहा है, कि यह हमास को खत्म करने और बंधकों की रिहाई के लिए अंतिम मौका है। अगर ऐसा नहीं हुआ, तो यही हाल गाजा के अन्य हिस्सों का भी होगा। इस प्रकार से इलराइल द्वारा लगातार हो रहे हमलों से गाजा में मानवीय संकट गहरा गया है। अस्पतालों पर हमले और नागरिक इलाकों में हो रही तबाही ने राहत और बचाव कार्यों को और मुश्किल बना दिया है। अंतरराष्ट्रीय समुदाय की नजरें अब इस भयावह युद्ध के रुकने पर टिकी हुई हैं।

पंचायती जमीन में बसे लोगों को मिलेगा मालिकाना हक

पानीपत, ईएमएस। केंद्रीय आवास एवं शहरी विकास मंत्री मनोहर लाल ने पानीपत में कहा कि ग्राम पंचायत की भूमि पर 500 वर्ग गज तक के क्षेत्र में बने मकानों में जो परिवार पिछले 20 सालों से रह रहे हैं, उन्हें अब मालिकाना हक दिया जाएगा। उन्होंने एक कार्यक्रम में नौल्था, नौल्था डुगरान और आसन की पंचायत को संबोधित किया। उन्होंने घोषणा करते हुए कहा कि ग्राम पंचायत की भूमि पर 500 वर्गगज तक के 20 साल पुराने मकान हैं, उनके मालिकों को मालिकाना हक दिया जाएगा। केंद्र और हरियाणा सरकार ग्रामीण विकास को प्राथमिकता दे रही है। मनोहर लाल ने कहा कि गांवों में तालाबों और फिरनी को सुंदर बनाया जाएगा। तालाबों में स्वच्छ पानी भरा जाएगा, जिससे पशुओं को पीने का पानी उपलब्ध हो सके। उन्होंने कहा राज्य सरकार ग्रामीण क्षेत्र में मूलभूत सुविधाएं प्रदान करने को लेकर प्रयासरत है।

कलयुगी मां ने सर्प दोष से मुक्ति पाने 7 माह की बच्ची का काट दिया गला

चार साल बाद कोर्ट ने महिला को सुनाई मौत की सजा

हैदराबाद, ईएमएस। तेलंगाना में सर्प दोष से मुक्ति पाने के लिए एक मां ने अपनी सात महीने की मासूम बेटी की बलि दे दी। इस जघन्य अपराध के लिए 32 साल महिला को सूर्यापेट की एक कोर्ट ने मौत की सजा सुनाई है। आरोपी महिला बी भारती उर्फ लस्या को कोर्ट ने यह सजा सुनाई। यह घटना 15 अप्रैल 2021 की है, जब भारती ने अपने घर में विशेष पूजा के दौरान अपनी सात महीने की मासूम बच्ची की गला और जीभ काटकर उसकी बलि चढ़ा दी थी। घटना के समय घर में उसका बीमार ससुर मौजूद था, जिसने बच्ची की चीखें सुनकर भागा भागा वहां गया देख तो वह हैरान रह गया उसने देखा कि बहू भारती खून से सने कपड़ों में बाहर जा रही है। ससुर ने तुरंत बेटे और पड़ोसियों को इसकी सूचना दी। बच्ची को अस्पताल ले जाया गया, लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। भारती के पति बी कृष्णा ने पुलिस को बताया था कि उसकी पत्नी भारती ने पूजा के दौरान कहा था कि उसने बेटी की बलि देकर सर्प दोष से मुक्ति पा ली है। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर भारती को गिरफ्तार कर जांच शुरू की थी। कृष्णा ने बताया कि भारती पहले से ही मानसिक समस्याओं से जूझ रही थी और एक ज्योतिषी ने उसे सर्प दोष होने की बात कही थी, जिससे वह प्रभावित हो गई।

भारतीय दवा गोदाम पर रुस ने दागी मिसाइल

कीव, ईएमएस। भारत में यूक्रेनी दूतावास ने कहा कि रूस ने शनिवार को यूक्रेन में एक भारतीय दवा कंपनी के गोदाम पर मिसाइल दागी। सोशल मीडिया पर पोस्ट में यूक्रेनी दूतावास ने आरोप लगाया कि यद्यपि रूस, भारत के साथ दोस्ती का दावा करता है, लेकिन वह जानबूझकर यूक्रेन में भारतीय व्यवसाय को निशाना बना रहा है। यूक्रेनी दूतावास ने कहा कि आज यूक्रेन में भारतीय दवा कंपनी कुसुम के गोदाम पर रूसी मिसाइल दागी गई। रुस बच्चों और बुजुर्गों के लिए बनी दवाइयों को नष्ट कर रहा है।

अब पूरी शक्ति के साथ कमजोर, पिछड़े, दलितों को एक साथ लेकर आगे बढ़ेंगे

राहुल के बाद, खड़गे करेंगे बिहार का दौरा, चुनावी रणनीति बनाएंगे

पटना, ईमएस

राहुल गांधी ने बिहार को लेकर अपनी पिछली गलतियों को स्वीकारते हुए कहा था कि जिस गति और मजबूती से हमें काम करना चाहिए था वह हमने नहीं किया है। अपनी गलतियों से सीखा हूं।

बिहार विधानसभा चुनाव में कुछ महीने ही बचे हैं। अक्टूबर-नवंबर में चुनाव होने की संभावना है। चुनाव को लेकर कांग्रेस तैयारियों में जुट गई है। राहुल गांधी के बाद पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे दो दिवसीय दौरे पर बिहार आ रहे हैं।

सूत्रों के मुताबिक खड़गे 19 अप्रैल को बक्सर और 20 अप्रैल को पटना में रैली को संबोधित करेंगे। इस दौरान वह नेताओं और कार्यकर्ताओं से भी मुलाकात करेंगे। चुनाव को लेकर फीडबैक लेंगे। साथ ही चुनावी रणनीतियों पर चर्चा करेंगे। इससे पहले 7 अप्रैल को राहुल गांधी पटना में संविधान सुरक्षा सम्मेलन में शामिल हुए थे। उन्होंने संघ यानी आरएसएस पर हमला बोलते हुए कहा था कि देश के संविधान में सावरकर की सोच नहीं है। इसमें महात्मा गांधी, जवाहर लाल नेहरू और अंबेडकर जैसे लोगों की सोच है। आज इस देश में आदिवासी, दलित सेकंड सिटिजन हैं। महात्मा गांधी ने माय एक्सपेरिमेंटस् विथ ट्रुथ लिखा था। मोदीजी शायद माय एक्सपेरिमेंटस् विथ लाइज लिखेंगे। राहुल गांधी ने बिहार को लेकर अपनी पिछली गलतियों को स्वीकारते हुए कहा था कि जिस गति और मजबूती से हमें काम करना चाहिए था वह हमने नहीं किया है। अपनी गलतियों से सीखा हूं। अब पूरी शक्ति के साथ कमजोर, पिछड़े, दलितों को एक साथ लेकर आगे बढ़ेंगे। कांग्रेस बिहार चुनाव से पहले कोई कसर छोड़ना नहीं चाहती है। पहले कृष्णा अल्लावरू को प्रदेश प्रभारी बनाकर बिहार भेजा। इसके कुछ दिन बाद ही अखिलेश सिंह की जगह राजेश राम को प्रदेश अध्यक्ष बनाया। फिर 40 जिलाध्यक्षों की घोषणा की। इनमें से 21 नए चेहरे हैं। 19 जिलाध्यक्षों को रिपीट किया गया है। सभी जिलाध्यक्षों के साथ राहुल गांधी ने 4 अप्रैल को दिल्ली में बैठक की थी। बेगूसराय में 7 अप्रैल को कन्हैया कुमार की पलायन रोको, नौकरी दो यात्रा में राहुल गांधी शामिल हुए थे। यात्रा का समापन पर 11 अप्रैल को राजस्थान कांग्रेस के सीनियर नेता सचिन पायलट पटना पहुंचे। इससे साफ है कि कांग्रेस अभी से मिशन बिहार में जुट गई है। इस बार वह पूरी रणनीति के तहत काम कर रही है।

नर्सिंग कॉलेजों की फर्जी रिपोर्ट बनाने वाले 70 डॉक्टर अपात्र घोषित

भोपाल (ईएमएस)। मध्यप्रदेश हाईकोर्ट ने मध्यप्रदेश के 66 नर्सिंग कॉलेजों को अपात्र घोषित किया है। इन मेडिकल कॉलेज की फर्जी जाँच रिपोर्ट बनाने वाले डॉक्टरों को आरोप पत्र जारी करने का निर्णय सरकार ने लिया है। मध्य प्रदेश के मुख्य सचिव अनुराग जैन ने सभी दोषी डॉक्टरों को आरोप पत्र जारी करने तथा 15 दिन के अंदर कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं।

बिजली गिरने से 11 भैंसों की मौत

भोपाल (ईएमएस)। शिवपुरी के ढेकुआ गांव में शनिवार देर रात आकाशीय बिजली गिरने से एक किसान की 11 भैंसों की मौके पर ही मौत हो गई। घटना रात करीब दो बजे की है। तेज बारिश और आंधी के दौरान बिजली गिरी। जिले में तेज बारिश और आंधी के चलते बदरवास तहसील के मंजारी गांव में कप्तान सिंह यादव के कच्चे मकान पर पेड़ गिर गया। इधर, सतना में मौसम ने सुबह 4 बजे अचानक करवट बदल ली। तेज आंधी के साथ लगभग 2 घंटे हुई बारिश ने मौसम में ठंडक घोल दी।

फटाफट खबरें

लापता युवक का शव जंगल में पेड़ पर लटका मिला

भोपाल (ईएमएस)। देहात क्षेते के सूखीसेवनिया इलाके में दो दिन से लापता युवक का शव पास ही जंगल में पेड़ पर लटकी मिलने से सनसनी फैल गई। शुरुआती जॉच के आधार पर पुलिस इसे आत्महत्या मानकर मर्ग कायम करते हुआ आगे की जांच कर रही है। थाना पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार संजय गौड़ पिता कालूराम गौड़ (20) एकता नगर झुग्गी सुखी सेवनिया में रहता था। परिवार वालो ने बताया की संजय मानसिक रुप से काफी कमजोर था, और अक्सर बिना बताए घर से लापता हो जाता था। पिता ने पुलिस को बतायसा की 10 अप्रैल को वह निजी काम के चलते सिरोंज चले गए थे। शुक्रवार रात वह वापस लौटे तब परिवार वालो ने उन्हें बताया की उनके जाने के बाद से ही संजय भी एक बार फिर बिना बताये कहीं चला गया जिसकी वह खोजबीन कर रहे है।

केयर टेकर व एजेंसी संचालक के खिलाफ मामला दर्ज

भोपाल (ईएमएस)। अरेरा कॉलोनी में रहने वाले एमपी के पूर्व डीजीपी एचएम जोशी (99) ने शिकायत पर पुलिस केयर टेकर रफीक खान और एजेंसी संचालक शक्ति खरे के खिलाफ जान से मारने की धमकी व अमानत में खयानत का केस दर्ज कर लिया है। वहीं पुलिस अब उन एंजेसियों की जांच करने की तैयारी में है, जो केयर टेकर और अन्य कामों को सुविधा उपलब्ध कराने के कार्य करती है। इसके साथ ही सुरक्षा एजेंसियों में काम करने वाले कर्मचारियों की पुलिस वेरिफिकेशन भी चेक करेगी। अगर कोई कर्मचारी बिना पुलिस वेरिफिकेशन के पाया जाता है, तो उस पर कार्रवाई की जाएगी। पुलिस जांच में सामने आया है कि रचना एजेंसी इससे पूर्व में भी चार-पांच केयर टेकर अलग-अलग लोगों को उपलब्ध करा चुकी है। इन सभी की जानकारी निकाली जा रही है। पुलिस वेरिफिकेशन न होने पर इन सबके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

छात्रा से रेप करने वाला आरोपी फरार

भोपाल(ईएमएस)। बजरिया थाना इलाके में रहने वाली 12वीं की छात्रा के साथ पड़ोसी युवक द्वारा होटल ले जाकर दुष्कर्म किये जाने का मामला सामने आया है। आरोपी शादी का झांसा देकर करीब एक साल से उसका शारीरिक शोषण कर रहा था। शिकायत मिलने पर आरोपी के खिलाफ दुष्कर्म, पाक्सो एक्ट सहित अन्य धाराओ में प्रकरण दर्ज कर पुलिस उसकी धरपकड़ के प्रयास कर रही है। पुलिस के अनुसार बजरिया क्षेत्र में रहने वाली 17 साल की किशोरी 12वीं कक्षा की छात्रा है। करीब एक साल पहले जून 2024 में उसकी दोस्ती मोहल्ले में रहने वाले रोहित उर्फ नीरज (28) से हुई थी। दोस्ती बढ़ने पर उनके बीच मिलना जुलना होने लगा। आरोप है की जून 2024 में रोहित छात्रा को घुमाने के बहाने अशोका गार्डन की एक होटल में ले गया और वहॉ उसके साथ जर्बदस्ती शारीरिक संबंध बना लिए।

इमारत से मजदूर की गिरकर हुई मौत

भोपाल (ईएमएस)। नये शहर के अयोध्या नगर इलाके में एक निर्माणाधीन बिल्डिंग में काम के दौरान गिरने से एक मजदूर की मौत हो गई। मिली जानकारी के अनुसार मेहनत मजदूरी का काम करने वाला राजू मंसूरी इन दिनो अयोध्या नगर में बन रही बहुमजिला इमारत में काम कर रहा था। बताया गया है, की यह काम ठेकेदार जहांगीर अंसारी और अली अंसारी द्वारा कराया जा रहा है। शनिवार दोपहर करीब 12.30 बजे दूसरी मजिंल पर काम करते समय अचानक ही वह नीचे गिर गया। काफी ऊचांई से गिरने के कारण उसे घातच चोटें आई थी। साथ काम करने वाले अन्य लोगो ने उसे फौरन ही इलाज के लिये बेसूध हालत में अस्पताल पहुंचाया जहॉ उसकी मौत हो गई।

लगभग 70 प्रतिशत पीएम आवास पड़े हैं आधे अधूरे

6 साल से पीएम आवास की राह ताक रहे लोग

भोपाल,ईएमएस।

हर व्यक्ति का सपना होता है कि उसका अपना एक मकान हो। ऐसे गरीब लोगों की मंशा को पूरा करने के लिए सरकार ने पीएम आवास योजना शुरू की है। लेकिन विडंबना यह है की राजधानी भोपाल में ही हितग्राहियों को पिछले छह साल से मकान की जगह केवल तारीख पर तारीख मिल रही है। यह स्थिति तब है जब एक ओर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी गरीबों को करोड़ों पीएम आवास बनाकर देने की बात कह रहे हैं।

अपने मकान की चाह वाले जरूरतमंदों की आवश्यकताओं को देखते हुए भोपाल नगर निगम ने छह साल पहले तीन आवासीय प्रोजेक्ट बागमुगालिया, गंगानगर और 12 नंबर इलाके में शुरू किया था। लेकिन नगर निगम इन प्रोजेक्ट में लगभग 3973 आवास हितग्राहियों को आवंटित नहीं कर पा रहा है। दरअसल, यहां लगभग 70 फीसदी पीएम आवास आधे अधूरे पड़े हैं। बता दें कि इन आवासों को लेकर तीन माहे पहले बागमुलिया के हितग्राहियों ने निगम दफ्तर में हंगामा भी मचाया, तब नगर निगम ने जल्द ही आवंटन दिलाने का जो वादा किया था, लेकिन उसे आज तक पूरा नहीं किया। इस बात को लेकर हितग्राहियों में आक्रोश है। ननि कमिश्नर हरेंद्र नारायण का कहना है कि पीएम आवास के तीनों प्रोजेक्ट में जैसे-जैसे आवास पूर्ण होते जा रहे हैं, उसकी चाबी हितग्राहियों को सौंपते जाएंगे। इस संबंध में अधिकारियों को निर्देश दे चुके हैं।

ननि का चक्कर लगा रहे हितग्राही

राजधानी में प्रधानमंत्री आवास योजना के पात्र हितग्राही परेशान हैं। ये लोगआवास आवंटन को लेकर रोज नगर निगम के दफ्तरों के चक्कर लगा रहे हैं, लेकिन बदले में सिर्फ आश्वासन ही मिल रहे हैं। 2021 से मकान लेने के लिए लोग नगर निगम के चक्कर काट काटकर थक चुके हैं। हालत ये है कि सरकार का कोई भी अधिकारी उन्हें पुख्ता जवाब देने को तैयार नहीं है। इस लेटलतीफी की वजह से खरीददार किराया भी भर रहे हैं और किश्त भी चुका रहे हैं। हितग्राही मोनू पंडित, धीरज निगम, पवन शाक्य जैसे सैकड़ों हितग्राही पीएम आवास के अधूरे प्रोजेक्ट से परेशान हैं। तीन माह पहले बागमुगलिया, गंगा नगर के लोग नगर निगम कमिश्नर का घेराव कर चुके हैं। इसमें आश्वासन तो मिले, पर अभी तक आवास नहीं मिला। निगम के अधिकारियों ने कहा कि आवास निर्माण अधूरा है। 7 साल बाद भी आवास कब तक पूरे होंगे, ये खुद निगम अधिकारी नहीं बता पा रहे। हालांकि अधिकारी ये भी दावा कर रहे कि प्रोजेक्ट समय पर पूरा नहीं हुआ, तो निगम ने 2024 के शुरू में ठेका कंपनी को ब्लैक लिस्ट कर उसका टेंडर निरस्त कर दिया था।

लोग हो रहे परेशान

आवासीय प्रोजेक्ट पूरे न हो पाने के कारण लोग परेशान हो रहे हैं। हितग्राही मोनू पंडित, धीरज निगम, पवन शाक्य आदि ने बताया, पांच महीने पहले भी हितग्राहियों ने निगम दफ्तर में हंगामा किया था। इस दौरान नगर निगम की ओर से हितग्राहियों को मकान देने के लिए एक शेड्यूल जारी किया था। उस शेड्यूल के हिसाब से जुलाई में एक ब्लॉक एमआईजी- 1 देने के लिए नगर निगम ने बोला था, लेकिन यह अब तक नहीं मिला है। इसके बाद दिवाली पर घर देने का फिर वादा किया, वो भी पूरा नहीं किया। व्यवसायी बागमुगलिया नितेश देवहरे ने कहा कि मैंने जमापूंजी एकत्र कर प्रधानमंत्री आवास योजना में बागमुगालिया में आर्थिक रूप से कमजोर यानी ईडब्लूएस के तहत 2021 में घर बुक किया था।

शादी के बाद होटल कर्मचारी ने घर में फांसी लगाकर की खुदकुशी, कारण अज्ञात

भोपाल(ईएमएस)। मिसरोद थाना इलाके में रहने वाले एक युवक ने फंदे पर लटककर जान दे दी। मृतक एक होटल में काम करता था, करीब एक साल पहले ही उसकी शादी हुई थी। हादसे में समय वह घर पर अकेला था। फिलहाल आत्महत्या के कारणो का खुलासा नहीं हो सका है, जिसकी पुलिस जॉच कर रही है। मिली जानकारी के अनुसार नटराज कॉलोनी में परिवार के साथ रहने वाला सौरभ पुत्र सुखदेव (22) एक होटल में काम करता था। उसकी शादी करीब एक साल पहले हुई थी, परिवार में पत्नी सहित एक महीने की बेटी है। उसके साथ रहने वाले उसके माता-पिता भी होटल में काम करते हैं। पिता ने पुलिस को बताया की बीती शाम घर में कोई नहीं था, सौरभ ने अपने कमरे में जाकर दरवाजा बंद कर लिया। काफी देर बाद परिजन वापस आये और काफी आवाजे दी। लेकिन सौरभ ने दरवाजा नहीं खोला। बाद में जैसै-तैसे दरवाजा खोलने पर भीतर सौरभ का शरीर फांसी के फंदे पर लटका नजर आया। आसपास के लोगो की मदद से परिजन उसे इलाज के लिये एम्स लेकर पहुंचे थे, वहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित करते हुए पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने मामला दर्ज कर मृतक के शव को पीएम के बाद परिवार वालो को सौंप दिया। जॉच टीम का कहना है की फिलहाल मौके से कोई सुराग न मिलने पर खुदकुशी का कारण साफ नहीं हो सका है।

वाहनों में लगाए वीएलटीडी और इमरजेंसी पैनिक बटन बनकर रह गए शो-पीस

महिला सुरक्षा को लेकर सतर्क नहीं परिवहन विभाग

भोपाल,ईएमएस। वर्ष 2022 में महिला सुरक्षा को लेकर परिवहन विभाग ने जो तत्परता दिखाई थी, वह तीन साल बाद जस की तस है। गौरतलब है कि यात्री वाहन की निगरानी परिवहन विभाग, पुलिस व गाड़ी के मालिक कर सके इसके लिए परिवहन विभाग ने यात्री वाहनों में व्हीकल लोकेशन ट्रेकिंग डिवाइस (वी एल टी डी) व पैनिक डिवाइस लगाने का अभियान शुरू किया था। जानकारी के अनुसार निर्भया फंड के तहत केंद्र व राज्य सरकार ने परिवहन विभाग को फंड दिया। 15 करोड़ 40 लाख रुपए की लागत से भोपाल में कंट्रोल कमांड सेंटर बनाया गया है। लेकिन उसे तीन साल बाद भी पुलिस कंट्रोल रूम से नहीं जोड़ा जा सका।

परिवहन विभाग की लापरवाही के कारण राजधानी समेत प्रदेशभर में महिला यात्रियों की सुरक्षा के लिए पब्लिक ट्रांसपोर्ट वाले वाहनों में लगाए गए वीएलटीडी यानी व्हीकल लोकेशन ट्रेकिंग डिवाइस और इमरजेंसी पैनिक बटन शो-पीस बनकर रह गए हैं, क्योंकि ट्रॉयल के 3 साल बाद भी कमांड सेंटर पुलिस कंट्रोल रूम से नहीं जुड़ पाया है। अगर कोई बस में पैनिक बटन दबाता है तो कॉल पुलिस के पास नहीं बल्कि वाहन मालिक के पास जाता है। दूसरी तरफ वाहन संचालक यह सेवा प्रदान करने वाली कंपनियों पर अवैध वसूली के आरोप भी लगा रहे हैं। गौरतलब है कि निर्भयाकांड के बाद केन्द्र सरकार ने पब्लिक ट्रांसपोर्ट में महिला यात्रियों की सुरक्षा को लेकर पैनिक बटन की व्यवस्था शुरू की थी, लेकिन एक तरफ जहां यह व्यवस्था लापरवाही और गड़बडियों की भेट चढ़ती नजर आ रही है, तो दूसरी तरफ हर रोज पब्लिक ट्रांसपोर्ट में सफर करने वाली महिला यात्रियों की सुरक्षा भी सुरक्षा भी रामभरोसे नजर आ रही है।

कारो में तोड़फोड़ करने वालों की तलाश में सीसीटीवी खंगाल रही पुलिस

भोपाल(ईएमएस)। कोहेफिजा थाना इलाके में घर के बाहर खड़ी कारो में तोड़फोड़ करने वाले अज्ञात बदमाशो की पहचान जुटाने के लिये पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरो के फुटेज खंगाल रही है। पुलिस का कहना है की फुटेज के आधार पर जल्द ही आरोपियो को दबोच लिया जायेगा। इसके बाद ही पता चल सकेगा की बदमाशो ने किस रजिंश के चलते उत्पात मचाया था।

जानकारी के मुताबिक खुशीलाल लेवा (48) ने पुलिस को बताया की वह ओम शिवनगर नयापुरा लालघाटी में रहते हैं, और करोंद चौराहा पर खुली चाय की दुकान चलाते हैं। शुक्रवार रात वह घर में सो रहे थे, अचानक रात करीब 1 बजे कांच टूटने की आवाज आने पर उनकी नींद खुली और उन्होनें बाहर आकर देखा। घर के बाहर देखा तो उनकी और पड़ोसी अक्षय सहित अन्य पड़ोसी पंकज शर्मा की कारो के पास दो-तीन युवक खड़े होकर गालीगलौज कर रहे थे, तीनों आरोपी उन तीनो की कारो के कांच तोड़ चुके थे। खुशीलाल ने उनकी तरफ बढ़ते हुए तीनों को आवाज लगाई तो वह वहॉ से भाग गये। बाद में खुशीलाल पड़ोसियों के साथ शिकायत करने थाने पहुंचे। थाने में उन्हें जानकारी लगी की बदमाशों ने जैन नगर में भी दो कार में तोड़फोड़ की है। उनकी शिकायत पर पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के केस दर्ज किया है।

5 लाख कैश और बुलेट की डिमांड पूरी न होने पर मंगेतर ने शादी से किया इंकार

भोपाल(ईएमएस)।

महिला थाना पुलिस ने ऐशबाग निवासी युवती की शिकाय पर उसके रेलकर्मी मंगेतर सहित उसके भाई, बहन के खिलाफ दहेज प्रताड़ना का प्रकरण दर्ज किया है। पीड़िता का आरोप है, कि अगले महीने उनकी शादी होना तय थी, जिसकी सारी तैयारियां भी हो चुकी थी। लेकिन शादी से पहले मंगेतर दहेज में पांच लाख नकद और बुलेट की मांग करने लगा। अचानक की गई डिमांड को पूरा करने में उसके परिवार वालो ने असर्थता जताते हुए उन्हें समझाइश देने का प्रयास किया लेकिर मंगेतर और उसके परिवार वाले अपनी मांग पर अड़े रहे और रिश्ता तोड़ दिया। पुलिस के अनुसार, 29 वर्षीय युवती ने अपनी शिकायत में बताया की वह मूलरूप से जिला सागर की रहने वाली है, और यहां ऐशबाग क्षेत्र में किराए से रहती है। उसकी सगाई बीना में रहने वाले रेलकर्मी सुरेश कुशवाह से 17 जनवरी 2025 को हुई थी, और शादी अगले माह मई में होना तय हुआ था। युवती के घर में शादी की तैयारी जोर-शोर से जारी थी, वहीं मैरिज गार्डन बुक करने से लेकर कैटरिंग बुकिंग और जरूरी सामान की खरीददारी भी कर ली गई थी। इधर सगाई के बाद युवती और सुरेश के बीच मोबाइल पर बातीचत होने लगी थी।

राजधानी में श्री आदिश्वर महावीर तीर्थधाम ले रहा आकार, आज होगी प्रतिमा स्थापित

भोपाल (ईएमएस)। राजधानी भोपाल में स्मरणीय प. पू. आचार्य गुरूवर 108 श्री विद्यासागर जी महामुनिराज के पावन आशीर्वाद से तथा सराकोउद्धारक समाधिस्थ आचार्य 108 श्री ज्ञानसागर जी महाराज की प्रेरणा से तथा जगत पूज्य निर्यापक श्रमण मुनि पुंगव 108 श्री सुधासागर जी महाराज के मार्गदर्शन में श्री आदिश्वर-महावीर तीर्थधाम जिसकी कल्पना को हाई कोर्ट जस्टिस अभय गोहिल परिवार आकार दे रहे हैं। एक नया अनूठा तीर्थधाम जिसमें लंदन के म्यूजियम में इन मूर्तियों की प्रतिकृति रखी है, जो हमारे उड़ीसा राज्य से सन् 1830 में जोन ब्रिज नामक अंग्रेज द्वारा खरीद कर ले जाई गयी 11वीं शताब्दी की विश्व की एकमात्र खड्गासन जैन युगल प्रतिमा है, जिसमें जैन धर्म के

प्रवर्तक पहले तीर्थंकर श्री आदिनाथ भगवान तथा वर्तमान शासन नायक अंतिम तीर्थंकर भगवान श्री महावीर स्वामी को एक साथ दर्शाया गया है। जोन ब्रिज के मरणोपरांत उनकी पत्नि ने उस प्रतिमा को लंदन म्यूजियम को 1872 में दान में दे दी। यह प्रतिमा अति मनोज्ञ, पूज्यनीय, कालजयी, आलौकिक, अद्भुत और विश्व की एकमात्र ऐसी अनोखी प्रतिमा है। प्रवक्ता अंशुल जैन ने बताया अब भोपाल में इन युगल प्रतिमाओं का निर्माण 31 फुट ऊंचे ग्रेनाइट पाषाण में कराया जा रहा है जो विश्व स्तरीय, विश्व धरोहर के रूप में एक अविस्मरणीय तीर्थ का रूप लेगा। इस तीर्थ पर एक आलौकिक, अकल्पनीय चौबीसी, चौबीसों भगवान के केवल ज्ञान कल्याणक के वृक्षों एवं चरणों के साथ निर्माण हो रहा है। इसके साथ ही अन्तर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त भक्तामर हीलर डॉक्टर श्रीमती मंजू जैन, नागपुर की कल्पना अनुसार भक्तामर हीलिंग सेंटर व योगशाला, नाट्यशाला, प्राकृतिक उपचार केन्द्र, लायब्रेरी, ई-लायब्रेरी, अनुसंधान केन्द्र म्यूजियम, गुरूकुल, संत निवास, अतिथि गृह, यात्री निवास तथा भोजनशाला आदि का निर्माण कर सम्पूर्ण परिसर को प्राकृतिक सौंदर्य से भरपूर, म्यूजिकल फाउन्टेन तथा लाईट एवं साउंड सिस्टम से सुसज्जित किया जायेगा,।

कूलर के पास बेहोश मिली महिला की मौत, करंट लगने की आंशका

भोपाल(ईएमएस)।

बिलखिरिया थाना इलाके में स्थित कोकता ट्रांस्पोर्ट नगर में कूलर के पास घर में कुलर के पास बेहोशी की हालत मिली महिला की मौत हो गई। परिवार वालो ने पुलिस को बताया है की जब उसे कूलर के पास बेहोशी की हालत में पड़ा हुआ देखा गया था उस समय उसके हाथ में कूलर का प्लग फंसा हुआ था।

थाना पुलिस ने बताया की कोकता ट्रांसपोर्ट नगर में रहने वाली रचना बाई अहिरवार पत्नी पर्वत सिंह अहिरवार (32) घरेलू महिला थी। शनिवार सुबह परिवार के सभी सदस्य अपने-अपने काम में व्यस्त थे। पति पर्वत सिंह घर के बाहर था। करीब 9 बजे जब वह अंदर के कमरे में गया तो उसे पत्नि रचना बाई कूलर के पास बेसुध पड़ी नजर आई। उसके हाथ में कूलर का प्लग फंसा हुआ था, और आसपास कूलर का पानी फैला हुआ था। परिवार वाले उसे फौरन ही इलाज के लिये निजी अस्पताल लेकर पहुंचे, वहां डॉक्टर ने शुरुआती चेकअप के बाद ही उसे मृत घोषित कर दिया। अस्पताल से मिली सूचना पर पहुंची पुलिस ने मामला दर्ज कर शव को पीएम के बाद परिजनों को सौंप दिया है। पुलिस का कहना है की महिला को करंट कैसे लगा इसकी जॉच की जा रही है।

तेजी से कम हो रहा नदियों का पानी

मध्यप्रदेश में मंडरा रहा जल संकट

भोपाल,ईएमएस।

गर्मी की शुरुआत में ही मप्र की प्रमुख नदियों का पानी तेजी से कम हो रहा है। नदियों का सूखना एक चिंताजनक संकेत है। क्योंकि नदियों में पानी की कमी के कारण प्रदेश में जल संकट की स्थिति बन सकती है। यह स्थिति तब है जब नदियों को सूखने से बचाने और सालभर पानी से लबालब बनाए रखने के लिए राज्य सरकार कई जतन कर रही है।

इसके लिए नदियों को जोडने़ वाले प्रोजेक्ट्स चलाए जा रहे हैं। केन और बेतवा नदियों को जोड़ा जा रहा है जिससे प्रदेश का बुंदेलखंड इलाका हमेशा के लिए जलसंकट से मुक्त हो जाएगा। वहीं दूसरी तरफ अत्यधिक जल दोहन और अवैध रेत उत्खनन के कारण नदियों के सूखने का खतरा बढ़ गया है। जानकारी के अनुसार इस गर्मी में प्रदेश में 30 से अधिक नदियों पर सूखने का खतरा मंडरा रहा है। 3 लाख 8 हजार 245 वर्ग किमी क्षेत्र में बहने वालीं नर्मदा, बेतवा, सोन, ताप्ती, चंबल, सिंध, माही, पार्वती, धसान, केन, कूनो, क्षिप्रा जैसी नदियों से अत्यधिक जल दोहन और अवैध रेत उत्खनन के कारण यह खतरा पैदा हुआ है।

जबकि, शहरी नदियां जमीन के लालच में अतिक्रमण का शिकार हो चुकी हैं। पारिस्थितिकी तंत्र के असंतुलन से भी नदियों का प्रवाह लगातार घट रहा है। अभी अप्रैल माह में ही सूखने का संकट है तो आने वाले दिनों में क्या स्थिति होगी, इसका अंदाजा लगाया जा सकता है। जानकारों का कहना है कि मप्र में नदियों की बदहाली की सबसे बड़ी वजह रेत का अवैध खनन है। इस कारण प्रदेश की सात प्रमुख नदियों की 150 से अधिक सहायक नदियों की धारा फरवरी-मार्च में ही टूट गई थी।

शासकीय सेवक की मृत्यु होने पर सरकार ने बढ़ाई अनुग्रह राशि

भोपाल (ईएमएस)।

राज्य सरकार ने शासकीय सेवक की मृत्यु होने पर अनुग्रह राशि में 75000 की वृद्धि की है। मप्र कर्मचारी मंच के प्रांताध्यक्ष अशोक पांडे ने बताया कि राज्य सरकार पहले शासकीय सेवक की मृत्यु होने पर मात्र 50 हजार रुपए की अनुग्रह उपादान राशि का भुगतान करती थी। मृत्यु होने पर मात्र 50 हजार रुपए की अनुग्रह उपादान राशि का भुगतान करती थी।

लेकिन अब राज्य सरकार ने शासकीय सेवक की मृत्यु होने पर अनुग्रह उपादान राशि 50,000 के स्थान पर 1,25,000 स्वीकृत की है। जो शासकीय सेवक की मृत्यु होने पर तत्काल उसके परिवार को दाह संस्कार करने के लिए दी जाएगी। मप्र कर्मचारी मंच सरकार के अनुग्रह उपादान राशि की वृद्धि करने के निर्णय पर सरकार को धन्यवाद ज्ञापित किया है, साथ ही मांग की है कि अनुग्रह उपादान राशि अनियमित कर्मचारियों की मृत्यु होने पर भी दाह संस्कार करने के लिए दी जाए।

सरकारी स्कूलों के बच्चों को मिलेगी प्रवेश में प्राथमिकता, सीटें खाली होने पर अन्य बच्चों को मिलेगा प्रवेश

सीएम राइज में 3 किमी में आने वाले विद्यार्थियों को मिलेगा प्रवेश

भोपाल,ईएमएस।

प्रदेश के सीएम राइज स्कूलों में अब तीन किमी के दायरे में आने वाले विद्यार्थियों को प्रवेश मिलेगा। प्रवेश में पहली प्राथमिकता सरकारी स्कूलों के बच्चों की रहेगी। इसके बाद सीटें खाली होने पर अन्य बच्चों को प्रवेश दिया जाएगा। शिक्षा विभाग का यह नियम सिर्फ उन स्कूलों में लागू होगा, जिनकी बिल्डिंग बनकर तैयार हो गई हैं। स्कूल शिक्षा विभाग ने सत्र 2025-26 के लिए सीएम राइज स्कूलों में प्रवेश की गाइडलाइन जारी कर दी है। प्रदेश में संचालित सीएम राइज स्कूल (सांदीपनी विद्यालय) में एडमिशन के लिए वर्ष 202526 के लिए गाइडलाइन जारी की है।

यह गाइडलाइन नये भवन में संचालित व पुराने भवनों में चल रहे सीएम राइज स्कूलों को लिए अलग-अलग रहेगी। नये भवनों में संचालित होने वाले सीएम स्कूल की सीमा में 3 किमी के दायरे में आने वाले छात्रों को ही एडमिशन मिलेगा। पहले चरण में सिर्फ उन्हीं बच्चों को एडमिशन दिया जाएगा, जो या तो एक

किलोमीटर की परिधि में रहते हों या फिर पढ़ते हों। इसके बाद 2 किमी और फिर 3 किमी की परिधि वाले छात्रों को सीएम राइज स्कूलों में प्रवेश दिया जाएगा। प्रवेश में पहली प्राथमिकता सरकारी स्कूलों के बच्चों को मिलेगी। इसके बाद सीटें खाली होने पर अन्य बच्चों को प्रवेश दिया जाएगा। गाइडलाइन में बताया गया है कि मध्य प्रदेश में अभी 16 सीएम राइज स्कूल नवनिर्मित बिल्डिंग में संचालित हैं। कुछ स्कूलों के भवन जून तक हैंडओवर कर दिए जाएंगे। डीपीआई ने ऐसे स्कूलों के लिए भी दिशा निर्देश जारी विभाग ने एडमिशन में आरटीई (शिक्षा का अधिकार अधिनियम) के नियमों का पालन करने के निर्देश दिए हैं। गाइडलाइन में कहा गया है कि सभी सीएम राइज स्कूलों के प्राचार्य कोशिश करें कि आसपास रहने वाले और सरकारी स्कूलों के बच्चों को ही प्रवेश मिले। उपलध सीटों से ज्यादा आवेदन आने पर पारदर्शिता के लिए लॉटरी पद्धति अपनाएं।

यह रहेगी एडमिशन की प्रक्रिया

सीएम राइज स्कूलों में पहले आओ पहले पाओ की तर्ज पर एडमिशन होंगे। इसके लिए बच्चों का इंट्रेंस टेस्ट नहीं होगा। एडमिशन के लिए स्कूल से आवेदन फार्म लेना होगा। आवेदन जमा होने के बाद स्कूल प्रबंधन की ओर से एडमिशन के लिए चयनित छात्रों की सूची प्रकाशित की जाएगी। पंजीकृत और चयनित विद्यार्थियों की सूची, वेटिंग लिस्ट के साथ स्कूल के नोटिस बोर्ड और वेबसाइट पर प्रकाशित होगी।

तेज रफ्तार बेकाबू कार रोड से उतरकर गहरे गड्ढे में जाकर पलटी, मैकेनिक की मौत

भोपाल(ईएमएस)। ईंटखेड़ी थाना इलाके में स्थित न्यू भोपाल बायपास रोड पर एक तेज रफ्तार कार अचानक बेकाबू होकर सड़क से नीचे उतरने के बाद करीब 8 फिट गहरे गड्ढे में जाकर पलट गई। हादसे में कार चालक को गंभीर चोट आई।

संचालनालय पुरातत्व अभिलेखागार एवं संग्रहालय बाणगंगा मार्ग भोपाल-462003 (मध्यप्रदेश)

वेबसाईट : www.archaeology.mp.govt.in
ईमेलः mpar chaeo lo gy @gmail.com

No. /15/cons/2025 Bhopal Dated: 9.4.25

Request for Proposal Notice

" Selection of Agency for providing Taxi Services on monthly basis"

Directorate of Archaeology invites online proposals from suitable agencies for providing Taxi Services on monthly basis.

For detail scope of work and other terms and conditions, please refer the RFP document available at www.archaeology.mp.gov.in and https://mptenders.gov.in. Document fees of Rs 1,000 (Non- refundable) and EMD of Rs 50,000 (Fifty Thousand Only) needs to be submitted through online mode through https://mptenders.gov.in portal only.

An interested agency who qualifies as per the criteria mentioned in the RFP document may submit their proposals online only through the e-tendering Portal latest by 25/04/2025 till 5:00 pm.

Deputy Director
Archaeology, Achieves and Museums
Phone. 9425772682

जी- 11467/25

जल गंगा संवर्धन अभियान में सीएमसीएलडीपी के छात्र-छात्राओं ने निकाली रैली

खरगोन, ईएमएस। जन अभियान परिषद खरगोन जिला समन्वयक विजय शर्मा और ब्लॉक समन्वयक कालू सिंह मंडलोई के निर्देशन पर भीकनगाव में जल गंगा संवर्धन अभियान की सीएमसीएलडीपी के छात्र छात्राओं को जलस्रोतों संरक्षण और पानी के बचाने के लिए भीकनगांव में जन जागरूकता रैली निकाली गई। रैली के माध्यम से नगर के हर वार्ड ने जल संरक्षण का संदेश देते हुए नारे लगाएं गए।

विचार मंथन

पोरवाल युवा संगठन ने सकोरा एवं अनाज का वितरण किया

देवास, ईएमएस। अखिल भारतीय पोरवाल युवा संगठन जिला देवास की ओर से पक्षियों के लिए अनाज एवं सकोरे वितरण का कार्यक्रम किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि भरत जवेरी, पुष्पा जवेरी, पूर्व भाजपा जिलाध्यक्ष राजीव खंडेलवाल, अभा पोरवाल युवा संगठन संस्थापक राजेन्द्र संघवी, किराना व्यापारी एसो. अध्यक्ष मनोज संघवी, राकेश गुप्ता थे।

संपादकीय

करणी सेना की सांसद और सरकार को चुनौती

हाल ही में आगरा में आयोजित राणा सांगा रक्त स्वाभिमान सम्मेलन और उससे पूर्व निकाली गई करणी सेना की रैली ने जिस तरह से स्थानीय प्रशासन, सांसद और पुलिस प्रशासन को खुलेआम हथियारों का प्रदर्शन कर चुनौती दी। उसने देशभर की राजनीतिक और सामाजिक चेतना को झकझोर कर रख दिया है। यह आयोजन समाजवादी पार्टी के सांसद रामजी लाल सुमन द्वारा संसद में दिए गए कथित बयान के विरोध में हुआ। जिसे राजपूत समाज ने अपने स्वाभिमान पर आघात माना है। रैली में प्रयोग की गई भाषा, बयानबाजी और सांसद के खिलाफ खुलेआम दी गई धमकियाँ इशारा करती हैं, कि असहमति अब लोकतांत्रिक प्रक्रिया की मर्यादाओं में नहीं बल्कि भीड़तन्त्र और भावनाओं की उग्रता को हथियारों के साथ सडकों पर व्यक्त की जा रही है। ÷मुंह फाड़ के माफी मंगवाई जाएगी÷ जैसे शब्द न केवल संविधान की गरिमा को ठेस पहुँचाते हैं बल्कि सरकार और प्रशासन को चुनौती देते हुए नजर आ रहे हैं। इससे लोकतंत्र की जड़ों को भारी क्षति पहुँचती है। कानून व्यवस्था अब भीड़ तंत्र के अनुसार चलेगी ऐसा दिखने लगा है। यह चिंता का विषय है। किसी भी समाज मे भावनाओं की आड़ लेकर धार्मिक, राजनीतिक या सामाजिक संगठन सरकार और संसद को चुनौती देने का साहस कर रहे हैं। क्या यह किसी एक समुदाय का गुस्सा है या फिर भीड़ तंत्र के सहारे यह सत्ता और व्यवस्था को दबाव में लेने की एक सोची-समझी रणनीति है? जिला प्रशासन की सतर्कता, तीन लेयर की सुरक्षा व्यवस्था और हर स्तर पर निगरानी व्यवस्था की बात तो कर रहा है। लेकिन जिस तरह से खुलेआम सड़कों पर हथियारों के साथ जिस भाषा का प्रयोग एक सांसद और एक राजनीतिक दल के बारे में किया जा रहा है। वह भारत की कानून व्यवस्था का खुले आम उल्लंघन है। पुलिस द्वारा समय रहते कोई कार्रवाई नहीं किया जाना, इस ओर इशारा करता है, कि कहीं ना कहीं आंदोलनकारी भीड को सरकार और प्रशासन का समर्थन और सहयोग प्राप्त है। ऐसे उग्र आयोजनों को केवल कानून-व्यवस्था के चश्में से नहीं देखा जाना चाहिए। इसके पीछे की सामाजिक, राजनीतिक और वैचारिक प्रवृत्तियों को भी समझा जाना वर्तमान स्थिति को देखते हुए जरूरी हो गया है। सरकार और संसद को चाहिए कि वह इस मामले को नजरअंदाज करने के स्थान पर कठोर कार्रवाई करें। दो टूक, स्पष्ट नीति को अपनाएं। यदि सांसद का बयान अनुचित था, तो उस पर नियमानुसार कार्रवाई होनी चाहिए। किसी भी संगठन या भीड़ को कानून हाथ में लेने की अनुमति नहीं दी जा सकती है। लोकतंत्र में अभिव्यक्ति एवं स्वाभिमान का मौलिक अधिकार सभी नागरिकों के पास समान रूप से है। वह संविधान के अनुच्छेदों के अंदर रहकर ही सुरक्षित रह सकता है। हर असहमति सड़कों पर भीड़ और धमकी में तब्दील होने लगेगी, तो यह संस्कृति लोकतांत्रिक राष्ट्र के लिए अत्यंत घातक होने का संकेत हैं। अब समय आ गया है। लोकतंत्र की गरिमा और सार्वजनिक संवाद की मर्यादा को बनाए रखने के लिए सभी पक्ष संयम, संवाद और संविधान का मार्ग अपनाएं। इसमें प्रशासन और न्यायपालिका की जिम्मेदारी सबसे बड़ी है। जिन संस्थाओं के ऊपर यह जिम्मेदारी है यदि वह ठीक तरीके से काम नहीं कर रही हैं। यह चिंता का सबसे बड़ा कारण है। न्याय पालिका की अनदेखी तथा न्याय पालिका के ऊपर सरकारी दबाव के कारण अराजकता की स्थिति पैदा हो रही है। वर्तमान में जो हालात बने हैं, वह 1947 में जिस तरह से स्वतंत्रता के पश्चात हालात बने थे। ठीक उससे मिलते-जुलते हैं। ऐसे समय पर न्याय पालिका को स्वयं संज्ञान लेकर शासन और प्रशासन की जिम्मेदारी तय करनी होगी। आम नागरिकों को संविधान प्रदत्त अधिकारों की सुरक्षा करने का संवैधानिक दायित्व संविधान ने न्यायपालिका को दिया है। वर्तमान स्थिति को देखते हुए न्यायपालिका की भूमिका अति महत्वपूर्ण हो गई है। न्यायपालिका ही नागरिक अधिकारों की रक्षा कर सकती है। न्याय पालिका के लिए यही राष्ट्र और समाज के प्रति दायित्व है। आशा है न्यायपालिका इस मामले में निराश नहीं करेगी।

– सनत जैन

राज काज

लाट साहब को कहना होगा मेरी सरकार का अच्छा काम

पिछले कुछ वर्षों से विपक्षी दलों की जिन राज्यों में सरकार होती थी। वहां के लाट साहब राज्य सरकार के कामकाज को सरकार जो भाषण तैयार करती थी उस भाषण को नहीं देकर सरकारों को नीचा दिखा रहे थे। अब लाट साहिबों को सरकार द्वारा लिखित भाषण ही पढ़ना होगा। सुप्रीम कोर्ट के फैसले ने लाट साहबों को बता दिया है। वह राज्य सरकार के प्रतिनिधि हैं। चुनी हुई सरकार ही सर्वोच्च है। लाट साहब को उनकी इच्छा के अनुसार काम करआ होगा।

कब आएगी 5 ट्रिलियन की अर्थव्यवस्था

केंद्र सरकार कई सालों से 5 ट्रिलियन डॉलर की अर्थ व्यवस्था का पहाडा पढ़ रही है। लेकिन अर्थव्यवस्था की हालत दिनों दिन गर्त की ओर जाती हुई दिख रही है। मुडीज ने भारत सरकार की विकास दर रेटिंग को कम कर दिया है। 6.4 से घटकर 6.1 फीसदी कर दिया है। रही सही कसर शेयर बाजार ने पूरी कर दी है। टैरिफ बार ने निर्यात व्यापार को प्रभावित करने का काम किया है। 5 ट्रिलियन डॉलर अब एक सपना बनकर रह जाएगा। यह अर्थशास्त्री कहने लगे हैं। आंकड़ों की बाजीगिरी में सरकार खुद फंस गई है। 2 करोड़ नौकरी की तरह अब 5 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था सरकार के गले में फांस की तरह अटक गया है।

राज भवन के लाट साहबों पर सुप्रीम कोर्ट का शिकंजा

सुप्रीम कोर्ट ने राज्यपालों की भूमिका को लेकर जो फैसला दिया है। उसके बाद राज भवन की सुख सुविधा भोगने वाले लाट साहबों पर शिकंजा कस दिया गया है। केंद्र सरकार के इशारे पर मुख्यमंत्री के बास बनकर लाट साहब एश करते थे। राज्यपालों के चक्क र में राष्ट्रपति का पद भी सुप्रीम कोर्ट की समीक्षा के दायरे में आ गया है। सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद हर हालत में तीन माह के अंदर राज्य सरकारों के विधान सभा से पारित बिलों को मंजूर करना होगा, नहीं तो सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले के बाद संवैधानिक पद पर बैठे हुए लोगों पर भी सुप्रीम कोर्ट का डंडा आज नहीं तो चल चल ही जाएगा। विपक्षी दलों की राज्य सरकारों को केंद्र सरकार चलने नहीं देती थी। अब केंद्र सरकार को कोई नया रास्ता खोजना पड़ेगा। राज्य सरकारों को गिराना भी आसान नहीं होगा।

डिजिटल कानून और वक्फ कानून ने विपक्ष को किया एकजुट

केंद्र सरकार ने डिजिटल पर्सनल डाटा प्रोटेक्शन एक्ट लागू करने की तैयारी की है। वक्फ बिल को लेकर जिस तरह की प्रति या हो रही है। उसने विपक्ष को एकजुट कर दिया है। डिजिटल पर्सनल डाटा एक्ट में जिस तरह से सूचना अधिकार कानून की धज्जियां उड़ाई गई हैं। उसके बाद नागरिकों के मौलिक अधिकार और सरकार क्या कर रही है। यह संवैधानिक अधिकार खत्म हो रहे हैं। अब विपक्ष एकजुट होकर केंद्र सरकार के खिलाफ खड़ा हो गया है। आर्थिक मंदी, महंगाई, बेरोजगारी के मुद्दे के साथ-साथ अब कानून व्यवस्था भी एक बड़ा मुद्दा बनता चला जा रहा है। सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच में आर पार की लड़ाई शुरू हो गई है। इसका परिणाम क्या होगा, भगवान ही जाने।

दिलों पर राज करते हैं बाबा साहब

ना था, ना है और ना होगा कोई आंबेडकर जैसा

मुस्ताअली बोहरा

आम्बेडकर जयंती पर विशेष

भारत रत्न, महान मर्मज्ञ, अर्थशास्त्री, संविधान शिल्पी, आधुनिक भारत की नींव रखने वाले, इतिहास के ज्ञाता, तत्वज्ञानी, मानव शास्त्र के ज्ञाता, कानूनविद, मानवाधिकार के संरक्षक, धर्म व दर्शन के विद्वान, पाली साहित्य के अध्ययनकर्ता, महान लेखक, समाज सुधारक, राजनीतिज्ञ, संपादक, बौद्ध साहित्य के अध्ययनकर्ता, मजदूरों के मसीहा, इतिहासविद, प्रोफेसर, शिक्षाविद, चिंतक, समाज सुधारक, पर्यावरणविद्, वक्ता, दार्शनिक, बहुभाषाविद्, संपादक, आजाद भारत के पहले कानून मंत्री बहुआयामी व्यक्तित्व के धनी डॉ. भीमराव आंबेडकर जिन्हें पूरी दुनिया प्यार और सम्मान के साथ बाबा साहब के नाम से पुकारती है। सन 1990 में उन्हें भारत के सर्वोच्च नागरिक सम्मान भारत रत्न से सम्मानित किया गया।

कैम्ब्रिज यूनिवर्सिटी इंग्लैंड के 2011 के आंकड़ों के मुताबिक आंबेडकर जी को सबसे ज्यादा 64 विषयों पर मास्टरी थी। संविधान निर्माता, भारत रत्न डॉ. बीआर अम्बेडकर के बारे में देश के पहले राष्ट्रपति डॉ. राजेंद्र प्रसाद ने 26 नवम्बर 1949 को संविधान सभा में कहा था कि स्वतंत्र भारत के संविधान शिल्पी डा. अम्बेडकर ने अपनी बुद्धि, प्रतिभा और योग्यता की हर कीमत चुका कर देश को एक नया संविधान भेंट किया। संसार में ऐसी मानसिक ऊंचाई और शाश्वत प्रतिभा के धनी कर्मठ महापुरुष कभी-कभी ही अवतरित होते हैं। डॉ प्रसाद के ये शब्द महज बाबा साहब की तारीफ नहीं थी बल्कि ऐसा सच था जो हमेशा कायम रहेगा। उन्होंने सालों तक जातिगत भेदभाव और अपमान सहा। बाबा साहब ने करुणा, प्रेम, समता और अहिंसा से ओतप्रोत बौद्ध मत को अंगीकार किया।

आंबेडकर तीन लोगों को अपना गुरु मानते थे गौतम बुद्ध, कबीर दास और महात्मा ज्योतिबा फुले। सामाजिक क्रांति लाने वाले बाबा साहब डा. भीमराव अम्बेडकर का जन्म समाज और देश को नई दिशा और दशा देने के लिए ही हुआ था। अमानवीय कुरीतियों जैसे छूआछूत, जातिगत भेदभाव, तिरस्कार और सामाजिक अन्याय आदि को स्वयं भोगा था, परन्तु कभी धैर्य नहीं खोया। उन्होंने वंचित वर्ग को समाज में उसकी प्रतिष्ठा दिलवाने के लिए अपने जीवन को समर्पित कर दिया। डॉ आंबेडकर पूरी जिन्दगी दलित, शोषित, वंचित समाज को सशक्त, आत्मनिर्भर व सम्मानित जीवन देने के लिए संकल्पबद्ध रहे। उन्होंने 24 नवम्बर 1947 को दिल्ली में कहा था, 'हम सब भारतीय परस्पर सगे भाई हैं। ऐसी भावना अपेक्षित है, इसे ही बंधुभाव कहा जाता है, उसी का अभाव है। जातियां आपसी द्वेष बढ़ाती हैं।

अत इस अवरोध को दूर करना होगा क्योंकि यदि बंधुभाव ही नहीं रहेगा तो समता और स्वाधीनता सब अस्तित्वहीन हो जाएंगे।' बाबा साहब का कहना था, 'मैं चाहता हूं कि लोग सर्वप्रथम भारतीय हों व अंत तक भारतीय रहें, भारतीय के अलावा कुछ भी नहीं।' बाबा साहब ने भाषाई आधार पर राज्यों के गठन का विरोध किया। हिंदी की राष्ट्रभाषा के रूप में स्थापना को महत्व दिया। श्रम नीति सुधार, शहरीकरण का महत्व, समान नागरिक संहिता एवं हिन्दू कोड बिल, महिलाओं के प्रति उनकी संवेदनशीलता, आर्थिक योजनाएं, जल और विद्युत नीति में भूमिका सहित कई ऐसी नीतियां और योजनाएं थी जिनसे बाबा साहब की दूरंदेशी का अंदाजा हो जाता है। बाबा साहब की शख्सियत को इसी से जाना जा सकता है कि दुनिया भर के 100 से अधिक देशों में उनकी जयन्ती मनाई जाती है। गुगल ने डॉ आम्बेडकर की 125वीं जयंती पर अपने गूगल डूडल पर उनकी तस्वीर लगाकर उन्हें अभिवादन किया। तीन महाद्वीपों के देशों में यह डूडल था। सन 2016 में देश और दुनिया भर में भीमराव आंबेडकर की 125वी जयंती मनाई थी। इस वर्ष कुल 102 देशों में अम्बेडकर जयंती को मनाया गया था। इसी वर्ष पहली बार संयुक्त राष्ट्र ने भी भीमराव आंबेडकर की 125 वी जयंती मनाई जिसमें 156 देशों के प्रतिनिधीयों ने भाग लिया था। संयुक्त राष्ट्र ने भीमराव आंबेडकर को विश्व का प्रणेता कहकर उनका मान बढ़ाया। संयुक्त राष्ट्र के 70 वर्ष के इतिहास में वहां पहली बार किसी भारतीय व्यक्ति का जन्मदिवस मनाया गया था।

बाबा साहब के अलावा विश्व में केवल दों ऐसे व्यक्ति हैं जिनकी जयंती संयुक्त राष्ट्र ने मनाई हैं मार्टिन लूथर किंग और नेल्सन मंडेला। आंबेडकर, किंग और मंडेला ये तीनों लोग अपने अपने देश में मानवाधिकार संघर्ष के सबसे बडे नेता के रुप में जाने जाते हैं। डॉ. भीमराव अम्बेडकर का जन्म 14 अप्रैल 1891 को ब्रिटिश भारत के मध्य भारत प्रांत (अब मध्य प्रदेश) में स्थित महू नगर सैन्य छावनी में हुआ था। इनके बचपन का नाम भिवा था। वे रामजी मालोजी सकपाल और भीमाबाई मुरबादकर की 14 वीं और अंतिम संतान थे। डॉ. बाबा साहब अंबेडकर के पिता ब्रिटिश सेना में सूबेदार थे। बाबा साहेब का परिवार कबीर पंथ को मानने वाला मराठी मूल का था और वो वर्तमान महाराष्ट्र के रत्नागिरी जिले में आंबडवे गाँव के निवासी थे। डॉ. भीमराव रामजी अंबेडकर लगभग दो वर्ष के थे जब उनके पिता नौकरी से सेवानिवृत्त हो गए थे। जब वह केवल छह वर्ष के थे तब उसकी मां का निधन हो गया था।

भारत को पुनः विश्व गुरु बनाने सांस्कृतिक संगठन भी निभाएं भूमिका

प्रहलाद सबनानी

प्राचीनकाल में भारत विश्व गुरु रहा है इस विषय पर अब कोई शक की गुंजाईश नहीं रही है क्योंकि अब तो पश्चिमी देशों द्वारा पूरे विश्व के प्राचीन काल के संदर्भ में की गई रिसर्च में भी यह तथ्य उभरकर सामने आ रहे हैं। भारत क्यों और कैसे विश्व गुरु के पद पर आसीन रहा है, इस संदर्भ में कहा जा रहा है कि भारत में हिंदू सनातन संस्कृति के नियमों के आधार पर भारतीय नागरिक समाज में अपने दैनंदिनी कार्य कलाप करते रहे हैं। साथ ही, भारतीयों के डीएनए में आध्यतम पाया जाता रहा है जिसके चलते वे विभिन्न क्षेत्रों में किए जाने वाले अपने कार्यों को धर्म से जोड़कर करते रहे हैं। लगभग समस्त भारतीय, काम, अर्थ एवं कर्म को भी धर्म से जोड़कर करते रहे हैं। काम, अर्थ एवं कर्म में चूंकि तामसी प्रवृत्ति का आधिक्य बहुत आसानी से आ जाता है अतः इन कार्यों को तासमी प्रवृत्ति से बचाने के उद्देश्य से धर्म से जोड़कर इन कार्यों को सम्पन्न करने की प्रेरणा प्राप्त की जाती है। जैसे, भारतीय शास्त्रों में काम में संयम रखने की सलाह दी जाती है तथा अर्थ के अर्जन को बुरा नहीं माना गया है परंतु अर्थ का अर्जन केवल अपने स्वयं के हित के लिए करना एवं इसे समाज के हित में उपयोग नहीं करने को बुरा माना गया है। इसी प्रकार, दैनिक जीवन में किए जाने वाले कर्म भी यदि धर्म आधारित नहीं होंगे तो जिस उद्देश्य से यह मानव जीवन हमें प्राप्त हुए है, उस उद्देश्य की पूर्ति नहीं हो सकेगी।

प्राचीनकाल में भारत में राजा का यह कर्तव्य होता था कि उसके राज्य में निवास कर रही प्रजा को किसी प्रकार का कष्ट नहीं हो और यदि किसी राज्य की प्रजा को किसी प्रकार का कष्ट होता था तो वह नागरिक अपने कष्ट निवारण के लिए राजा के पास पहुंच सकता था। परंतु, जैसे जैसे राज्यों का विस्तार होने लगा और राज्यों की जनसंख्या में वृद्धि होती गई तो उस राज्य में निवास कर रहे नागरिकों के कष्टों को दूर करने के लिए धार्मिक, सामाजिक एवं सांस्कृतिक संगठन भी आगे आने लगे एवं नागरिकों के कष्टों को दूर करने में अपनी भूमिका का निर्वहन करने लगे। समय के साथ साथ धनाडय वर्ग भी इस पावन कार्य में अपनी भूमिका निभाने लगा। फिर, और आगे के समय में एक नागरिक दूसरे नागरिक की परेशानी में एक दूसरे का साथ देने लगे। परिवार के सदस्यों के साथ पड़ौसी, मित्र एवं सहृदयी नागरिक भी इस प्रक्रिया में अपना हाथ बंटाने लगे। इस प्रकार प्राचीन भारत में ही व्यक्ति, परिवार, पड़ौस, ग्राम, नगर, प्रांत, देश एवं पूरी धरा को ही एक दूसरे के सहयोगी के रूप में देखा जाने लगा। 'वसुधैव कुटुंबकम', 'सर्वजन हिताय सर्वजन सुखाय', 'सर्वे भवंतु सुखिन का भाव भी प्राचीन भारत में इसी प्रकार जागृत हुआ है। 'व्यक्ति से समष्टि' की ओर, की भावना केवल और केवल भारत में ही पाई जाती है।

वर्तमान काल में लगभग समस्त देशों में चूंकि समस्त व्यवस्थाएं साम्यवाद एवं पूंजीवाद के नियमों पर आधारित हैं, जिनके अनुसार, व्यक्तिवाद पर विशेष ध्यान दिया जाता है और परिवार तथा समाज कहीं पीछे छूट जाता है। केवल मुझे कष्ट है तो दुनिया में कष्ट है अन्यथा किसी और नागरिक के कष्ट पर मेरा कोई ध्यान नहीं है। जैसे यूरोपीयन देश उनके ऊपर किसी भी प्रकार की समस्या आने पर पूरे विश्व का आह्वान करते हुए पाए जाते हैं कि जैसे उनकी समस्या पूरे विश्व की समस्या है परंतु जब इसी प्रकार की समस्या किसी अन्य देश पर आती है तो यूरोपीयन देश उसे अपनी समस्या नहीं मानते हैं।

सुविचार

शरीर को स्वस्थ रखना हमारा कर्तव्य है, वरना हम अपने दिमाग को स्वच्छ और मजबूत नहीं रख पाएंगे।

– गौमत बुद्ध

जिस प्रकार बिना जल के धान नहीं उगता उसी प्रकार बिना विनय के प्राप्त की गयी विधा फलदायी नहीं होती।

– भगवान महावीर

प्रसंग

विश्वास कभी न तोड़ें

ब्रह्मपुर के पास एक गांव में मुन्ना सिंह बादशाह रहते थे। वे जो कहते थे, करते थे। थे तो गृहस्थ, लेकिन व्यवहार साधु की तरह था। फकीर का जीवन जीते थे। साधु सन्यासियों की सेवा करने में उन्हें गहरी दिल्चस्पी थी । वे संगीत के भी प्रेमी थे। उनकी दृष्टि में कोई बुरा नहीं था। एक बार रानीसागर गाँव की एक वेश्या ने उन्हें संगीत और भजन सुनने के लिए आमन्त्रित किया । उन्होंने हाँ कह दी, लेकिन तभी वर्षा इनती हुई कि बाढ़ आ गयी । जाने का मार्ग जलप्लावित हो गया। लोगों ने कहा - बादशाह जी, छोड़िये एक वेश्या के यहां कहां जाइएगा? जाने का कोई मार्ग शेष नहीं । यदि नहीं भी जाइएगा तो क्या होगा? वेश्याएँ ऐसी ही होती हैं, उनके लिए आप चिंतित क्यों हैं । मुन्ना सिंह बादशाह ने किसी की नहीं सुनी और सारा कपड़ा एक हाथ लिये लंगोटा पहन पानी में कूद पड़े और उचित समय पर उस वेश्या के यहां पहुंच गये। एक वेश्या के वचनों के प्रति भी इतने कृत संकल्प वे साधु थे। न तो उन्होंने लोकापवाद की कोई परवाह की और न तनिक अपने व्यक्तिगत कष्ट की।

जरा हटके

एआई की मदद से हुआ दुनिया में पहले बच्चे का जन्म

वाशिंगटन (ईएमएस)। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) का इस्तेमाल अब बच्चे पैदा करने के लिए भी होने लगा है। जी हां एआई की मदद से दुनिया के पहले बच्चे ने जन्म ले लिया है, इसने इनफर्टिलिटी ट्रीटमेंट की दिशा ही बदल दी है। दुनिया के पहले एआई पावर्ड आईवीएफ बच्चे का जन्म उन महिलाओं के लिए आशा की किरण है, जो किसी कारणवश मां नहीं बन सकती है।

रिपोर्ट्स के मुताबिक एआई की मदद से आईवीएफ सिस्टम का इस्तेमाल करके दुनिया का पहला बच्चा पैदा हुआ है, यह सिस्टम इंट्रासाइटोप्लाजमिक स्पर्म इंजेक्शन (आईसीएसआई) की पारंपरिक मैनुअल प्रक्रिया की जगह लेती है, जो कि आईपीएफ में इस्तेमाल की जाने वाली एक आम विधि है। आईवीएफ प्रोसेस के दौरान पुरुष के स्पर्म और महिला के एग के साथ फर्टिलाइज कराया जाता है। फिर एब्रियो को ट्रांसफर करते है। इस प्रक्रिया में स्पर्म सलेक्शन से लेकर इंजेक्ट और ट्रांसफर का काम डॉक्टर का होता है। अब सबसे पहले एआई एल्गोरिद्म माइक्रोस्कोपिक इमेजेस का विश्लेषण करके सबसे उपयुक्त शुक्राणु का चयन करता है। लेजर की सहायता से चुने गए शुक्राणु को निष्क्रिय किया जाता है, जिससे शुक्राणु को संभालना आसान हो जाता है। एआई नियंत्रित रोबोटिक प्रणाली के माध्यम से शुक्राणु को अंडाणु में सटीकता से इंजेक्ट किया जाता है। इस प्रक्रिया के सभी 23 चरणों को बिना किसी मानव हस्तक्षेप के, केवल एआई और रिमोट डिजिटल नियंत्रण के माध्यम से पूरा किया गया है।

एक 40 वर्षीय महिला, जो पिछले असफल प्रयास के बाद डोनर अंडे के साथ आईवीएफ उपचार करवा रही थी, इस नई स्वचालित प्रक्रिया का उपयोग करके गर्भवती हुई। एक भ्रूण स्वस्थ ब्लास्टोसिस्ट में विकसित हुआ, जिसे फ्रीज किया गया और बाद में स्थानांतरित किया गया, जिससे एक स्वस्थ बच्चे का जन्म हुआ। स्वचालित प्रणाली ने शुक्राणु इंजेक्शन प्रक्रिया के हर हिस्से को संभाला, जिसमें एआई के साथ शुक्राणु का चयन करना, इसे लेजर से स्थिर करना और अंडे में इंजेक्ट करना शामिल है। एआई सहायता प्राप्त आईवीएफ प्रणाली प्रजनन चिकित्सा में एक क्रांतिकारी कदम है, यह न केवल प्रक्रिया की सटीकता और सफलता दर को बढ़ा सकती है, बल्कि आईवीएफ उपचार को अधिक सुलभ और किफायती भी बना सकती है। हालांकि, विशेषज्ञों का मानना है कि इस तकनीक के व्यापक उपयोग से पहले और अधिक अध्ययन और परीक्षण आवश्यक है।

फोटो ऑफ द डे

बुडापेस्ट में सालाना प्राइड परेड को प्रतिबंधित करने के सरकार के आदेश के खिलाफ नाच गाकर विरोध प्रदर्शन करते लोग। (फोटो-ईएमएस)

व्यंग्य

धूप का चश्मा

-संतोष खरे

मैं धूप के चश्मे के आविष्कारक का नाम तो नहीं जानता, पर उस महान व्यक्ति का हृदय से आभारी हूँ, जिसने गॉगल जैसी अद्भुत वस्तु बनाकर मुझे वे तमाम सुविधाएँ प्रदान कर दी हैं जो उसके अभाव में मैं प्राप्त न कर पाता। अब देखिए न कि आदमी के मन में झाँकने का एकमात्र माध्यम उसकी आँखों में तैरनेवाले भाव ही तो हैं। आँखों से प्रेम, घृणा और क्रोध व्यक्त किया जा सकता है। नज़रें चार होती हैं तो प्रेम तक हो जाता है। प्राचीन कवियों के नायक-नायिका भरे भवन में आँखों-ही-आँखों में सभी बातें कर लेते थे। कहा जाता है कि यदि साहसी शिकारी बिना पलक झपकाए शेर की आँखों से अपनी आँखें मिलाए रहता है तो शेर को हमला करने का साहस नहीं होता। झूठ बोलनेवाले की आँखों में गहराई से देखा जाए तो उसका झूठ पकड़ में आ जाता है, पर मैं धूप का चश्मा पहनकर बड़ी आसानी से अपनी आँखों के भावों को छुपा लेता हूँ। मेरी बातें सुनते हुए सामनेवाला समझता है कि मैं जो कुछ कह रहा हूँ वही मेरे मन की बात है, पर मेरी आँखों पर चश्मा चढ़ा होने के कारण वह आँखों से सच्चाई का पता नहीं लगा पाता। सामनेवाला समझता है कि मैं उसे देख रहा हूँ, जबकि मैं उसे नहीं देखता, बल्कि उसकी ओर देख रहा होता हूँ जो यह समझता है कि मैं उसे नहीं देख रहा। जो धूप का चश्मा लगाते हैं वे जानते हैं कि चश्मा लगाने से चेहरे पर गरिमा तो आती ही है। साथ ही यदि काफ़ी बड़े फ्रेम वाले चश्मे हुए तो चेहरे का नक्शा भी बदला दिखाई देता है। अच्छे सूट के साथ अगर गॉगल न हो तो चेहरे पर वह %इंप्रेशन% आ ही नहीं सकता जो चश्मा पहनने पर आ जाता है। साड़ी हो या स्कर्ट, बैल बॉटम हो या ढीली कमीज़, पैंट हो या गरारा, गॉगल सबके साथ लोकप्रिय है, इसकी लोकप्रियता का अनुमान तो इसी बात से लगता है कि फ़िल्म के अधिकांश अभिनेता या अभिनेत्रियों ने फ़िल्मों में गॉगल्स पहने हैं।

चश्मा आदमी के व्यक्तित्व के साथ इस सीमा तक जुड़ गया है उसके जीवन में ऐसे मौके कम ही हैं, जब वह धूप का चश्मा न पहनता हो। सड़क पर, बाज़ार में, बसों, ट्रेनों, हवाई जहाज़ों में, दफ़्तर और पार्कों में लोग हर जगह धूप का चश्मा लगाते हैं, यह भी ज़रूरी नहीं है कि केवल धूप में ही धूप का चश्मा लगाया जाए। रात में भी कुछ लोग इसे लगाए रहते हैं। हर मौसम में इसका उपयोग होता है। यानि धूप का चश्मा समय, स्थान और काल आदि से परे की हर उम्र और सेक्स के लोगों की एक प्रिय वस्तु है। आँखों के दोषों को सिर्फ़ धूप का चश्मा छुपाता है या धूप का चश्मा आँखों में पड़नेवाले धूल या धुएँ से आँखों की रक्षा करता है।

इस तरह की बातें यदि मैं लिखूँगा तो आप कहेंगे कि मैं चश्मे की विज्ञापन करने लगा। पर यह तो कहना ही चाहूँगा कि आप बस, ट्रेन या मीटिंग में धूप का चश्मा लगाए मज़े से सोते रहिए और साथ के लोग समझेंगे कि आप जाग रहे हैं। आप आराम के साथ किसी महिला को घूरते रहिए, कोई कुछ नहीं कहेगा। यह कहने की भी आवश्यकता नहीं कि धूप के चश्मों के कारोबार में हज़ारों लोग लगे हैं और गॉगल्स की दुकानों ने बाज़ार की शोभा बढ़ाई है, पर यह ज़रूर कहूँगा कि चश्मा एक ऐसी अनिवार्य वस्तु बन चुका है कि जो एक बार लगाता है वह सदैव लगाता है। चश्मा तो चश्मा है, वह टूट सकता है, चोरी हो सकता है या खो भी सकता है। तब चश्मा लगानेवाले दूसरा चश्मा नहीं ख़रीदेंगे? मेरा अनुमान है कि औसतन हर व्यक्ति अपने जीवन में पच्चीस-तीस धूप के चश्मे ज़रूर ख़रीदता होगा, चश्मा व्यवसाय की सफलता का एक कारण यह भी हो सकता है।

चिंतन-मनन

अमिट है कर्म का फल

यदि कर्म का फल तुरंत नहीं मिलता है तो यह नहीं समझना चाहिए कि उसके भले-बुरे परिणाम से हम सदा के लिए बच गये। कर्मफल ऐसा अमिट तथ्य है जो आज नहीं तो कल भुगतना ही पड़ेगा। कभी-कभी परिणाम में देर इसलिए होती है क्योंकि ईश्वर मानवीय बुद्धि की परीक्षा चाहता है कि व्यक्ति कर्त्तव्य धर्म समझने और निष्ठापूर्वक पालन करने लायक विवेक बुद्धि संचय कर सका है या नहीं। जो दंड भय बिना सदा सत्कर्मो तक सीमित रहता है, समझना चाहिए उसने सज्जनता की परीक्षा पास कर पशुता से देवत्व की ओर बढ़ने का शुभारंभ कर दिया। दंडभय से तो विवेक रहित पशु को भी अवांछनीय मार्ग पर चलने से रोका जा सकता है। मानवीय अंतःकरण की विकसित चेतना तभी अनुभव की जा सकेगी, जब वह कुमार्ग पर चलने से रोक सन्मार्ग के लिए प्रेरणा प्रदान करे। यदि हर काम का तुरंत दंड मिलता और ईश्वर बलपूर्वक किसी मार्ग पर चलने के लिए विवश करता तो फिर मनुष्य भी पशु-श्रेणी में होता और उसकी स्वतंत्र आत्म चेतना विकसित हुई या नहीं, इसका पता नहीं चलता। ईश्वर या खुदा ने मनुष्य को भले-बुरे कर्म की स्वतंत्रता इसीलिए दी है कि वह विवेक विकसित कर भले-बुरे का अंतर सीख पथ निर्माण में समर्थ हो। विवेक व कर्त्तव्य परायणता दो ही कसौटी हैं मनुष्यता के आत्मिक स्तर विकसित होने की।

रोचक

जापान के पास समुद्र में मिली रहस्यमयी संरचना

टोक्यो (ईएमएस)। अब जापान के पास समुद्र के नीचे एक ऐसी रहस्यमयी संरचना मिली है जिसने पूरी दुनिया का ध्यान अपनी ओर खींचा है। यह पिरामिड जैसी संरचना जापान के रायुक्यू द्वीपों के पास पाई गई है, जिसे चोनागुनी मॉन्यूमेंट कहा जा रहा है। इसकी ऊंचाई करीब 24.99 मीटर बताई जा रही है और यह सीढ़ीनुमा पत्थरों से बनी है।

विशेषज्ञों का मानना है कि यह कोई साधारण खोज नहीं है। कई एक्सपर्ट्स का दावा है कि यह मानव निर्मित संरचना हो सकती है और यह बात इस ओर इशारा करती है कि अज्ञात प्राचीन सभ्यताओं को अब तक हमने गंभीरता से नहीं लिया है। यह संरचना पत्थरों से बनी हुई है और इसकी उम्र लगभग दस हजार साल बताई जा रही है, जो मिस्र के पिरामिडों और पाषाण युग से भी कहीं पुरानी है। यह संभावना जताई जा रही है कि यह सभ्यता उस समय की हो सकती है जब हिम युग समाप्त होने के बाद समुद्र का जल स्तर नहीं बढ़ा था। इस संरचना की तुलना मिथकीय एटलांटिस नगरी से भी की जा रही है। शोधकर्ता ग्राहम हेनकॉक ने इसे एक चौंकाने वाली खोज बताया है, जबकि कुछ विशेषज्ञ जैसे फ्लिंट डिबिल का मानना है कि यह प्राकृतिक रूप से बनी आकृति भी हो सकती है। हालांकि जापानी भूगर्भशास्त्री डॉ मासाकी किमूरा का मानना है कि इसे नजरअंदाज करना जल्दबाजी होगी।

स्वाभिमान यात्रा आज निकलेगी, सामाजिक समरसता का दिया जाएगा परिचय

देवास, ईएमएस। डॉ. बाबा साहब भीमराव अम्बेडकर जी की जयंती के उपलक्ष्य में डॉ. अम्बेडकर राष्ट्रीय युवा संघ, जिला देवास द्वारा आज स्वाभिमान यात्रा निकाली जाएगी। संगठन जिलाध्यक्ष एवं यात्रा संयोजक हेमंत मालवीय एवं जिला सचिव विक्की मालवीय ने बताया कि प्रतिवर्षानुसार इस 9वें वर्ष में भी 14 अप्रैल को शाम 4 बजे के.पी. कॉलेज नाहर दरवाजा से स्वाभिमान यात्रा निकाली जाएगी।

पूजन अर्चण कर मनाई गई चपना में हनुमान जयंती

मैहर, ईएमएस। विगत वर्षो की भांति इस बार भी नादन सर्किल के ग्राम चपना में प्राचीन हनुमान मंदिर में जन्मोत्सव के उपलक्ष्य में अखंड मानस एवं भंडारा का आयोजन किया गया। मंदिर में सुबह से ही भक्तों का आना प्रारम्भ हो गया था जो शाम तक चलता रहा। मंदिर के महंत दीनदयाल शरण जू महराज एवं नगर अध्यक्ष सुशील तिवारी ने विधिवत पूजन अर्चण कर हनुमान जयंती मनाई।

विधायक ने लगाया जनता दरवार, सुनीं लोगों की समस्याएं

अशोकनगर, ईएमएस। लेक सिटी स्थित अपने निवास पर रविवार को क्षेत्रीय विधायक हरी बाबू राय ने जनसुनवाई दरबार का आयोजन कर आमजन की समस्याएं सुनीं। इस अवसर पर बड़ी संख्या में नागरिक अपनी विभिन्न समस्याओं को लेकर पहुंचे। विधायक ने प्रत्येक फरियादी की बात गंभीरता से सुनी और कई मामलों में मौके पर ही संबंधित अधिकारियों को फोन कर समाधान के निर्देश दिए। जनता दरबार में पानी, बिजली, सड़क, पेंशन, राशन राशन और अन्य जनसुविधाओं से जुड़े मुद्दे प्रमुख रूप से सामने आए। विधायक राय ने भरोसा दिलाया कि, जनता की पीड़ा को समझना और उसका समाधान करना ही जनप्रतिनिधि का असली कर्तव्य है। हम हर समस्या का प्राथमिकता के आधार पर समाधान करेंगे और क्षेत्र के हर नागरिक की आवाज को शासन-प्रशासन तक पहुंचाएंगे। उन्होंने यह भी कहा कि जनता के सहयोग से ही विकास और जनकल्याण की राह मजबूत होती।

देर रात चली तेज हवा-आंधी, कई इलाकों में सुबह तक गुल रही बिजली

अशोकनगर, ईएमएस।

शनिवार-रविवार की मध्यरात्रि में सीजन की अब तक की सबसे तेज आंधी आई। आंधी रात 12:30 से लेकर करीब 2 बजे तक चली, इसके चलते कई इलाकों में बिजली आपूर्ति बाधित हो गई। कुछ क्षेत्रों में सुबह तक बिजली गुल रही।मौसम विभाग ने इस स्थिति का पूर्वानुमान लगाते हुए 12 और 13 अप्रैल को आंधी और बूंदाबांदी की चेतावनी जारी की थी।

रविवार की सुबह आसमान साफ हो गया। तेज धूप निकलने से गर्मी का असर बढ़ा। बता दें कि, पिछले कुछ दिनों से मौसम में लगातार बदलाव देखा जा रहा है। इसके कारण तापमान में गिरावट आई है। वर्तमान में अधिकतम तापमान 37 डिग्री सेल्सियस के आसपास दर्ज किया गया है। अप्रैल के पहले पखवाड़े में मौसम बार-बार बदल रहा है। इससे पहले कुछ दिनों से आसमान में हल्के बादल छाए हुए थे।

जमीन पर गिरे बिजली के तार से 5 मिनट तक निकलती रही चिंगारी: जिले के शाढ़ौरा में नईसराय रोड पर रात के समय आंधी के कारण बिजली का तार टूट गया। रविवार की सुबह जब बिजली आपूर्ति शुरू हुई, तो जमीन पर पड़े तार से अचानक तेज चिंगारी निकलने लगी। स्पार्किंग से तेज आवाज भी आ रही थी। आवाज सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे। चिंगारियां लगभग 5 मिनट से अधिक समय तक निकलती रहीं।

स्थानीय लोगों ने बताया कि जहां तार गिरा था, वहां तो कूड़ा-करकट और नरवाई वाला खेत नहीं था, अन्यथा बड़ा हादसा हो सकता था। तार टूटने के बाद कई घंटों तक वह जमीन पर पड़ा रहा। इस दौरान आसपास मवेशी घूमते रहे और वाहन भी निकलते रहे। सुबह का समय होने के कारण छोटे-छोटे बच्चे भी अपने घरों के आसपास खेल रहे थे। लोगों ने बिजली विभाग को इस घटना की सूचना दी। विभाग ने ट्रांसफॉर्मर से बिजली आपूर्ति बंद की। उसके बाद विभाग के कर्मचारी मौके पर पहुंचे और टूटे तार को जोड़ा गया। स्पार्किंग की आवाज से डरकर मवेशी भी भाग गए। लोगों ने इस पूरी घटना का वीडियो भी बना लिया।

खालसा पंथ की स्थापना दिवस वर्षगांठ पर समाज विशेष कीर्तन दीवान, गुरुद्वारे में बही गुरबाणी की रसधारा

खरगोन, ईएमएस। गुरुद्वारा साहिब में खालसा साजना दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। श्री गुरुसिंघ सभा के प्रधान हरचरण सिंह भाटिया, सेक्रेटरी कमलजीत सिंह गांधी ने बताया कि खालसा पंथ की स्थापना दिवस की वर्षगांठ पर विशेष कीर्तन दीवान सजाया गया। प्रातः श्री अखण्ड पाठ साहिबजी की समाप्ति हुई। इसके बाद कीर्तन दरबार सजाया गया, जिसमें सभा के हजूरी रागी पवन सिंह एवं दरबार साहीब अमृतसर से विशेष तौर पर पधारे हरमनदीप सिंह ने गुरबाणी का जसगान किया। वाह. वाह गोबिन्द सिंह आपे गुर चेला, तुम हो सब राजन के राजा, गुरु रामदास राखो शरणाई, खालसा अकाल पूरख की फौज प्रागट्यों खालसा परमात्म की मौज श्रावण कर ऐसा प्रतीत हो रहा था जैसे दरबार साहिब अमृतसर में बैठकर गुरबाणी श्रवण कर रहे हो। कीर्तन दरबार के बाद सत्कार समारोह आयोजित किया गया जिसमें अमृतपान करने वाले समाज के 36 महिलाओं एवं पुरुषों का सभा द्वारा पगड़ी भेंट कर सत्कार किया गया। स्त्री सत्संग जत्थे की प्रमुख माता त्रिलोचन कौर चावला द्वारा बीबी मनप्रीत कौर छाबड़ाए बीबी रविंदर कौर, बीबी दलजीत कौर भाटिया को गुरबाणी की शिक्षा देकर गुरुचरणी लगाया गया एवं गुरुद्वारा साहिब के स्टाफ को भी अनवरत सेवाएं निभाने हेतु सत्कार दिया गया उपरांत समूह संगत द्वारा सरबत के भले की अरदास की गई। कीर्तन दीवान की समाप्ति के पश्चात गुरू के अटूट लंगर का आयोजन हुआ जिसमें उपस्थित समाजजनों एवं शहर के गणमान्य नागरिकों ने बड़ी संख्या में उपस्थित होकर एक पंगत एक संगत के रूप में गुरु प्रसादी ग्रहण की।

वन विभाग ने बबूल व सफेदा की लकड़ी से भरा ट्रक पकड़ा

लकड़ी को जयपुर ले जा रहे थे तस्कर, आरोपी गिरफ्तार

अशोकनगर, ईएमएस।

जिले में रेत, शराब का पहले से ही अवैध व्यापार हो रहा था। अब लकड़ी भी सामने आने लगी है। वन विभाग के अमले ने बबूल और सफेदा की लकड़ी भरे हुए ट्रक को पकड़ा है। यह लकड़ी महिदपुर गांव के पास से पकड़ी गई है।

वन परीक्षेत्र अधिकारी आकाश साहू ने जानकारी देते हुए बताया कि विभाग को सूचना प्राप्त हुई थी कि महिदपुर गांव के समीप अवैध लकड़ी से भरा ट्रक खड़ा है। वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देश पर एक टीम गठित की गई, जिसमें उप वन परिक्षेत्र अधिकारी सचिन शर्मा, बीट प्रभारी राघवेंद्र रघुवंशी, वनपाल धर्मेंद्र सिंह, वनरक्षक अंशुल पटेल, राजकुमार शर्मा, अखंड प्रताप सिंह और महेश जाटव शामिल थे। टीम ने शनिवार शाम करीब 7.30 बजे मौके पर पहुंचकर ट्रक की जांच की। ट्रक चालक परमानंद धाकड़, निवासी पोहरी से जब लकड़ी के वैधानिक दस्तावेज मांगे गए, तो वह कोई भी दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर सका। इस पर वन विभाग ने ट्रक क्रमांक आरजे 14 जीएल 5904 को जप्त कर लिया। जांच के दौरान ट्रक में बबूल की लकड़ी तिरपाल बांधकर छिपाई गई थी, जिसे हटाकर देखा गया। पूछताछ में चालक ने बताया कि ट्रक ग्वालियर निवासी अक्षय मोंगिया का है और वह पिछले 13 वर्षों से यह ट्रक चला रहा है। वन विभाग ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

लगातार हो रही तस्करी: सूत्रों ने बताया कि क्षेत्र के जंगलों में लम्बे समय से अवैध लकड़ियों का कटान कर तस्करी का सिलसिला चल रहा है। पूर्व में भी कई ट्रक लड़कियां काटकर अवैध रूप से बाहर भेजी जा चुकी हैं। उक्त ट्रक भी लकड़ियां भरकर जयपुर ले जा रहा था। ये लकड़ियां अधिकतर जयपुर, लालसोट तथा जोधपुर तक तस्कर होती है। जहां पर लगी हुई बड़ी फैक्ट्रियों में फर्नीचर व प्लाई बनाने के काम में ली जाती है।

अवैध रुप से चल रही आरा मशीन: जिले में दर्जनों आरा मशीन अवैध रुप से चल रही हैं। इन आरा मशीनों पर जिला प्रशासन अंकुश नहीं लगा पा रहा है। सूत्रों की माने तो कई अधिकारी तो इन आरा मशीन संचालकों को संरक्षण दिए हैं। वन विभाग के कर्मचारी भी एक-दो गाड़ियां पकड़कर वाहवाही लूट लेते हैं। लेकिन विभागीय स्तर पर इस प्रकार के अवैध कारोबार पर रोक लगाने की दिशा में अबतक कोई ठोस करवाई नहीं की गई, लिहाजा उन लोगों का हौसले बुलंद है।

तिरपाल में छुपा कर करते थे लकड़ी की तस्करी

वन विभाग ने बताया कि लकड़ी की तस्करी करने वाले लोगों द्वारा सटीक तरीके से ट्रक में लकड़ियों को जमा कर उन पर तिरपाल बांध कर ले जाया जाता है। जिससे कि किसी को भनक न लगे लेकिन मुखबिर की सूचना पर वन विभाग ने इन्हें पकड़ लिया।

काटे जा रहे हरे-भरे पेड़

जिले में हरे-भरे पेड़ों को धड़ल्ले से काटा जा रहा है। इन पेड़ों को काटने के बाद उसकी लकड़ी को इन अवैध आरा मशीनों के यहां ले जाया जाता है। वहां इसको काटकर माफिया बेच रहे हैं। वन विभाग भी इस मामले में पूरी तरह सुस्त है। अगर जिले में फल-फूल रही इन अवैध आरा मशीनों पर कार्यवाही की जाए तो हरे-भरे पेड़ों को काटने से बचाया जा सकता है।

अग्रवाल समाज महिला मंडल ने हनुमान चालीसा पाठ कर प्याऊ का किया शुभारंभ

नर्मदापुरम (ईएमएस)।

अखिल भारतीय अग्रवाल महिला महासभा एवं अग्रवाल समाज महिला मंडल की महिलाओं द्वारा मासिक बैठक का आयोजन नेहरू पार्क में किया गया इस अवसर पर समाज की गतिविधियों के बारे में चर्चा हुई हनुमान जन्म महोत्सव के अवसर पर समाज की महिलाओं ने हनुमान चालीसा का पाठ किया एवं प्रसाद वितरण किया ।

भीषण गर्मी में राहगीरों को ठंडे पानी की व्यवस्था के लिए नेहरू पार्क में महिलाओं प्याऊ लगाई गई अग्रवाल समाज महिला मंडल के द्वारा शहर के विभिन्न स्थानों पर प्रत्येक वर्ष गर्मी में ठंडे पानी के व्यवस्था की जाती है । इस अवसर पर प्रदेश प्रभारी भारती अग्रवाल, संभागीय संयोजक अनीता गुप्ता, नगर महामंत्री रीता अग्रवाल, कोषाध्यक्ष कुसुम अग्रवाल, सह कोषाअध्यक्ष मंजू अग्रवाल, कार्यकारिणी सदस्य उषा गुप्ता ,सविता अग्रवाल, संध्या अग्रवाल, आरती अग्रवाल, आदि उपस्थित थे ।

आचार्य विशुद्ध सागर सहित श्री संघ की अगुवानी में उमड़ा जैन समाज

आज से शुरु होगा तीन दिवसीय भव्य शिखर एवं वेदी प्रतिष्ठा महोत्सव

खरगोन, ईएमएस।

शहर के पोस्ट ऑफिस चौराहा स्थित जैन जैत्यालय के जीर्णोद्धार के बाद यहां भव्य शिखर एवं वेदी प्रतिष्ठा महोत्सव का आयोजन किया गया जा रहा है। यह धार्मिक अनुष्ठान चर्या शिरोमणि आचार्य विशुद्ध सागर सहित ससंघ के सानिध्य में होगा। इसके निमित्त रविवार को आचार्य श्री के साथ करीब 25 पिछी का मंगल प्रवेश हुआ।

आचार्यश्री के साथ ससंघ का बैंडबाजों के साथ अगुवानी की गई। शोभायात्रा के रुप में ससंघ राधाकुंज मांगलिक परिसर पहुंची। जहां आचार्यश्री के प्रवचन हुए। समाज के सुनील जैन, अनिल जैन, विनोद जैन, विवेक जैन, आशीष जैन लोनारा, विजय जैन, गुलाबराव मंडलोई, प्रदीप जैन, लोकेंद्र जैन राजेंद्र जैन आदि ने बताया कि आयोजन के दौरान नमोस्तु शासन जयवंत हो... के नारे गूंजायमान होते रहे।

गुरुवर की अगवानी, पाद प्रक्षालन, आरती भक्ति की गई। 14, 15,16 अप्रैल तक वेदी प्रतिष्ठा महोत्सव प्रतिष्ठाचार्य बालबह्मचारी धर्म चंद्र शास्त्री दिल्ली के निर्देशन में संपन्न होगा। इस दौरान प्रतिमाओं की प्राण-प्रतिष्ठा के साथ ही विशाल धर्मध्वजा शिखर पर फहराई जाएगी।

भाजपा आज बूथ स्तर पर मनाएंगी बाबा साहेब की जयंती

खरगोन, ईएमएस।

भारतीय जनता पार्टी 14 अप्रैल को संविधान निर्माता व भारत रत्न बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती बूथ स्तर पर मनाएगी। नगर के पूर्वी व पश्चिमी मंडल द्वारा प्रातः 9 बजे रहीमपुरा में बाबा साहेब की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर नगर के सब्जी मंडी अंबेडकर पार्क में समारोहपूर्वक बाबा साहेब की जाएगी। अध्यक्षता भाजपा जिलाध्यक्ष नंदा ब्राह्मणे करेंगी। मुख्य अतिथि विधायक बालकृष्ण पाटीदार तथा विशेष अतिथि नपाध्यक्ष छाया जोशी रहेंगी।

भाजपा जिला मीडिया प्रभारी प्रकाश भावसार ने बताया जिलाध्यक्ष श्रीमती ब्राह्मणे के निर्देशानुसार 13 से 25 अप्रैल तक डॉण् भीमराव अंबेडकर सम्मान अभियान अंतर्गत जिलेभर में विभिन्न कार्यक्रम होंगे। प्रमुख रूप से दीपोत्सव, माल्यार्पण, विचार गोष्ठी एवं सम्मान समारोह हेतु जिला व विधानसभावार संयोजक, सहसंयोजक नियुक्त किए हैं।

आज किया जाएगा शिव शक्ति दिव्य अनुष्ठान, भव्य यज्ञशाला का किया निर्माण

सीहोर, ईएमएस। शिव प्रदोष सेवा समिति के तत्वाधान में एक माह तक आयोजित होने वाले शिव शक्ति दिव्य अनुष्ठान वैशाख महापर्व की तैयारियां पूर्ण की गई है। यहां पर होने वाले शिव शक्ति दिव्य अनुष्ठान के लिए भव्य यज्ञशाला का निर्माण किया है। इसमें प्रतिदिन बड़ी संख्या में श्रद्धालु प्रतिदिन वेद मंत्रों के साथ आहुतियां देंगे।

गत दिनों शहर के सीवन नदी के तट पर स्थित हनुमान मंदिर पर भगवान शिव परिवार की पूजा अर्चना की गई और इसके पश्चात महायज्ञ की तैयारियों के तहत ध्वज पूजन का कार्यक्रम आयोजित किया गया। यज्ञाचार्य पंडित पवन व्यास, कुणाल व्यास, विधि-विधान से गणेश पूजन किया। इसके बाद मंत्रोच्चारण के साथ ध्वज और भूमि पूजन संपन्न हुआ। इस मौके पर यजमान अमित सोनी, गोपाल बाबा आदि को पंडित कार्तिक ने वेद मंत्रों के साथ यहां पर उपस्थित श्रद्धालुओं के साथ ध्वजारोहण किया गया। रविवार को यहां पर पहुंचे पार्षद राजेश मांझी ने नगर पालिका अध्यक्ष प्रिंस राठौर से गोपाल धाम पर एक हजार लीटर पानी की टंकी के अलावा अन्य समस्याओं के बारे में चर्चा की। इस मौके पर नगर पालिका अध्यक्ष श्री राठौर ने समस्याओं का तत्काल निराकरण भी किया है।

जलधारा से किया जाएगा नियमित रूप से अभिषेक : शिव प्रदोष सेवा समिति की ओर से मनोज दीक्षित मामा ने बताया कि भगवान शिव ने जन कल्याण के लिए समुद्र मंथन से निकला जहर पिया था। उस जहर की गर्मी से उनका शरीर नीला हो गया। उस गर्मी को कम करने के लिए ही शिवलिंग पर जल चढ़ाने की परंपरा है। वैशाख महीने में गर्मी बहुत बढ़ जाती है। इसलिए इस महीने में खासतौर से शिवालयों में जल दान का विधान है। यही वजह है कि शिव मंदिरों में भगवान भोलेनाथ के ऊपर जलधारा के लिए पानी से भरी मटकी में छेद कर कुशा लगाई जाती है जिससे लगातार शिवलिंग पर जल टपकता रहे। स्कंद और शिव पुराण के मुताबिक वैशाख महीने में सूर्योदय से पहले उठकर नहाने के बाद शिवलिंग पर जल चढ़ाने का विधान बताया है।

चर्च मैदान पर निशुल्क ग्रीष्मकालीन फुटबाल प्रशिक्षण शिविर

सीहोर, ईएमएस। शहर के चर्च मैदान पर खेली जा रही ब्लाक स्तरीय फुटबाल प्रतियोगिता के चौथे दिन एक मैच खेला गया। जिसमें सीहोर ग्रीन ने सीहोर चिल्ड्रन को 2-1 से हराया। इस रोमांचक मैच सीहोर चिल्ड्रन ने शानदार खेल का प्रदर्शन किया गया।

इसके अलावा रविवार को प्रशिक्षण शिविर में अनेक खिलाड़ियों को कोच ने खेल की बारीकियों से अवगत किया। इस मौके पर जिला फुटबाल एसोसिएशन के सचिव मनोज कन्नोजिया आदि शामिल थे। रविवार को एक रोमांचक मैच खेला गया था। जिसमें सीहोर ग्रीन ने सीहोर चिल्ड्रन को 2-1 से हराया। इस मैच में सीहोर ग्रीन की ओर से अनंत कुशवाहा और रोहिल ने 1-1 गोल किया।

प्राचार्य से मारपीट करने वाले छात्र गिरफ्तार, हत्या का प्रयास, शासकीय कार्य में बाधा पहुंचाने का प्रकरण दर्ज

खरगोन, ईएमएस।

शहर सीमा से करीब 10 किमी दूर स्थित ग्राम टेमला में संचालित हो रहे सीएम राईज स्कूल में प्राचार्य पर प्राणघातक हमला करने वाले पूर्व एवं छात्र को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। दोनो छात्र नाबालिग होकर इनके खिलाफ हत्या का प्रयास, शासकीय कार्य में बाधा पहुंचाने, झूठी गवाही देने के लिए धमकाने आदि गंभीर धाराओ में प्रकरण दर्ज किया गया है।

उल्लेखनीय है कि प्राचार्य अशोक सिंह पंवार ने 07.08 माह पूर्व छात्रों के खिलाफ मेनगांव थाने में प्रकरण दर्ज कराया था, जो न्यायालय में विचाराधीन है। पुराने प्रकरणों में राजीनामा करने व झूठी गवाही देने के लिए छात्र दो दिन पूर्व याने 11 अप्रैल को स्कूल में घुसकर छात्रों ने प्राचार्य को धमकाने के बाद कहासुनी के बाद प्राणघातक हमला कर दिया था। पुलिस ने शिकायत के आधार पर दोनों 02 विधिविरुद्ध बालकों पर प्रकरण पंजीबध्द कर विवेचना में लिया। इस मामले में 1 आरोपी को गिरफ्तार किया गया है, जिसे किशोर न्यायालय खरगोन पेश किया गया व माननीय न्यायालय के आदेश उपरांत विधि विरूध्द बालक को बाल संप्रेषण ग्रह खंडवा दाखिल किया गया है।

डॉ अंबेडकर की जयंती भाजपा 1187 बूथों पर मनाएगी

प्रतिमा स्थल पर दीपक जलाकर दी श्रद्धांजलि

नर्मदापुरम (ईएमएस)। भारतीय जनता पार्टी जिला नर्मदापुरम डॉ. भीमराव अम्बेडकर की जयंती जिले के सभी 1187 बूथों पर मनाएगी। कार्यक्रम जिला संयोजक मुकेश चंद्र मैना ने बताया कि प्रदेश नेतृत्व के आव्हान एवं जिलाध्यक्ष प्रीति शुक्ला के नेतृत्व में पूरे जिले में दो दिवसीय कार्यक्रम आयोजित किये जा रहे है। 13 अप्रैल को जिले के 24 मंडलों में स्वच्छता अभियान के कार्यक्रम कर अम्बेडकर जी की प्रतिमा पर दीपोत्सव एवं रोशनी कार्यक्रम किया गया।

वहीं 14 अप्रैल को जिले के 1187 बूथों पर डॉ. अम्बेडकर की प्रतिमा एवं चित्र पर माल्यार्पण कर उनके जीवन चरित्र पर वक्ता प्रकाश डालेंगे।रविवार को जिला मुख्यालय पर स्थित डॉ. भीमराव अम्बेडकर की प्रतिमा स्थल पर स्वच्छता अभियान सहित दीपक जलाकर समाज को स्वच्छता एवं सामाजिक समरसता का संदेश दिया।इस अवसर पर जिला महामंत्री प्रसन्ना हर्णे, कार्यक्रम जिला संयोजक मुकेश चंद्र मैना, जिला कार्यालय मंत्री प्रशांत दीक्षित, सोशल मीडिया जिला संयोजक गजेन्द्र चौहान, केशव उर्मिल, अजामो प्रदेश कार्य समिति सदस्य डॉ.सीमा कैथवास, संदीप सोनकर, अजा मोर्चा जिला कार्यालय मंत्री श्रीराम सगर, सेवानिवृत्त डीएसपी अभयराम चौधरी, अनिल अहिरवार ने प्रतिमा स्थल झाड़ू लगाकर परिसर को साफ किया एवं प्रतिमा स्थल पर दीपक जलाकर डॉ.अम्बेडकर को श्रद्धासुमन अर्पित किये।

जल गंगा संवर्धन अभियान अंतर्गत निकाली रैली

मैहर, ईएमएस। प्रदेश जन अभियान परिषद के जिला समन्वयक डॉ. राजेश तिवारी के निर्देशन एवं ब्लॉक समन्वयक जगन सिंह के मार्गदर्शन में सेवावाहिनी समिति के नेतृत्व में पिपरा सेवादल बिरादरी संस्थान मैहर द्वारा संचालित नेहरू सेंचरी सेंट्रल उच्चतर माध्यमिक विद्यालय मैहर के छात्र छात्राओं की सहभागिता से रैली निकाली गई। इस दौरान शपथ दिलाकर जल गंगा संवर्धन अभियान अंतर्गत जल संरक्षण संवर्धन का संदेश दिया। इस अवसर पर अरूण तनय मिश्रा ने परंपरागत जल स्रोतों जैसे तालाब, नदी एवं बावली के संरक्षण एवं वर्षा के जल को सामुदायिक सहभागिता से संग्रह करने का संदेश दिया। सभी छात्राओं ने अपने घर के लोगों को जल संरक्षण के प्रति जागरूकता करने की शपथ ली।

उक्त सड़क को पूर्ण निर्माण कराए जाने की मांग ग्रामीणों ने उठाई हुई है

पीडब्ल्यूडी विभाग द्वारा आश्वासन पर भी रविवार को रायपुर मालाखेड़ी सड़क निर्माण कार्य नहीं किया शुरू

नर्मदापुरम (ईएमएस)। राष्ट्रीय किसान मजदूर महासंघ जिला नर्मदापुरम जिला महामंत्री अजय दुबे एवं रायपुर ग्राम पंचायत सरपंच शशांक मिश्रा,विक्रम खंडेलवाल, बसंत दीक्षित,गोविंद बाजपुरी,अजय वर्मा , उत्तम यादव ,दिनेश गौर के नेतृत्व में शनिवार 12 अप्रैल को फोर लाइन सड़क पर पीडब्ल्यूडी द्वारा बनवाई जा रही ग्राम रायपुर से नर्मदापुरम की सड़क का निर्माण विगत दो वर्षों से रुका होने से परेशान ग्रामीणों ने धरना प्रदर्शन की चेतावनी दी हुई थी। उक्त सड़क को पूर्ण निर्माण कराए जाने की मांग ग्रामीणों ने उठाई हुई है। जिसकी मांग राष्ट्रीय किसान मजदूर महासंघ के जिला महामंत्री श्री दुबे द्वारा विगत दो वर्षों से निरंतर प्रशासन की समक्ष रख रहे हैं परंतु आज दिनांक तक सड़क निर्माण कार्य प्रारंभ नहीं किया गया। जिसके बाद श्री दुबे ने ग्राम इकाई रायपुर राष्ट्रीय किसान मजदूर महासंघ के बैनर तले शनिवार को फोर लाइन के पास धरना प्रदर्शन करने राष्ट्रीय किसान मजदूर महासंघ के पदाधिकारीगण पहुंचे। जिसके बाद तत्काल तहसीलदार एवं पीडब्ल्यूडी

अधिकारियों ने धरना स्थल पहुंचकर समझाईस दी और उक्त सड़क निर्माण कार्य आज से ही प्रारंभ करने की लिखित शर्त पर प्रदर्शन समाप्त हुआ। रविवार को जब मीडिया टीम रायपुर मालाखेड़ी मार्ग पर प्रारंभ किए गए निर्माण कार्य को देखने पहुंची तो वहां पर कोई निर्माण कर प्रारंभ नहीं हुआ। उक्त विषय को लेकर अजय दुबे महामंत्री ने बताया कि 15 जून तक सड़क निर्माण कार्य पूर्ण करने का आश्वासन पीडब्ल्यूडी विभाग द्वारा दिया गया है हम कल जाकर देखेंगे कार्य यदि शुरू नहीं हुआ है तो पुनः अपनी बात रखेंगे। जबकि हमें प्रशासन द्वारा सड़क निर्माण का लिखित आश्वासन दिया गया है।

मुनिश्री आस्तिक्य सागर जी एवं मुनिश्री प्रणिक सागर जी का हुआ मंगल प्रवेश

श्रद्धालुओं ने पद प्रक्षालन, आरती, पूजा अर्चना कर अगवानी कर शोभायात्रा निकाली

सीहोर, ईएमएस। दिगंबर जैन संत परम पूज्य गुरुदेव आस्तिकेय सागर जी महाराज एवम प्रणिक सागर जी महाराज ससंघ का मंगल प्रवेश हुआ भोपाल नाके पर पहुंच कर श्रधदालुओ ने पद प्रक्षालन कर भक्ति भाव से ओतप्रोत हो बैंड बाजो संगीत मय भजन कीर्तन करते हुए अगवानी कर शोभायात्रा नगर के प्रमुख मार्गो से होती हुई कोतवाली चौराहे पहुंची जहां मुनिश्री संस्कार सागर जी महाराज और मुनि श्री ससंघ का आत्मीय मंगल मिलन हुआ। तत्पश्चात शोभायात्रा श्री पार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर स्थित छावनी पहुंची जहां मुनिश्री ससंघ ने भगवान के दर्शन,आराधना कर धर्म सभा में श्रावक श्राविकाओ को संबोधित करते हुए आशीष वचन दिए। संध्या को गुरु भक्ति संगीत मय भजन कीर्तन कर श्रधदालुओ ने धर्म लाभ अर्जित किया।

सन सनी खेज़ निर्मम हत्या, मृतक निकला चर्चित शिक्षण संस्था का कर्मचारी

बुरहानपुर, ईएमएस। जिले में अपराधों का ग्राफ बढ़ता जा रहा है कभी चोरी तो कभी डकैती तो कभी अवैध हथियारों की तस्करी और अब सनसनी खेज़ निर्मम हत्या का मामला सामने आया है थाना शिकारपुरा के अंतर्गत आने वाले इंदौर इच्छापुर हाईवे पर स्थित आईटीआई के निकट का है जहां झाड़ियां में एक युवक की लाश देखकर राहगीर दहल गए पेट कटा हुआ अतडीया बाहर शरीर पर गहरी चोट के निशान देख सूचना शिकारपुर पुलिस को दी गई मौके पर पहुंची पुलिस ने लाश की पहचान राहुल पांडे शाहपुर के रूप में होने के साथ वह शहर की माइक्रो वीजन अकादमी का कर्मचारी होना बसाया गया है यह मामला सीधे तौर पर किसी साजिश के तहत हत्या का मालूम होता है जिसकी जांच में शिकारपुरा पुलिस जुट गई है शव् को पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेजा गया है जिसकी प्रथम दृष्टिया रिपोर्ट पोस्टमार्टम का इंतजार है थाना प्रभारी शिकार पुराने मीडिया को बताया कि इस हत्या के मामले में साजिश सहित घरेलू विवाद वह अन्य पहलुओं को भी ध्यान में रखकर जांच करेंगे कहीं इस साजिश में किसी का हाथ तो नहीं बुरहानपुर पुलिस के लिए यह मामला चैलेंज बनकर सामने आया है जिले में इन दोनों अपराधों का ग्राफ बढ़ा हुआ है अपराधी पुलिस के खौ़फ से मुक्त होकर अपराध कर रहे है।

भोपाल में उत्साह के साथ मनाया पाम संडे

भोपाल,ईएमएस। ईसाई समुदाय ने रविवार को प्रभु यीशु का राजा के रूप में स्वागत स्वरुप पाम संडे मनाया। शहर के सभी गिरजाघर में बड़ी संख्या में समाजजन जुटे। आनंद के इस क्षण में हाथों में खजूर की डालियां लिए समाजजन चर्च पहुंचे। शहर के सभी चर्च में खुशी और उत्साह के साथ प्रभु यीशु को राजा के रूप में स्वागत अभिनंदन करने में शामिल हुए हैं।

शासकीय सेवक की मृत्यु होने पर सरकार ने बढ़ाई अनुग्रह राशि

भोपाल,ईएमएस। राज्य सरकार ने शासकीय सेवक की मृत्यु होने पर अनुग्रह राशि में 75000 की वृद्धि की है। मप्र कर्मचारी मंच के प्रांताध्यक्ष अशोक पांडे ने बताया कि राज्य सरकार पहले शासकीय सेवक की मृत्यु होने पर मात्र 50 हजार रुपए की अनुग्रह उपादान राशि का भुगतान करती थी, लेकिन अब राज्य सरकार ने शासकीय सेवक की मृत्यु होने पर अनुग्रह उपादान राशि 50,000 के स्थान पर 1,25,000 स्वीकृत की है।

एनडीडीबी और एमपीसीडीएफ के मध्य हुआ एमओयू, सीएम डॉ. मोहन बोले...

मेरे खुद के घर की आय भी दुग्ध उत्पादन

भोपाल,ईएमएस।

राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड और मध्यप्रदेश सरकार के बीच रूश पर साइन हुआ। प्रदेश में 5500 से अधिक समितियां बनाई जाएगी। दूध बिक्री को बढ़ाया जाएगा। वहीं सीएम डॉ. मोहन यादव ने कहा कि मेरे खुद के घर की आय भी दुग्ध उत्पादन है। 14 अप्रैल डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती पर कामधेनु पशुपालन योजना लॉन्च कर रह है। पशुपालन के लिए हम अनुदान देंगे। कृषि विकास दर पर हमारी अलग पहचान बनी है। अभी 9 प्रतिशत दुग्ध उत्पादन है, इसे 20 प्रतिशत तक हमें करना है। गाय के दूध के मामले में लोग दूध नहीं खरीदते सिर्फ फैट वाला दूध खरीदते थे, तो गौपालन कैसा बढ़ेगा। सरकार अब डंके की चोट पर गाय का दूध खरीदेगी।

रविवार को राजधानी भोपाल में राज्य स्तरीय सहकारी सम्मलेन का आयोजन किया गया। जिसमें केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह और सीएम डॉ मोहन यादव भी शामिल हुए। जहां सी.पी.पी.पी के तहत मेजेस्टिक ग्रुप मंडीदीप ओर पैक्स घाट पिपरिया के साथ पूसा बासमती धान प्रोक्योरमेंट का रूश साइन हुआ। पैक्स व्यवसाय के लिए स्वीकृत ऋण पत्र दिए गए। किसान क्रेडिट कार्ड का भी वितरण किया गया। जिला सहकारी केंद्रीय बैंक मंडल द्वारा पैक्स मेहड़वानी को कोदो कुटकी प्लांट के लिए 60 लाख का ऋण वितरण किया गया। राष्ट्रीय सरकारी विकास निगम द्वारा पैक्स गोगांव को सुपर मार्केट के लिए 120 लाख रुपये का प्रोजेक्ट ऋण दिया गया है। इस अनुबंध को लेकर एनडीडीबी के चेयरमैन निमेष शाह ने कहा कि दुग्ध महासंघ के कुशल संचालन की जिम्मेदारी एनडीडीबी को दी जा रही है। मध्यप्रदेश दुग्ध उत्पादक महासंघ और एनडीडीबी के बीच एक अनुबंध हो रहा है। दुग्ध सहकारी समितियों के गठन के जरिए क्षेत्र का विस्तार करना, किसानों को इकट्ठा कर उन्हें प्रशिक्षित करना, दुग्ध संग्रहण प्रसंस्करण में विभिन्न तरह के उपाय किए जाएंगे। उपलब्ध इन्फ्रास्ट्रक्चर का अच्छे से इस्तेमाल करेंगे और पूरी चेन को डिजिटाइज करेंगे।

जैविक खेती को देंगे बढ़ावा

उन्होंने बताया कि केंद्र सरकार के श्वेत क्रांति 2.0 के लिए मध्य प्रदेश बहुत महत्वपूर्ण राज्य है, जिसके माध्यम से सहकारिता के क्षेत्र में रोजगार सृजन और महिला सशक्तिकरण किया जाना है। इस योजना के तहत हमने कुछ लक्ष्य तय किए हैं।

एमपी के विकास को मिलेगा नया आयाम

सहकारिता मंत्री विश्वास सारंग ने कहा कि यह अनुबंध दूध के आंदोलन में नई क्रांति लेकर आएगा। पैक्स को एम पैक्स में तब्दील कर एक नया प्रयोग देश मे किया गया है। केंद्र के निर्देशों का हमने शत प्रतिशत पालन किया है। गांव की इकोनॉमी शहर के रोजगार पर हमने काम किया है। वहीं खजुराहो सांसद व बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा ने कहा कि एमपी के विकास को नया आयाम मिलेगा। इस प्रयास की एमपी में बहुत पहले से जरूरत थी। गुजरात में इसके बहुत अच्छे प्रयोग हुए है। एमपी के दुध संघ को ताकत देने का काम किया जा रहा है।

अप्रैल-मई में 35 दिन चल सकती है लू

16 से फिर शुरू होगा गर्मी का प्रकोप

भोपाल,ईएमएस। प्रदेश में पिछले 48 घंटों से मौसम में बदलाव देखा जा रहा है। भोपाल अधिकतम तापमान में तीन डिग्री की गिरावट दर्ज की गई है। रविवार की सुबह से आसमान साफ रहा। सूरज की किरणें सीधी पड़ रही हैं। 15 अप्रैल तक लोगों को गर्मी से राहत मिलने की संभावना है। सीनियर मौसम वैज्ञानिक डॉ. दिव्यं ई सुरेंद्रन ने बताया मौसम में यह बदलाव कई कारणों से हुआ है। एक वेस्टर्न डिस्टरबेंस, दो साइक्लोनिक सर्कुलेशन और दो टफ के सक्रिय होने से यह स्थिति बनी है। आने वाले दिनों में दिन और रात के तापमान में और गिरावट देखने को मिल सकती है। दरअसल, मार्च माह से गर्मी की शुरुआत हो जाती हैं, जिस तरह से दिसंबर-जनवरी में सर्दी और जुलाई- अगस्त में सबसे अधिक बारिश होती है, उसी तरह गर्मी के दो प्रमुख महीने अप्रैल और मई हैं। इन दो महिनों में 30 से 35 दिन तक गर्म हवा चल सकती है। मप्र में 16 अप्रैल से फिर लू यानी, हीट वेव चलेगी। इससे पहले हल्की बारिश और आंधी का दौर चलेगा। मौसम विभाग के मुताबिक, शनिवार को धार, इंदौर समेत एक दर्जन से ज्यादा जिलों में हल्की बारिश हुई। कुछ जिलों में ओले भी गिरे। प्रदेश के 24 जिलों में मौसम बदला रहेगा। ग्वालियर, भिंड, मुरैना, दतिया, श्योपुर, शिवपुरी, सागर, छतरपुर, दमोह, पन्ना, कटनी, जबलपुर, सतना, मैहर, उमरिया, मंडला, डिंडौरी, बालाघाट, अनूपपुर, शहडोल, रीवा, मऊगंज, सीधी और सिंगरौली में गरज-चमक, आंधी और बारिश का दौर रह सकता है।

अफसरों की निष्क्रियता और भ्रष्टाचार पर कैसे लगेगी लगाम

अनियमितता करने वाले अफसरों को दे दी क्लीनचिट

भोपाल,ईएमएस।

वर्ष 2017 में लोकायुक्त पुलिस ने चहेतों को उपकृत करने के लिए नियमों का उल्लंघन कर आर्थिक सहायता बांटने के मामले में पूर्व महापौर समीक्षा गुप्ता, पूर्व नेता प्रतिपक्ष शम्मी शर्मा, अंजली रायजादा, नगर निगम के तत्कालीन आयुक्त वेदप्रकाश शर्मा, एनपीएस राजपूत और पूर्व निगमायुक्त विनोद शर्मा के खिलाफ एफआईआर दर्ज की थी। इन सब पर भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की विभिन्न धाराओं तथा निगम को नुकसान पहुंचाने का षड्यंत्र करने के अपराध में एफआईआर दर्ज की गई थी। लेकिन विडंबना यह है कि सरकार ने जहां आईएएस अधिकारियों को इस मामले में क्लीनचिट दे दी है, वहीं जनप्रतिनिधियों को सजा देते हुए उनके तीन साल तक चुनाव लड़ने पर प्रतिबंध लगा दिया है।

गौरतलब है कि नगर पालिक निगम ग्वालियर की तत्कालीन महापौर रही समीक्षा गुप्ता द्वारा महापौर स्वेच्छानुदान निधि से बांटी गई आर्थिक सहायता राशि में अनियमितता और नियमों के उल्लंघन के मामले में दोषी पाई गई थीं। इस घोटाले में फंसे आईएएस सहित 3 जनप्रतिनिधियों को लेकर सरकार ने लोकायुक्त को अभियोजन की अनुमति देने से इंकार कर दिया है। साथ ही तत्कालीन कमिश्नर रहे 3 आईएएस अफसरों को क्लीनचिट दे दी और नेताओं के चुनाव लड़ने पर 3 साल के लिए रोक लगा दी है। लोकायुक्त संगठन ने अपराध क्रमांक 283/2017 में नगर निगम ग्वालियर के तत्कालीन कमिश्नर रहे आईएएस अधिकारी वेदप्रकाश शर्मा, एनबीएस राजपूत तथा विनोद शर्मा सहित ग्वालियर की महापौर रही समीक्षा गुप्ता, नेता प्रतिपक्ष एवं महापौर रहे शम्मी शर्मा तथा पार्षद डॉ. अंजली रायजादा के विरुद्ध अभियोजन की अनुमति राज्य सरकार से मांगी थी।

इन पर आरोप था कि तत्कालीन महापौर समीक्षा गुप्ता सहित अन्य ने महापौर स्वेच्छानुदान निधि से प्रदान की गई आर्थिक सहायता राशि में आर्थिक अनियमितता, भ्रष्टाचार और नियमों का उल्लंघन किया है।

शिकायतों के निराकरण में विभागों की रूचि नहीं

राज्य शासन की ग्रेडिंग में राजस्व विभाग फिसड्डी

भोपाल,ईएमएस।

प्रदेश सरकार ने शासकीय व्यवस्था को तेज और पारदर्शी बनाने के लिए कई नवाचार और प्रयोग किए हैं, लेकिन उसके बाद भी कई विभागों की स्थिति सुधरने का नाम नहीं ले रही है। आलम यह है कि विभाग से संबंधित आने वाली शिकायतों के निराकरण में भी विभागों की रूचि नहीं है। शिकायतों के निराकरण के संबंध में राज्य सरकार द्वारा कराई गई ग्रडिंग में राजस्व विभाग सबसे फिसड्डी साबित हुआ है। दरअसल, मप्र में राजस्व विभाग सबसे ज्यादा शिकायतों वाले विभाग में शुमार हो गया है। इस विभाग की निराकरण की स्थिति काफी दयनीय है। शिकायतों के निबटारे के लिए जांच व कार्रवाई के बजाय विभागीय अफसर आवेदनों को निरस्त कर देते हैं, इससे शिकायतों की संख्या शून्य या नीचे आ जाती है। यही रिपोर्ट शासन को भेज दी जाती है।

विभागों में लगा शिकायतों का अंबार

जन शिकायतों के निराकरण में विभागों की लापरवाही का आलम यह है कि कई विभागों में शिकायतों का अंबार लगा हुआ है। राज्य शासन की ग्रेडिंग में कई विभागों की स्थिति खराब है। राज्य सरकार ने एक हजार से ऊपर के शिकायतों में 30 विभागों को प्रथम समूह में, जबकि एक हजार से कम के शिकायतों में कुल 22 विभाग शामिल हैं। प्रथम समूह में शिकायतों के मामले में राजस्व की स्थिति काफी दयनीय है।

वन विभाग ने शासन को भेजा प्रस्ताव

मध्यप्रदेश में बनाए जाएंगे कंजर्वेशन रिजर्व

भोपाल,ईएमएस। मप्र में वन्यजीवों और वनस्पतियों की रक्षा के लिए अब कंजर्वेशन रिजर्व बनाए जाएंगे। यह क्षेत्र आमतौर पर स्थानीय समुदायों के सहयोग से प्रबंधित होते हैं और उनका उद्देश्य प्राकृतिक संसाधनों का स्थायी उपयोग सुनिश्चित करना है। मप्र का पहला कंजर्वेशन रिजर्व बैतूल जिले में सतपुड़ा और मेलघाट टाइगर रिजर्व के बीच में स्थापित किया जाएगा। बैतूल के एक ओर होशंगाबाद जिले में सतपुड़ा टाइगर रिजर्व है, दूसरी ओर दक्षिण में महाराष्ट्र के अमरावती जिले में मेलघाट टाइगर रिजर्व है। बैतूल के जंगल दोनों टाइगर रिजर्व के बीच वन्यजीवों के आवागमन के लिए वाइल्ड लाइफ कॉरिडोर का काम करते हैं। इसलिए यह कंजर्वेशन रिजर्व के लिए प्रदेश में सबसे अनुकूल साइट है। महाराष्ट्र बार्डर पर यहां कंजर्वेशन रिजर्व बनने से पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा। जानकारी के अनुसार कंजर्वेशन रिजर्व बनाने का प्रस्ताव वन विभाग ने शासन को भेजा है।

शासन से मंजूरी मिलने के बाद इसकी प्रक्रिया शुरू की जाएगी। फिलहाल प्रदेश के राघौगढ़, बैतूल और बालाघाट के वनक्षेत्र में कंजर्वेशन रिजर्व बनाने की तैयारी है। इससे स्थानीय लोगों को रोजगार भी मिलेंगे। गौरतलब है कि कंजर्वेशन रिजर्व राष्ट्रीय उद्यान और अभयारण्य की तरह होगा। यह आकार में इनसे छोटा होगा। यहां भी चराई, कटाई और शिकार करना पूरी तरह से प्रतिबंधित रहेगा। इसका संचालन समिति द्वारा किया जाएगा।

हाई कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश ने लिया आचार्य समय सागर महाराज से आशीर्वाद

जैन समाज के सेवा कार्यों की सराहना की

जबलपुर, ईएमएस। मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश सुरेश कुमार कैत विद्यासागर भवन पहुंचे, जहां उन्होंने आचार्य समय सागर महाराज के दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त किया। इस अवसर पर मुख्य न्यायाधीश ने आचार्य समय सागर महाराज के सान्निध्य में एक घंटे से अधिक समय तक विविध विषयों पर संवाद किया। चर्चा के दौरान उन्होंने कहा कि न्याय प्रक्रिया में मानवीय पक्ष को सदैव महत्व दिया जाना चाहिए। साथ ही, उन्होंने महिला शिक्षा की आवश्यकता पर बल देते हुए कहा कि इससे समाज की दिशा और दशा दोनों बदलती है।

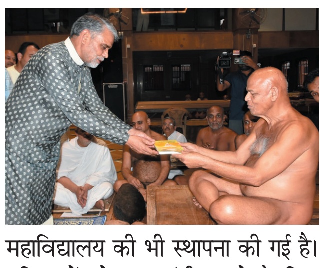

मुख्य न्यायाधीश को जानकारी दी गई कि जैन समाज महिला शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए जबलपुर सहित विभिन्न शहरों में प्रतिभास्थली बालिका विद्यापीठ संचालित कर रहा है। साथ ही पूर्णायु में छात्राओं के लिए एक आयुर्वेद महाविद्यालय की भी स्थापना की गई है। महिलाओं को स्वावलंबी बनाने के लिए आचार्य विद्यासागर महाराज के आशीर्वाद और समय सागर महाराज के निर्देशन में चलचरखा एवं हथकरघा प्रकल्प चलाए जा रहे हैं। इन प्रकल्पों ने डिंडोरी सहित ग्रामीण क्षेत्रों में आदिवासी समाज के पलायन को रोकने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है और महिलाओं को स्थानीय स्तर पर रोजगार भी उपलब्ध कराया है।

चर्चा के दौरान यह भी बताया गया कि विद्यासागर भवन परिसर में महिलाओं के लिए एकभव्य छात्रावास का निर्माण कार्य पूरा हो चुका है, जिसका शुभारंभ शीघ्र किया जाएगा। मुख्य न्यायाधीश ने चर्चा के दौरान बताया कि जेल अब सुधार ग्रह के रूप में बनने चाहिए ताकि जब सजा के बाद बंदी बाहर निकले तो अच्छा नागरिक बने, चलचरखा प्रकल्प की बहनों ने बताया की मध्य प्रदेश के कई जेल और तिहाड़ जेल में चल चरखा का प्रकल्प चल रहा है, उससे होने वाली समस्त आय उन बंदी भाइयों के खाते या परिवार में भेजी जाती है जिससे वह स्वावलंबी बन सके और सजा के बाद जब बाहर आए तो उनके हाथ में अपना रोजगार चलाने के लिए धनसंग्रह भी रहे , इस प्रकल्प की सराहना मुख्य न्यायाधीश ने की। सेवा प्रकल्पों के बारे में ब्रह्मचारी विनय जैन बंडा भैया ने विस्तार से जानकारी दी। पर्यावरण संरक्षण, जीव रक्षा, महिला शिक्षा, हिंदी प्रचार-प्रसार और स्वावलंबन के क्षेत्र में जैन समाज द्वारा किए जा रहे कार्यों को जानकर मुख्य न्यायाधीश ने प्रसन्नता जताई और समाज की सक्रियता की सराहना की।

एक्शन में मध्यप्रदेश वक्फ बोर्ड

संपत्तियों पर कब्जा करने वाले दो हजार लोग चिन्हित

▸ भू-माफिया ने बनाई कई कॉलोनियां

भोपाल,ईएमएस। वक्फ संशोधन कानून के बाद मध्य प्रदेश वक्फ बोर्ड एक्शन में है। वक्फ बोर्ड ने उन 2,000 लोगों की पहचान कर ली है, जिन्होंने वक्फ की संपत्तियों पर कब्जा कर रखा है। प्रदेश में वक्फ की 15,000 से अधिक संपत्तियां हैं, जिनमें से कई पर भू-माफियाओं ने कॉलोनियों का निर्माण करवाया है।

नए संशोधन कानून के तहत वक्फ संपत्तियों को कब्जाधारियों से मुक्त करना अब अधिक आसान हो गया है। इससे वक्फ बोर्ड को अपने अधिकारों की रक्षा करने और संपत्तियों को फिर प्राप्त करने में मदद मिलेगी। हाल ही में लागू किए गए वक्फ संशोधन कानून ने वक्फ बोर्ड को संपत्तियों की सुरक्षा और प्रबंधन में अधिक अधिकार और सुविधाएं प्रदान की है।

बता दें कि अगल-अगल जिलों में 2000 लोगों ने वक्फ की संपत्ति पर कब्जा कर रखा है। नए कानून के तहत वक्फ बोर्ड को अधिक शक्तियां मिली हैं, जिससे वे सीधे तौर पर भू-माफियाओं के खिलाफ गिरफ्तारी और कानूनी कार्रवाई कर सकते हैं। कब्जाधारियों से संपत्ति मुक्त कराने के बाद वक्फ बोर्ड का उद्देश्य उन परिसरों का पुनर्विकास करना है, ताकि उनका सही उपयोग किया जा सके।

अपील आयुक्त ने इमारती लकड़ी को माना कृषि उपज

वन विकास निगम को मिली बाइस करोड़ के जीएसटी शुल्क से राहत

भोपाल,ईएमएस। वन विकास निगम को एक बड़ी राहत मिली है। निगम को अब जीएसटी शुल्क के 22 करोड़ रुपए नहीं चुकाने होंगे। केंद्रीय वस्तु एवं सेवा कर तथा केंद्रीय उत्पाद शुल्क के अपील आयुक्त भोपाल ने एक महत्वपूर्ण निर्णय में माना है कि इस तरह का वन उपज जीएसटी कानून के तहत कृषि उपज की श्रेणी में आती है। अपील आयुक्त ने कहा कि वन विभाग निगम अब जीएसटी से मुक्त है। चूंकि यह मामला इमारती लकड़ी की बिक्री से जुड़ा है, इसलिए यह कृषि उपज है। निगम के एमडी बीएन अंबाडे ने केंद्रीय वस्तु एवं सेवा कर तथा केंद्रीय उत्पाद शुल्क के अपील आयुक्त के समक्ष एक याचिका दायर कर जुलाई 2017 से मार्च 2018 की अवधि के लिए 22 करोड़ से अधिक के कर, ब्याज और शास्ति की मांग को निरस्त किए जाने का आग्रह किया था। निगम ने अपने तर्क में कहा कि मध्यप्रदेश राज्य वन विकास निगम द्वारा विभिन्न सार्वजनिक उपक्रमों (पी एस यू एस) को डिपॉजिट वर्क श्रेणी के अंतर्गत वृक्षारोपण जैसे कार्यों के लिए प्रदान की जाने वाली सेवाएं जीएसटी से मुत हैं। यह सेवाएं ऐसी इमारती लकड़ी और अन्य वन उपज से संबंधित हैं।

ग्यारह साल में नहीं हुई अधीनस्थ लेखा सेवा परीक्षा

सरकारी विभागों में लेखाधिकारियों का टोटा

भोपाल,ईएमएस।

मप्र में प्रशासनिक व्यवस्था में रीढ़ की हड्डी समझे जाने वाले लेखाधिकारियों का टोटा है। आलम यह है कि लेखाधिकारियों की कमी का असर विभागों पर भी पड़ रहा है। लेकिन विडंबना यह है कि सरकार ने 11 साल में अधीनस्थ लेखा सेवा परीक्षा का आयोजन ही नहीं किया है। इससे सरकारी विभागों का काम प्रभावित हो रहा है। गौरतलब है कि लिपिक बल से सरकार का दस्तावेजी प्रशासनिक ढांचा मजबूत होता है। लेकिन विडंबना यह है कि ग्यारह साल हो गये हैं, इस पोस्ट को भरने के लिए विभाग ने अधीनस्थ लेखा सेवा परीक्षा नहीं कराई है। एक प्रकार से यह पद अघोषित रूप से समाप्त कर दिया गया है। इससे विभागों में लेखाधिकारियों की कमी बनी हुई है। उल्लेखनीय है कि शासन के नियम अंतर्गत विभागों में जितने भी फाइनेंशियल मामले होते हैं उनकी निगरानी करने का काम लेखाधिकारी का होता है। जितनी भी लेन और देनदारियां होती हैं उनसे संबंधित देयकों पर लेखाधिकारी की टीप लगने के बाद ही इसको हरी झंडी मिलती है। बाबुओं द्वारा जो बिल तैयार किए गए, उनका परीक्षण, यदि इसमें कोई खामी है तो उसको ठीक कर अग्रेषित करने का काम लेखाधिकारी का होता है।

हर तीन साल में होनी थी परीक्षा

अधीनस्थ लेखा सेवा परीक्षा परीक्षा हर तीन साल में वित्त विभाग के अधीन कोष एवं लेखा विभाग आयोजित करता रहा है। इस परीक्षा में एकाउंट ट्रेनिंग पास एवं कम्प्युटर में दक्षता हासिल करने वाले लिपिक ही बैठने के लिए पात्र रहते हैं। बाबुओं की तीनों श्रेणियों में दक्ष लोग परीक्षा पास कर लेखाधिकारी बनते रहे हैं। वर्ष 2013 से कोई परीक्षा नहीं हुई जिससे हर विभाग में पद रिक्त पड़े हुए हैं। इससे विभागीय काम की गतिविधियां प्रभावित हो रही हैं। जल संसाधन, लोक निर्माण, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी, ग्रामीण यांत्रिकी, पंचायत एवं ग्रामीण विकास, लोक स्वास्थ्य कल्याण जैसे विभाग ट्रेजरी को पत्र भी लिख चुके हैं।

हर जिले में यह पद रिक्त

विभागों में लेखापाल की परीक्षा नहीं होने के कारण वरिष्ठ पदों की संरचना रिक्त पड़ी है। यही लेखाधिकारी वरिष्ठता के आधार पर सहायक कोषालय अधिकारी बनते रहे हैं। इन्हीं को प्रमोशन देकर कोषालय अधिकारी बनाया जाता रहा है। चूंकि अनेक विभागों की अपनी-अपनी पद संरचनाएं होती हैं, इसलिए इनमें से कनिष्ठ और वरिष्ठ लेखापरीक्षक के पद पर पहुंचाया जाता रहा है। हर जिले में यह पद रित्त हैं। प्रभार पर संपूर्ण प्रदेश में इन पदों से व्यवस्थाओं को संभाला जा रहा है।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक सनत कुमार जैन के लिए सुपर प्रिन्टर्स, आर-11, जोन-1, एम.पी.नगर, भोपाल (म.प्र.) से मुद्रित कर हॉल नं. 07, चित्तौड़ कॉम्पलेक्स, जोन-1, एमपी नगर, भोपाल (म.प्र.) से प्रकाशित। संपादक : बलदेवराज गुप्त, एसोसियेट एडीटर : विनीत खरे, स्थानीय संपादक : सौरभ जैन*
फोन-0755-2572334, दिल्ली कार्यालयः ''ईएमएस हाउस'' यू-39-ए, शकरपुर, दिल्ली-110092. फोन नं.011-22022531 फैक्स नं. 011-22022535. ई-मेलः expressnews.advt@gmail.com (रजि न. RNI 62831/95, डाक पंजीयन सं. म.प्र./भोपाल/402/2024-26) समाचार चयन के लिए *पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेदार।

धवन के घर पहुंची सोफी

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व सलामी बल्लेबाज शिखर धवन पिछले कुछ समय से एक विदेशी युवती के साथ नजर आते रहे हैं जिससे उनके अफेयर की चर्चाओं को भी बल मिला है। इसके बाद सामने आया कि ये युवती आयरलैंड की सोफी शाइन है। अब धवन का एक वीडियो सोशल मीडिया पर आया है।

काव्या ने अभिषेक की मां को गले लगाया

हैदराबाद (ईएमएस)। सनराइजर्स हैदराबाद की मालकिन काव्या मारन युवा बल्लेबाज अभिषेक शर्मा की पंजाब किंग्स के खिलाफ खेली पारी से बेहद उत्साहित हैं। अभिषेक ने 141 रनों की आक्रामक पारी खेलकर सनराइजर्स को पंजाब किंग्स के खिलाफ बड़ी जीत दिलायी है। इस मैच में सनराइजर्स को जीत के लिए 246 रनों का बड़ लक्ष्य मिला था जो उसने आसानी से हासिल कर लिया।

आईपीएल में आज होगा लखनऊ सुपरजायंट्स और सीएसके में मुकाबला

लखनऊ (ईएमएस)।

आईपीएल में सोमवार को यहां लखनऊ सुपरजायंट्स की टीम अपने घरेलू मैदान पर चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) से मुकाबला करेगी। इस मैच में सुपरजायंट्स का लक्ष्य अपने घरेलू मैदान में जीत हासिल कर अंक तालिका में ऊपर आने के साथ ही जीत की लय बनाये रखना रहेगा। वहीं दूसरी ओर इस सत्र में लगातार खराब प्रदर्शन के कारण अंक तालिका में अंतिम स्थान पर चल रही सीएसके की टीम को कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी जीत दिला पाते हैं या नहीं ये देखना होगा।

सीएसके की टीम पिछले पांच मैच लगातार हारी है। यहां तक कि अपने घरेलू मैदान में भी उसे तीन मैच में हार मिली है। टीम के नियमित कप्तान रुतुराज गायकवाड़ चोटिल होने के कारण टूर्नामेंट से ही बाहर हो गये हैं। ऐसे में धोनी को एक बार फिर कप्तानी की जिम्मेदारी मिली है। कप्तान के तौर पर धोनी की राह आसान नहीं है। टीम के अधिकतर खिलाड़ी फार्म में नहीं हैं और उनका मनोबल भी गिर है।

वहीं मेजबान टीम लखनऊ सुपर जायंट्स लगातार चौथी जीत का प्रयास करेगी। उसने पिछले मैच में अच्छी जीत दर्ज की थी जिससे खिलाड़ियों का मनोबल बढ़ा हुआ है। उसके गेंदबाज आवेश खान, रवि बिश्नोई और शार्दुल ठाकुर ने अच्छी गेंदबाजी की है। पिछले मैच में मिचेल मार्श के नहीं होने पर कप्तान ऋषभ पंत एडेन मारक्रम के साथ पारी की शुरुआत के लिए उतरे थे। अब देखना होगा कि वह इस मैच में भी मार्श की वापसी के बाद शीर्ष क्रम में ही उतरते हैं या अपने तय नंबर पर उतरेंगे।

पिच की बात करें तो यहां के स्टेडियम की पिच धीमी होने के कारण बल्लेबाजी के लिए बेहतर रही है। ऐसे में निकोलस पूरन जैसे आक्रामक बल्लेबाजों पर अंकुश लगाना सीएसके के गेंदबाजों के लिए आसान नहीं होगा। यहां की पिच बल्लेबाजी और गेंदबाजी दोनों के लिए ही अच्छी मानी जाती है। दूसरी ओर सीएसके की बल्लेबाजी रचिन रविंद्र, शिवम दुबे , डेवोन कॉनवे जैसे खिलाड़ियों पर अधारित रहेगी। धोनी अभी तक निचले क्रम पर ही उतरे है और आगे भी उनके इसी प्रकार उतरने की संभावना है। कुल मिलाकर देखा जाये तो इस मैच में लखनऊ का पलड़ा भारी नजर आता है क्योंकि सीएसके की ओर से इस सत्र में सबसे अधिक रन बनाने वाले रुतुराज गायकवाड़ कोहनी में फ्रैक्चर के कारण पूरे टूर्नामेंट से ही बाहर हो गये हैं1

लखनऊ सुपर जाइंट्स टीम : ऋषभ पंत (कप्तान और विकेटकीपर), डेविड मिलर, एडेन मारक्रम, आर्यन जुयाल (विकेटकीपर), हिम्मत सिंह, मैथ्यू ब्रीट्जके, निकोलस पूरन (विकेटकीपर), मिचेल मार्श, अब्दुल समद, शाहबाज अहमद, युवराज चौधरी, राजवर्धन हंगरगेकर, अर्शिन कुलकर्णी, आयुष बडोनी, शार्दुल ठाकुर, आवेश खान, आकाश दीप, मणिमारन सिद्धार्थ, दिग्वेश राठी, आकाश सिंह, शमर जोसेफ, प्रिंस यादव, मयंक यादव, रवि बिश्नोई।

चेन्नई सुपर किंग्स : महेंद्र सिंह धोनी (कप्तान), रविंद्र जडेजा, शिवम दूबे, मथीशा पथिराना, नूर अहमद, रविचंद्रन अश्विन, डेवोन कॉनवे, सैयद खलील अहमद, रचिन रविंद्र, राहुल त्रिपाठी, विजय शंकर, सैम करन, शेख राशिद, अंशुल कंबोज, मुकेश चौधरी, दीपक हुड्डा, गुरजनप्रीत सिंह, नाथन एलिस, जेमी ओवरटन, कमलेश नागरकोटी, रामकृष्णन घोष, श्रेयस गोपाल, वंश बेदी, आंद्रे सिद्धार्थ।

पिछले पांच मैचों से एक पर्ची लेकर घूम रहा था अभिषेक

हैदराबाद (ईएमएस)। सनराइजर्स हैदराबाद के सलामी बल्लेबाज ट्रेविस हेड ने कहा है कि उनका जोड़ीदारी अभिषेक शर्मा पिछले पांच मैचों से एक पर्ची लेकर घूम रहा था। वहीं अभिषेक ने शतक लगाने के बाद जेब से ये पर्ची निकालकर दर्शकों को दिखाई जिसपर उन्होंने टीम के लिए विशेष संदेश लिखा था। इसे प्रशंसकों ने काफी पसंद किया है। इसी को लेकर हेड ने कहा कि अभिषेक पहले ही इसके लिए तैयार थे। अब छठे मैच में उनका शतक बना है। वह शुरुआत से ही अपनी जेब में ही यह पर्ची रखकर घूम रहे थे। मालूम हो कि सनराइजर्स हैदराबाद के प्रशंसक ऑरेंज आर्मी से जाने जाते हैं। पिछले कुछ सीजन से इस फ्रेंचाइजी ने अपने शानदार खेल से लाखों प्रशंसकों का ध्यान अपनी ओर खींचा है। यही वजह है जब भी हैदराबाद की टीम अपने घरेलू मैदान पर उतरती है तो वहां ऑरेंज आर्मी का सैलाब देखने को मिलता है। यहां तक पंजाब किंग्स की मालकिन प्रिटी जिंटा ने भी इस पारी की प्रशंसा करते हुए कहा कि ये विशेष पारी थी। अभिषेक और हेड इस मैच से पहले बड़ी साझेदारियां नहीं बना पाये थे। इन दोनो की सबसे तेज 100 रन की साझेदारी। साल 2024 में लखनऊ सुपरजायंट्स के खिलाफ 30 गेंदों में आई थी। वहीं दूसरी सबसे तेज 100 रन की साझेदारी साल 2024 में ही 34 गेंदों में आई थी।

सनराइजर्स अंक तालिका में आठवें स्थान पर पहुंची

मुम्बई (ईएमएस)।

आईपीएल चैम्पियंस ट्रॉफी में सनराइजर्स हैदराबाद की पंजाब किंग्स के खिलाफ मुकाबलले में जीत के बाद अंकतालिका में भी बदलाव आया है। इस मैच में जीत से सनराइजर्स की टीम अंकतालिका में 10वें से 8वें स्थान पर पहुंच गई है। वहीं मुंबई इंडियंस और चेन्नई सुपर किंग्स अंतिम पायदानों पर हैं। वहीं पंजाब किंग्स 6ठे स्थान पर है। सनराइजर्स ने इस सीजन में अब तक 6 मैच खेले हैं। इसमें से उसे पहले मैच में उन्हें राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ शानदार जीत मिली थी, मगर इसके बाद टीम को लगातार चार मैच हारने से नुकसान हुआ है। आईपीएल 2025 अंक तालिका में शीर्ष चार टीमों में दिल्ली कैपिटल्स नंबर एक पर है। उसे सभी चार मैचों में जीत मिली है। वहीं दूसरे नंबर पर गुजरात टाइटंस है। इसके बाद लखनऊ सुपर जाएंट्स और गत विजेता कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) है।

अभिषेक ऑरेंज कैप की रेस में शीर्ष 15 खिलाड़ियों में पहुंचे

मुम्बई (ईएमएस)।

सनराइजर्स हैदराबाद के युवा सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा पंजाब किंग्स के खिलाफ खेली अपनी तूफानी पारी की बदौलत सबसे अधिक रनों के लिए मिलने वाली ऑरेंज कैप की रेस में शीर्ष 15 खिलाड़ियों में शामिल हो गये हैं। अभिषेक ने पंजाब किंग्स के खिलाफ 141 रनों की पारी खेली। इस मैच में पंजाब किंग्स ने पहले बल्लेबाजी करते हुए सनराइजर्स को 246 रनों का लक्ष्य दिया था जिससे उसने 18.3 ओवर में ही हासिल कर लिया।

आईपीएल 2025 में गेंदबाजों ने दिखाया दमदार प्रदर्शन

नई दिल्ली (ईएमएस)। आईपीएल 2025 के सीजन में गेंदबाजों का शानदार प्रदर्शन देखने को मिला है, खासकर मेडन ओवर्स के मामले में। अब तक खेले गए मैचों में कुल चार मेडन ओवर्स देखने को मिले हैं और यह दिलचस्प है कि इन सभी ओवर्स में गेंदबाजों ने विकेट भी चटकाए हैं। जोफ्रा आर्चर, वैभव अरोड़ा, मुकेश कुमार और मोईन अली जैसे गेंदबाजों ने यह कमाल किया और उनकी टीमों ने इन मैचों को जीत भी हासिल की।

अभिषेक की पारी देखकर हैरान हुए युवराज

हैदराबाद (ईएमएस)। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व ऑलराउंडर युवराज सिंह ने सनराइजर्स हैदराबाद की ओर से आतिशी पारी खेलने वाले युवा सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा की जमकर प्रशंसा की है। अभिषेष ने इस सत्र में शुरुआती मैच में असफल होने के बाद 141 रनों की शतकीय पारी के साथ जबरदस्त वापसी कर अपनी टीम को जीत दिलाया है। युवराज अभिषेक के मेंटोर रहे हैं, ऐसे में अपने शिष्य की इस पारी को देखकर वह खुश होने के साथ ही हैरान भी हैं।

फटाफट खबरें

भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड के शेयरों में तेजी रही

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड (बीईएल) के शेयरों में अच्छी तेजी देखने को मिली। शेयर में 1.84 फीसदी की बढ़त आई और यह 285.30 रुपये पर कारोबार करता दिखा। यह तेजी उन निवेशकों के लिए राहत लेकर आई है जो लंबे समय से इस स्टॉक में निवेश किए हुए हैं। टाटा स्टल शेयर बाय रेटिंग के साथ टाटा स्टील में तेजी की उम्मीद है। ?विशेषज्ञ बोले, 180 रुपये तक बढ़ेगा स्टॉक दिन की शुरुआत में बीईएल का शेयर 283 रुपये पर खुला और कुछ ही समय में यह 287 रुपये के हाई लेवल तक पहुंच गया। वहीं इसका न्यूनतम स्तर 282.65 रुपये रहा। यह दर्शाता है कि शेयर में दिनभर हल्का-फुल्का उतार-चढ़ाव रहा, लेकिन सकारात्मक रुझान के साथ बंद हुआ।

टाटा कर्व और कर्व-ईवी के डार्क एडिशन लॉन्च

नई दिल्ली (ईएमण्य)। टाटा मोटर्स ने भारतीय बाजार में अपनी लोक?प्रिय कूपे एसयूवी टाटा कर्व और कर्व ईवी के डार्क एडिशन लॉन्च कर दिए हैं। दोनों कार को ऑल-ब्लैक थीम के साथ पेश किया गया है। ये लेवल-2 एडवांस ड्राइविंग असिस्ट सिस्टम जैसे सेफ्टी फीचर के साथ आती है। कर्व डार्क एडिशन हायर वैरिएंट अक्म्पलिश्ड एस और अक्म्पलिश्ड प्लस , जिसकी कीमत स्टैंडर्ड वैरिएंट से 32,000 रुपए ज्यादा है। वहीं, कर्व ईवी डार्क एडिशन सिर्फ टॉप स्पेक इम्पावर्ड+ ए वैरिएंट पर बेस्ड है, जिसकी कीमत रेगुलर मॉडल से 25,000 रुपए ज्यादा है। कर्व ईवीर डार्क एडिशन की एक्स-शोरूम कीमत 22.24 लाख रुपए रखी गई है। वहीं, कर्व आईसीई वर्जन की कीमत 16.49 लाख रुपए से शुरू होती है, जो 19.52 लाख रुपए तक जाती है।

एफपीआई ने अप्रैल में अब तक भारतीय शेयर बाजारों से निकाले 31,575 करोड़ रूपए

21 मार्च से 28 मार्च तक शेयरों में 30,927 करोड़ रुपये डाले थे

नई दिल्ली (ईएमएस)।

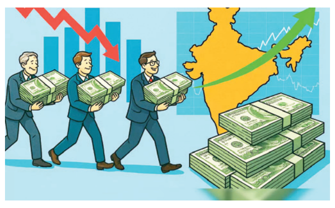

विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने अप्रैल में अब तक भारतीय शेयर बाजारों से 31,575 करोड़ रुपये निकाले हैं। इससे पहले 21 मार्च से 28 मार्च तक छह कारोबारी सत्रों में एफपीआई ने शेयरों में 30,927 करोड़ रुपये डाले थे। डिपॉजिटरी के आंकड़ों के अनुसार इस निवेश से मार्च में एफपीआई की कुल निकासी घटकर 3,973 करोड़ रुपये रही है। पिछले महीनों की तुलना में यह स्थिति में उल्लेखनीय सुधार है। फरवरी में विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों ने शेयरों से 34,574 करोड़ रुपये निकाले थे, जबकि जनवरी में यह निकासी और भी अधिक यानी 78,027 करोड़ रुपये थी। आंकड़ों के अनुसार, एक अप्रैल से 11 अप्रैल के बीच एफपीआई ने भारतीय शेयरों से 31,575 करोड़ रुपये निकाले हैं। इसके साथ ही, 2025 में अब तक एफपीआई की कुल निकासी 1.48 लाख करोड़ रुपये पर पहुंच गई है। बाजार के जानकारों ने कहा ?कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के जवाबी शुल्क के बाद वैश्विक शेयर बाजारों में उथल-पुथल भारत में एफपीआई निवेश को भी प्रभावित कर रही है। उनका मानना है कि मौजूदा उथल-पुथल थमने के बाद ही एफपीआई की रणनीति अधिक स्पष्ट हो पाएगी। उन्होंने कहा कि मध्यम अवधि में एफपीआई भारत में खरीदार बन सकते हैं। प्रतिकूल वैश्विक परिदृश्य में भी भारत वित्त वर्ष 2025-26 में छह प्रतिशत की वृद्धि दर्ज कर सकता है। समीक्षाधीन अवधि में शेयरों के अलावा एफपीआई ने ऋण या बॉन्ड से सामान्य सीमा के तहत 4,077 करोड़ रुपये और स्वैच्छिक प्रतिधारण मार्ग से 6,633 करोड़ रुपये निकाले हैं।

सबसे अधिक लाभ में हिंदुस्तान यूनिलीवर रही

प्रमुख पांच कंपनियों का बाजार पूंजीकरण 84,559 करोड़ बढ़ा

मुंबई (ईएमएस)।

पिछले सप्ताह सेंसेक्स की प्रमुख 10 में से पांच कंपनियों के बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) में सामूहिक रूप से 84,559.01 करोड़ रुपये हो गया। सबसे अधिक लाभ में हिंदुस्तान यूनिलीवर रही। समीक्षाधीन सप्ताह में जहां रिलायंस इंडस्ट्रीज, भारती एयरटेल, हिंदुस्तान यूनिलीवर, बजाज फाइनेंस और आईटीसी का बाजार पूंजीकरण बढ़ गया, वहीं एचडीएफसी बैंक, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस), आईसीआईसीआई बैंक, भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) और इन्फोसिस के मूल्यांकन में गिरावट आई। सप्ताह के दौरान हिंदुस्तान यूनिलीवर का बाजार मूल्यांकन 28,700.26 करोड़ रुपये बढ़कर 5,56,054.27 करोड़ रुपये हो गया। रिलायंस इंडस्ट्रीज ने सप्ताह के दौरान 19,757.27 करोड़ रुपये जोड़े, जिससे इसका बाजार पूंजीकरण 16,50,002.23 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। अआईटीसी की बाजार हैसियत 15,329.79 करोड़ रुपये बढ़कर 5,27,845.57 करोड़ रुपये पर और बजाज फाइनेंस की 12,760.23 करोड़ रुपये बढ़कर 5,53,348.28 करोड़ रुपये हो गई। भारती एयरटेल का मूल्यांकन 8,011.46 करोड़ रुपये बढ़कर 10,02,030.97 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। इस रुख के ?विपरीत टीसीएस का मूल्यांकन 24,295.46 करोड़ रुपये घटकर 11,69,474.43 करोड़ रुपये रह गया। इन्फोसिस का बाजार पूंजीकरण 17,319.11 करोड़ रुपये घटकर 5,85,859.34 करोड़ रुपये पर आ गया। भारतीय स्टेट बैंक का बाजार मूल्यांकन 12,271.36 करोड़ रुपये घटकर 6,72,960.97 करोड़ रुपये पर और आईसीआईसीआई बैंक का 8,913.09 करोड़ रुपये के नुकसान के साथ 9,34,351.86 करोड़ रुपये रह गया।

अमेरिकी-चीन शुल्क युद्ध और कंपनियों के तिमाही नतीजें तय करेंगे बाजार की चाल

बाजार अमेरिका-चीन शुल्क मोर्चे पर आगे के घटनाक्रमों से प्रभावित

नई दिल्ली (ईएमएस)।

घरेलू शेयर बाजारों की चाल पिछले कम कारोबारी सत्र वाले सप्ताह में अमेरिकी-चीन शुल्क युद्ध से जुड़े घटनाक्रमों तथा सूचना प्रौद्योगिकी कंपनियों विप्रो और इन्फोसिस के तिमाही नतीजों से तय होगी। इस प्रकार की राय विश्लेषकों ने जताई है। उन्होंने कहा कि वैश्विक रुख और विदेशी निवेशकों की गतिविधियां भी इस सप्ताह बाजार की चाल तय करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी। डॉ. बाबा साहेब आंबेडकर जयंती के कारण सोमवार को और 'गुड फ्राइडे' के मौके पर शुक्रवार को शेयर बाजार बंद रहेंगे। बाजार के जानकारों ने कहा कि यह सप्ताह वैश्विक और भारतीय बाजारों के लिए उतार-चढ़ाव भरा रहने वाला है, क्योंकि चीन और अमेरिका के बीच व्यापार युद्ध तेज हो गया है और दोनों देश एक-दूसरे पर शुल्क-पर-शुल्क लगा रहे हैं। इससे बाजारों में उथल-पुथल मची हुई है। घरेलू स्तर पर, थोक मूल्य सूचकांक और उपभोक्ता मूल्य सूचकांक आधारित मुद्रास्फीति के आंकड़े इस सप्ताह जारी होंगे। वैश्विक मोर्चे पर अमेरिका, ब्रिटेन और चीन के प्रमुख वृहद आर्थिक आंकड़े जारी होने वाले हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अप्रैल के पहले सप्ताह में एक बड़ी शुल्क योजना का अनावरण किया था। व्हाइट हाउस ने बाद में चीन को छोड़कर ज्यादातर देशों के लिए 'जवाबी शुल्क' को 90 दिन के लिए रोक दिया है। वहीं चीन ने अमेरिका पर 125 प्रतिशत का जवाबी शुल्क लगाने की घोषणा की है।

रिजर्व बैंक खरीदेगा 40 हजार करोड़ रूपए के सरकारी बॉन्ड

2028 और 2039 के बीच मैच्योर होने वाले बांड शामिल

नई दिल्ली (ईएमएस)।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने कहा है कि वह 17 अप्रैल को 40,000 करोड़ रुपए के सरकारी बॉन्ड ओपन मार्केट ऑपरेशन के जरिए खरीदेगा। इसका मुख्य उद्देश्य है ?वित्तीय अर्थव्यवस्था में बढ़ती हुई लिक्विडिटी को संभालना। रिजर्व बैंक द्वारा खरीदे जाने वाले बॉन्ड मल्टीपुल विपरीतों के बीच से 2028 और 2039 में मैच्योर किए गए हैं। यह कदम आरबीआई के सिस्टम में शामिल होने वाले हाल ही के कदमों का एक और उदाहरण है जो लिक्विडिटी को बढ़ाने के लिए उठाए गए हैं। इसके अलावा, 3 अप्रैल को आयोजित ओएमओ नीलामी में वित्तीय संस्थानों से 2029 और 2039 के बीच मैच्योर किए गए बॉन्ड पर 80,820 करोड़ रुपए की पेशकश की गई थी। इसके अतिरिक्त, 8 अप्रैल की नीलामी में 2032 और 2039 के बीच मैच्योर होने वाले बॉन्ड पर 70,144 करोड़ रुपए की पेशकश की गई थी। आगामी 3, 8, 22 और 29 अप्रैल को भी 20,000 करोड़ रुपए की चार बराबर किस्तों में आयोजित की जाएगी। इसके अलावा आरबीआई ने मार्च में भी 50,000 करोड़ रुपए की दो किस्तों में 1 लाख करोड़ रुपए की सरकारी सिक्योरिटीज की ओएमओ खरीद की थी।

पिछले सप्ताह तेलों के दामों में उतार-चढ़ाव

सरसों, सोयाबीन, मूंगफली और बिनौला तेल के दामों में हुआ सुधार

नई दिल्ली (ईएमएस)। हाल ही में बाजार में तेलों के दामों में उतार-चढ़ाव देखने को मिला है। पिछले सप्ताह ऊंचे दाम पर लिवाली प्रभावित रहने से कच्चे पामतेल (सीपीओ) एवं पामोलीन तेल के दाम गिरावट दर्शाते बंद हुए। साथ ही, मंडियों में किसानों की ओर से आवक कम लाने के कारण सरसों, मूंगफली एवं सोयाबीन तेल-तिलहन तथा बिनौला तेल के भाव सुधार के साथ बंद हुए हैं। बीते हफ्ते में आप ने देखा होगा कि सरसों, सोयाबीन, मूंगफली तेल-तिलहन और बिनौला तेल के दामों में सुधार हुआ है। इसके पीछे का कारण थी अप्रैल महीने में किसानों के आवक में कमी और चीन से सरसों डीओसी की मांग। किसानों की ओर से आवक कम लाने के कारण सरसों, सोयाबीन और मूंगफली तेल-तिलहन के भाव सुधार के साथ बंद हो गए हैं। इससे उन्हें नुकसान हो सकता है और उन्हें उचित दाम नहीं मिल सकता। सरकार को इसे सुनिश्चित करने के लिए कदम उठाने होंगे। इस तरह, बाजार में तेलों के दामों में उतार-चढ़ाव देखने को मिला। बीते सप्ताह सरसों दाने का थोक भाव 175 रुपये के सुधार के साथ 6,375-6,475 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। सरसों दादरी तेल का थोक भाव 350 रुपये के सुधार के साथ 13,350 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। सरसों पक्की और कच्ची घानी तेल का भाव क्रमशः 40-40 रुपये सुधरकर क्रमशः 2,380-2,480 रुपये और 2,380-2,505 रुपये टिन (15 किलो) पर बंद हुआ।समीक्षाधीन सप्ताह में सोयाबीन दाने और सोयाबीन लूज का थोक भाव क्रमशः 225-225 रुपये सुधार के साथ क्रमशः 4,625-4,675 रुपये और 4,325-4,375 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ।

बाबा की शरबत जिहाद को लेकर आलोचना

नई दिल्ली (ईएमएस)। पतंजलि योग गुरु बाबा रामदेव की आयुर्वेद कंपनी ने हाल ही में अपने नए विज्ञापन के माध्यम से धर्म के मामले पर चर्चा खड़ी की है। इस विज्ञापन में पतंजलि ने पुराने ढर्रे वाले शरबत ब्रांडों पर धन और धर्म की बर्बादी का तर्क दिया है। उन्होंने ग्राहकों से उनकी शरबत को सबसे आगे रखने की अपील की है, इसके साथ ही बाबा रामदेव द्वारा एक वीडियो में किए गए शरबत जिहाद के दावे को लेकर आलोचना भी दी गई है। बाबा रामदेव के वीडियो में उन्होंने सॉफ्ट ड्रिंक्स को टॉयलेट क्लीनर के जैसा बताया है, और उन्होंने इसे गर्मियों में प्यास बुझाने के बहाने से जहर के समान बताया है। इसी कंटेंट में रामदेव ने कहा है कि एक शरबत बेचने वाली कंपनी अपने कमाई का हिस्सा मस्जिद और मदरसे बनाने में खर्च करती है, जिसे उन्होंने शरबत जिहाद कहा है। यह कंट्रोवर्शल बयान ने लोगों में मीडिया और सामाजिक मंचों पर बहुत ही चर्चा का विषय बन दिया है। बाबा रामदेव की शरबत जिहाद पर आलोचना और पतंजलि की धर्म पर आधारित विज्ञापन ने भारतीय समाज में खुद विचार करने पर मजबूर कर दिया है। विज्ञापनों और सोशल मीडिया के इस युद्ध ने भारतीय जनता को इस सच्चाई का सामना करने पर मजबूर किया है।

इंदौर बाजार भाव

इन्दौर (ईएमएस)। आयातित मालों में आयी नरमी से आलौच्य सप्ताह के दौरान खाद्य तेलों में बाजार नरमी के रहे। तिलहनों में सोयाबीन नरमी पर देखे गये। दलहनों में चना पूर्वस्तर पर देखा गया। किराना जिंसों में शक्कर व खोपरा गोला बना रहा। व्यापारिक सूत्रों के अनुसार सोयाबीन में आवकें ठंडी रहने से बाजार तेजी के रहे। सोयाबीन में आज बाजार 4500 रू. प्रतिक्विंटल पर आ गये। सरसो व रायडा बना रहा। दलहनों में चना मामूली लटक पर रहा। मसूर बाजार बने रहे। उधर, किराना जिंसों में शक्कर पूर्वस्तर पर रही। हल्दी व जीरे में बाजार मजबूती के रहे। भाव इस प्रकार रहे :-

भारत के संविधान निर्माता भारत रत्न बाबा साहब डॉ. भीमराव अम्बेडकर की 135वीं जयंती पर सादर नमन

उद्यमिता की शक्ति लाएगी समृद्धि

डॉ. भीमराव अम्बेडकर कामधेनु योजना

25 दुधारू पशुओं की डेयरी इकाई लगाने के लिए

₹42 लाख तक ऋण सहायता

पात्रता	सब्सिडी	पहले आएं, पहले पाएं
3.50 एकड़ कृषि भूमि एवं डेयरी फार्मिंग में प्रशिक्षण	25% से 33%	पोर्टल पर ऑनलाइन आवेदन करें

- **मुख्यमंत्री उद्यमिता कार्यक्रम के अंतर्गत-** पशुपालन एवं दुग्ध उत्पादन को प्रोत्साहन, डेयरी किसानों की आय में वृद्धि और डेयरी क्षेत्र में रोज़गार के नए अवसरों का होगा निर्माण।
- **उन्नत नस्लों से बढ़ेगी आय -** भ्रूण प्रत्यारोपण कार्यक्रम और बांझ निवारण शिविरों के माध्यम से पशुओं की नस्ल सुधारने के कार्यक्रम।
- **मुख्यमंत्री डेयरी प्लस कार्यक्रम -** किसान आधुनिक डेयरी तकनीक और बाजार से जुड़ेंगे।
- **उत्कृष्टता को सम्मान -** प्रदेश की सर्वश्रेष्ठ गौवंशीय और उन्नत नस्ल की दुधारू गायों के लिए पुरस्कार कार्यक्रम।
- एक हितग्राही को अधिकतम आठ इकाइयां लगाने की पात्रता होगी।

प्रदेश में गौ-पालकों और दुग्ध उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए "डॉ. भीमराव अम्बेडकर कामधेनु योजना" शुरू की जा रही है। गौ-माता की सेवा हमारी संस्कृति एवं संस्कारों का अहम हिस्सा है। हमने यह वर्ष गौ-माता की सेवा को समर्पित किया है।

प्रदेश में गौ-शालाओं के माध्यम से गौ-सेवा की नई इबारत लिखी जाएगी और नई दुग्ध क्रांति लाई जाएगी। स्वावलंबी गौ-शालाओं की स्थापना नीति-2025 के तहत पंजीकृत गौ-शालाओं के गौ-वंश हेतु अनुदान अब ₹20 से बढ़कर ₹40 प्रति गौवंश प्रति दिवस मिलेगा। हमारा प्रयास है कि दुग्ध उत्पादकों को दुग्ध के बेहतर दाम मिलें, इस दिशा में हम तेजी से प्रयास कर रहे हैं।

-डॉ. मोहन यादव, मुख्यमंत्री

डॉ. भीमराव अम्बेडकर अभ्यारण्य के रूप में सागर जिले में 258.64 वर्ग किमी क्षेत्र में प्रदेश का 25वां अभ्यारण्य घोषित।

वन्य जीवन एवं पर्यावरण संरक्षण के लिए अहम निर्णय।

नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री

डॉ. मोहन यादव, मुख्यमंत्री

D-11011/25